ग्राम्य विकास एवं पलायन निवारण आयोग, उत्तराखण्ड़, पौड़ी

जनपद हरिद्वार के ग्रामीण क्षेत्रों में सामाजिक–आर्थिक विकास को सुदृढ़ करने एवं पलायन को कम करने हेतु सिफारिशें

नवम्बर, 2022

प्रस्तावना

हरिद्वार जनपद गढ़वाल मण्डल का महत्वपूर्ण जनपद है, जिसका क्षेत्रफल 2360 वर्गकि0मी0 है जो कि प्रदेश के क्षेत्रफल का 4.4% है। यह जनपद उत्तराखण्ड के दक्षिण–पश्चिम भाग में स्थित है तथा इसकी सीमाऐं उत्तर प्रदेश राज्य के सहारनपुर, बिजनौर एवं मुजफ्फरनगर जनपदों से एवं उत्तराखण्ड के देहरादून एवं पौड़ी जनपद से लगती है। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार जनपद की जनसंख्या 18,90,422 है, जो पिछली जगणनाओं के सापेक्ष लगातार बढ़ रही है। इस जनपद में 3 तहसील, 6 विकास खण्ड, 46 न्याय पंचायतें एवं 308 ग्राम पंचायतें हैं। जनपद तीर्थाटन, पर्यटन, उद्योग एवं कृषि का मुख्य केन्द्र है।

स्थानीय स्तर पर ग्रामीण क्षेत्रों से युवाओं का अस्थायी पलायन आस–पास के शहरों की ओर हो रहा है। वर्ष 2008 से वर्ष 2018 के मध्य जनपद के कुल 153 ग्राम पंचायतों से 8168 व्यक्तियों द्वारा अस्थायी पलायन किया गया जिसमें सबसे अधिक पलायन बहादराबाद विकास खण्ड के 46 ग्राम पंचायतों से 3091 व्यक्तियों द्वारा किया गया। इस अवधि में 73 ग्राम पंचायतों से 1251 व्यक्तियों द्वारा स्थायी पलायन किया गया जिनमें सबसे अधिक बहादराबाद विकास खण्ड के 27 ग्राम पंचायतों से 571 व्यक्तियों द्वारा पलायन किया गया है। पलायन के मुख्य कारण आजीविका का अभाव, उचित शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं की कमी है।

जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों में कमजोर अर्थव्यवस्था से स्थानीय पलायन की स्थिति उत्पन्न हो रही है आयोग ने हरिद्वार जनपद के प्रत्येक विकास खण्ड का विस्तृत सामाजिक–आर्थिक विश्लेषण करके ग्रामीण क्षेत्र की सामाजिक अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए इस रिपोर्ट में सिफारिशें की गयी हैं, जिससे गांवों से शहरों की ओर हो रहे पलायन पर अंकुश लगेगा। इस प्रक्रिया में राज्य, जनपद एवं विकास खण्ड स्तर के अधिकारियों एवं स्थानीय ग्रामीण क्षेत्रों में रह रहे लोगों से विस्तृत परामर्श किया गया है।

आयोग अपने अध्यक्ष श्री पुष्कर सिंह धामी, माननीय मुख्यमंत्री, उत्तराखंड द्वारा दिए गए मार्गदर्शन और प्रोत्साहन; श्री गणेश जोशी, मा0मंत्री, ग्राम्य विकास विभाग, उत्तराखण्ड, श्री आनन्दबर्द्धन, अपर मुख्य सचिव, ग्राम्य विकास, उत्तराखण्ड शासन, एवं श्री बी0वी0आर0सी0पुरूषोत्तम, सचिव, ग्राम्य विकास, उत्तराखण्ड शासन को उनके सुझाव और समर्थन के लिए; श्री विनय शंकर पाण्डेय, जिलाधिकारी, हरिद्वार एवं उनके अधिकारियों की टीम; विभिन्न लाइन विभागों के अधिकारी और कर्मचारी; जिले के सभी जनप्रतिनिधि; जिले के सभी वरिष्ठ अधिकारी; एन.जी.ओ. और ग्रामीणों, सभी सदस्य एवम् सदस्य सचिव, ग्राम्य विकास एवं पलायन निवारण आयोग, श्री गजपाल चन्दानी, शोध अधिकारी, ग्राम्य विकास एवं पलायन निवारण आयोग तथा श्री भूपाल सिंह रावत, वैयक्तिक सहायक द्वारा इस रिपोर्ट को तैयार करने के अथक प्रयासों को विनम्रता के साथ स्वीकार करता है।

25 नवम्बर, 2022

डॉ0 शरद सिंह नेगी
उपाध्यक्ष

अन्तर्वस्तु

अध्याय I :	परिचय	1
अध्याय II :	जनपद के सामाजिक–आर्थिक आंकड़ों का विष्लेषण	12
अध्याय III :	पलायन की स्थिति	34
अध्याय IV :	ग्रामीण सामाजिक–आर्थिक विकास हेतु जनपद हरिद्वार में विभागों द्वारा संचालित कार्यक्रमों का विश्लेषण	46
अध्याय V:	विश्लेषण एवं सिफारिशें	97

अध्याय I

परिचय

देवभूमि उत्तराखण्ड़ में स्थित हरिद्वार, गढ़वाल क्षेत्र का जनपद है जो कि शिवालिक श्रेणी के विल्व पर्वतों के मध्य गंगा नदी के दोनों ओरस्थित है। हिन्दू धर्मग्रन्थों में हरिद्वार नगर को कपिलस्थान, मायापुरी, स्वर्गद्वार, गंगाद्वार, चारधाम प्रवेशद्वार जैसे विभिन्न नामों से पुकारा जाता है साथ ही सप्त मोक्षदायिनी पुरियों में गणना की जाती है। हरिद्वार अपनी ऐतिहासिक, पौराणिक एवं धार्मिक महत्व के लिए देश में ही नहीं बल्कि विदेश में भी अपना अलग ही महत्त्व रखता है। धार्मिक महत्व के अतिरिक्त जनपद हरिद्वार राज्य में औद्योगिक केन्द्र के रूप में भी देशव्यापी भूमिका निभाता है।

मान्यता के अनुसार हरिद्वार में जहाँ अमृत की बूँदें गिरी थीं उसे हर/हरि की पैड़ी पर स्थित बह्म कुण्ड माना जाता है। ''हर की पैड़ी'' हरिद्वार का सबसे अधिक पवित्र घाट माना जाता है और भारत से ही नहीं अपितु विदेशों से भी भक्तों और तीर्थयात्रियों के जत्थे त्योहारों या पवित्र दिवसों के अवसर पर स्नान करने के लिए यहाँ आते हैं। यहाँ स्नान करना मोक्ष प्राप्त करवाने वाला माना जाता है। मान्यता के अनुसार हरिद्वार को ब्रह्मा, विष्णु और महेश तीन देवताओं ने अपनी उपस्थिति से पवित्र किया है। आज भी यहाँ भगवान विष्णु के चरणचिन्ह या चरणपादुका हर की पैड़ी की ऊपरी दीवार पर मौजूद हैं। जहाँ पवित्र गंगा हर समय उन्हें छूती रहती है। हरिद्वार में मनसादेवी मन्दिर, मायादेवी मन्दिर, चण्डीदेवी मन्दिर, वैष्णोदेवी मन्दिर, पवनधाम मन्दिर, नीलेश्वर मन्दिर, गंगा मन्दिर, हरिचरण मन्दिर तथा दक्ष महादेव मन्दिर आदि पौराणिक दर्शनीय मन्दिर अवस्थित हैं जहाँ भक्तों का तांता लगा रहता है।

(Source: District website)

भौगोलिक स्थितिः– 2360 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र से घिरा हरिद्वार जिला उत्तराखण्ड राज्य के दक्षिण पश्चिमी भाग में स्थित है।जिले के पश्चिम में उत्तर प्रदेश का सहारनपुर जनपद, दक्षिण में मुजफ्फरनगर एवं बिजनौर जनपद एवं उत्तर में उत्तराखण्ड का देहरादून जनपद एवं पूर्व में पौड़ी जनपद है। हरिद्वार से गंगा पहाड़ों से निकलकर मैदानों में प्रवेश करती है।

जिले का अधिकांश भाग जंगलों से घिरा है व राजाजी राष्ट्रीय प्राणी उद्यान का अधिक भाग जिले की सीमा में ही आता है जो इसे वन्यजीव व साहसिक कार्यों के प्रेमियों का आदर्श स्थान बनाता है। राजाजी राष्ट्रीय उद्यान इन गेटों से पहुँचा

जा सकता है :– रामगढ़ गेट व मोहंड गेट जो देहरादून से 25 किमी, मोतीचूर, रानीपुर और चीला गेट हरिद्वार से 9 किमी, कुनाओ गेट ऋषिकेश से 6 किमी, तथा लालढांग गेट कोटद्वार से 25 किमी की दूरी पर स्थित है।

प्रशासनिक स्थितिः– हरिद्वार जिला, सहारनपुर डिवीजनल कमिशनरी के भाग के रूप में 28 दिसम्बर 1988 को अस्तित्व में आया, जिसमें सहारनपुर जिले की हरिद्वार और रूड़की तहसीलों, मुजफ्फरनगर जिले की सदर तहसील के 53 गांवों और बिजनौर जिले की नजीबाबाद तहसील के 25 गांवों को सम्मिलित किया गया। 9 नवम्बर सन् 2000 के दिन हरिद्वार भारतीय गणराज्य के 27वें नवगठित राज्य उत्तराखण्ड का भाग बन गया।

वर्तमान समय में जनपद 03 तहसीलों हरिद्वार, रूड़की और लक्सर तथा 06 विकासखण्डों भगवानपुर, रूड़की, नारसन, बहादराबाद, लक्सर और खानपुर में बँटा हुआ है, जिनके अन्तर्गत 46 न्याय पंचायत, 308 ग्राम पंचायत और 643 ग्राम मौजूद हैं। अन्य विवरण निम्नवत तालिकाओं में दर्शाया गया है।

हरिद्वार जनपद का प्रशासनिक ढ़ांचा	नगर पालिका परिषद	नगर पंचायत	छावनी क्षेत्र	ओद्योगिक कस्बा	तहसील
	हरिद्वार, रूड़की, मंगलौर	झबरेड़ा, लंढौरा, लक्सर	रूड़की	भारत हैवी इलैक्ट्रिकल लिमिटेड	हरिद्वार, रूड़की, लक्सर
संख्या	3	3	1	1	3

	जनगणना शहर	विकासखण्ड	न्याय पंचायत	ग्राम पंचायत	ग्राम
हरिद्वार जनपद का प्रशासनिक ढ़ांचा	ढंढैरा	भगवानपुर	9	53	82
	मोहनपुर मोहम्मदपुर	रूड़की	9	43	89
	शाहपुर	बहादराबाद	9	70	128
	भागवानपुर	नारसन	8	58	118
	सईदपुरा	लक्सर	8	49	111
	पिरान कलियर	खानपुर	3	23	53
	सलीमपुर राजपुतान				
	सुनहरा				
	शफीपुरा				
	खनजरपुर				
	भगेरीमहावतपुर				
	पडेली गुजर				
	नगला इमरती				
	रावती मेहदूद				
	बहादराबाद				
	जगजीतपुर				
संख्या	16	6	46	296	581

औद्योगिक स्थितिः– हरिद्वार जनपद अपने पौराणिक, धार्मिक महत्त्व के साथ–साथ आज तेजी से औद्योगिक एस्टेट के रूप में भी विकसित हुआ है। हरिद्वार में आज राज्य ढांचागत और औद्योगिक विकास निगम, सिडकुल (उत्तराखण्ड राज्य औद्योगिक विकास निगम लिमिटेड/State Industrial Development Corporation Of Uttarakhand Limited), BHEL (भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड/Bharat Heavy Electricals Limited) और इसके सम्बन्धित सहायक इस जनपद के विकास के साक्ष्य हैं।

अ. उत्तराखण्ड राज्य औद्योगिक विकास निगम लिमिटेड :–राज्य में औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए उत्तराखण्ड सरकार द्वारा बुनियादी ढ़ांचे का विकास करना तथा उद्योग और बुनियादी ढांचे में निजी पहल की सहायता के साथ–साथ कार्यावन्यन करना, परियोजनाओं का प्रबन्धन करना, उद्योगों को बढ़ावा देने और उत्तराखण्ड राज्य में औद्योगिक आधारभूत संरचना का विकास करने के लिए विशेष वित्तीय, परामर्श, निर्माण और ऐसी सभी अन्य गतिविधियां शामिल करने के उद्देश्य से एकीकृत औद्योगिक एस्टेट, बीएचईएल, हरिद्वार (शिवालिक नगर) विकसित किया गया है।

ब. एकीकृत औद्योगिक एस्टेट, बीएचईएल :–भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड हरिद्वार में दो विनिर्माण संयन्त्र, हेवी इलेक्ट्रिकल्स इक्विपमेंट प्लांट (HEEP), सेंट्रल फाउंडरी फोर्ज प्लांट (CFFP) हैं।

स. भगवानपुर औद्योगिक क्षेत्र–यह औद्योगिक क्षेत्र भगवानपुर विकासखण्ड में स्थित है।

शैक्षणिक स्थितिः– हरिद्वार जिले में शिक्षा का प्रचार–प्रसार भी उत्तराखण्ड के अन्य जिलों की अपेक्षा अधिक है। यहाँ 01 इन्जीनियरिंग कॉलेज, 02 मैडिकल कॉलेज, 02 विश्वविद्यालय, 03 पॉलिटैक्निक कॉलेज, 07 आई0टी0आई0 व 07 डिग्री कॉलेज हैं। इसके अतिरिक्त आई.आई.टी. रूड़की केन्द्रीय भवन अनुसंधान केन्द्र रूड़की, राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान, सिंचाई अनुसंधान रूड़की व 03 चीनी मिलें भी है।

साक्षरता :– साक्षरता के दृष्टिकोण से जनपद हरिद्वार के विगत चार दशकों के आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि वर्ष 1981 से वर्ष 2011 के मध्य साक्षरता 34.58% से बढ़कर 73.43% हो गयी है किन्तु वर्ष 2001 से वर्ष 2011 के दौरान दशकीय वृद्धिदर में अपेक्षाकृत कम वृद्धिदर देखने को मिलती है। विकासखण्ड खानपुर में दशकीय वृद्धिदर अन्य विकासखण्डों की अपेक्षा अधिक है किन्तु शत–प्रतिशत में अन्य विकासखण्डों के सापेक्ष पिछड़ा है। आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिकाओं में दर्शाया गया है–

जनपद में दशकीय साक्षर व्यक्ति तथा साक्षरता का प्रतिशत							
वर्ष	साक्षर व्यक्ति			साक्षरता का प्रतिशत			दशकीय वृद्धिदर
	पुरूष	स्त्री	कुल	पुरूष	स्त्री	कुल	
1981	215172	54598	299770	43.78	21.08	33.58	–
1991	293950	143532	437482	59.51	34.93	48.35	14.77
2001	468703	286245	754948	73.83	52.10	63.75	15.40
2011	691411	486943	1178354	81.04	64.79	73.43	9.68

जनपद में विकासखण्डवार दशकीय साक्षरता प्रतिशत का विवरण										
वर्ष / विकासखण्ड	साक्षरता का प्रतिशत (2001)			साक्षरता का प्रतिशत (2011)			साक्षरता में दशकीय वृद्धिदर (प्रतिशत में)			शत – प्रतिशत से दूरी
	पुरूष	स्त्री	कुल	पुरूष	स्त्री	कुल	पुरूष	स्त्री	कुल	
खानपुर	67.18	36.61	53.09	75.38	54.53	65.48	8.20	17.92	12.39	-34.52
लक्सर	72.04	42.57	58.25	80.41	59.54	70.54	8.37	16.97	12.29	-29.46
भगवानपुर	68.12	42.45	56.12	77.37	58.18	68.39	9.25	15.73	12.27	-31.61
नारसन	67.94	43.43	56.51	76.83	57.43	67.76	8.89	14.00	11.25	-32.24
बहादराबाद	70.70	46.01	59.20	78.64	60.21	69.94	7.94	14.20	10.74	-30.06
रूड़की	68.91	45.43	57.84	77.06	58.12	68.08	8.15	12.69	10.24	-31.92
विकासखण्ड योग	**69.40**	**43.92**	**57.49**	**77.90**	**58.61**	**68.81**	**8.50**	**14.69**	**11.32**	-31.19
वन	36.05	15.17	26.52	38.07	22.65	30.71	2.02	7.48	4.19	-69.29
नगरीय	83.56	70.05	77.38	87.05	75.98	81.91	3.49	5.93	4.53	-18.09
जनपद योग	**73.83**	**52.10**	**63.75**	**81.04**	**64.79**	**73.43**	**7.21**	**12.69**	**9.68**	-26.57

जनसांख्यिकी

जनपद हरिद्वार हेतु वर्ष 1901 से वर्ष 2011 के मध्य दशकीय जनगणना आंकड़ों के अध्ययन से निम्नवत तथ्य स्पष्ट होते है :–

1. जनपद हरिद्वार में वर्ष 1901 से वर्ष 1991 के मध्य दशकीय जनगणनाओं हेतु जनसंख्या वृद्धि दर में लगातार विचलन देखा जा सकता है अर्थात जनसंख्या वृद्धि दर में हो रहा विचलन, पलायन के उतार–चढ़ाव की पुष्टि करता है।आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिकाओं में में प्रदर्शित किये गये हैं–

वर्ष 1901 की स्थिति से वर्ष 2011 के मध्य हरिद्वार जनपदान्तर्गत जनसंख्या में दशकीय बदलाव						
जनपद	जनगणना वर्ष	जनसंख्या			पूर्ववर्ती जनगणना के बाद से बदलाव	
		पुरूष	महिला	योग	शुद्ध बदलाव	प्रतिशत
हरिद्वार	1901	176928	152911	329839	NA	NA
	1911	170796	140640	311436	-18403	-5.58
	1921	162840	133263	296103	-15333	-4.92
	1931	181243	148671	329914	33811	11.42
	1941	207038	166004	373042	43128	13.07

	1951	236724	190850	427574	54532	14.62
	1961	280907	223675	504582	77008	18.01
	1971	372005	298759	670764	166182	32.93
	1981	489847	400413	890260	219496	32.72
	1991	609054	515434	1124488	234228	26.31
	2001	776021	671166	1447187	322699	28.70
	2011	1005295	885127	1890422	443235	30.63

जनपद हरिद्वार में भूमि आवरण में वर्ष 2004–05 से वर्ष 2013–14 के मध्य बदलाव का विवरण					
भूमि का क्षेत्रफल	वर्ष 2004–05 में कुल भूमि आवरण (हे0 में)		वर्ष 2013–14 में कुल भूमि आवरण (हे0 में)		
	कुल भूमि (हे0 में)	राज्य में % योगदान	कुल भूमि (हे0 में)	राज्य में % योगदान	भूमि में बदलाव
वन भूमि का क्षेत्रफल	31.13	2.1	31.13	1.9	0
चारागाह वाली भूमि का क्षेत्रफल	0.02	0.026	0.02	0.03	0
बोया जाने वाली भूमि का क्षेत्रफल	71.9	13.8	70.2	14.9	-1.7
परती भूमि का क्षेत्रफल	2.6	5.6	3.2	5.1	0.6

जनपदान्तर्गत भूमि उपयोग में वर्ष 2015–16 से बदलाव (प्रतिशत हेक्टेयर में)							
वर्ष / विकासखण्ड	कुल प्रतिवेदित क्षेत्र	वन	कृषि योग्य बंजर भूमि	वर्तमान परती	अन्य परती	उसर एवं कृषि के अयोग्य भूमि	कृषि के अतिरिक्त अन्य उपयोग भूमि
2016–17	0.0%	0.0%	-32.1%	-2.4%	0.6%	0.1%	1.9%
2017–18	5.0%	16.2%	33.6%	-22.5%	0.7%	-2.7%	0.8%
2018–19	-0.2%	0.0%	3.6%	0.5%	3.0%	-12.9%	1.7%
2019–20	0.0%	0.0%	-4.3%	-15.0%	15.8%	-0.3%	0.8%

जनपदान्तर्गत वर्ष 2017–18 से वर्ष 2019–20 के मध्य विकासखण्डवार भूमि उपयोग में बदलाव (प्रतिशत हेक्टेयर में)

वर्ष / विकासखण्ड	कुल प्रतिवेदित क्षेत्र	वन	कृषि योग्य बंजर भूमि	वर्तमान परती	अन्य परती	उसर एवं कृषि के अयोग्य भूमि	कृषि के अतिरिक्त अन्य उपयोग भूमि
भगवानपुर	-0.1%	0.0%	-25.1%	-23.5%	21.6%	-21.0%	-2.6%
रूड़की	-1.8%	0.0%	-17.2%	-54.4%	21.0%	-12.4%	6.7%
नारसन	0.6%	0.0%	80.6%	16.9%	-8.7%	-23.7%	-0.2%
बहादराबाद	-0.5%	0.0%	-9.8%	-35.0%	59.0%	-14.1%	2.6%
लक्सर	-1.3%	0.0%	-18.4%	0.0%	-0.8%	39.7%	-2.4%
खानपुर	1.8%	0.0%	40.4%	203.8%	-48.9%	-36.2%	24.2%
योग जनपद	-0.4%	0.0%	-0.9%	-14.5%	19.2%	-13.2%	2.1%

जनपदान्तर्गत भूमि उपयोग में वर्ष 2015–16 से बदलाव (प्रतिशत हेक्टेयर में)								
वर्ष / विकासखण्ड	चारागाह	उद्यानों, बागों, वृक्षों एवं झाडियों का क्षेत्र	शुद्ध बोया गया क्षेत्र	एकबार से अधिक बोया गया क्षेत्र	सकल बोया गया क्षेत्रफल			
					कुल	रबी	खरीफ	जायद
2016–17	6.7%	0.4%	0.1%	-1.2%	-0.3%	0.2%	-1.4%	8.2%
2017–18	1.6%	46.5%	0.0%	-4.2%	-1.3%	-3.7%	-0.3%	1.6%
2018–19	-3.1%	-32.4%	0.0%	1.0%	0.3%	-2.6%	1.3%	6.1%
2019–20	0.0%	-11.3%	0.0%	4.0%	1.1%	1.0%	0.1%	4.4%

जनपदान्तर्गत वर्ष 2017–18 से वर्ष 2019–20 के मध्य विकासखण्डवार भूमि उपयोग में बदलाव (प्रतिशत हेक्टेयर में)								
वर्ष / विकासखण्ड	चारागाह	उद्यानों, बागों, वृक्षों एवं झाडियों का क्षेत्र	शुद्ध बोया गया क्षेत्र	एकबार से अधिक बोया गया क्षेत्र	सकल बोया गया क्षेत्रफल			
					कुल	रबी	खरीफ	जायद
भगवानपुर	40%	-42%	2%	19%	7%	-3%	22%	-34%
रूड़की	15%	-57%	-1%	5%	1%	-7%	4%	3%
नारसन	100%	-15%	2%	14%	5%	7%	-1%	50%
बहादराबाद	-67%	-47%	0%	-4%	-1%	-12%	3%	13%
लक्सर	-14%	-16%	-2%	-6%	-3%	4%	-11%	84%
खानपुर	-71%	3050%	-3%	-2%	-3%	14%	-15%	116%
योग जनपद	-3%	-40%	0%	5%	1%	-2%	1%	11%

2. जनपदान्तर्गत विगत दशकीय जनगणना के अनुसार जनसंख्या के आधार पर ग्रामों के वर्गीकरण से स्पष्ट होता है कि जनपद में नये ग्रामों के सृजन के साथ–साथ 2000 से अधिक जनसंख्या वाले ग्रामों की संख्या में वृद्धि का होना तथा

विकासखण्ड रूड़की, लक्सर में ग्रामों की संख्या में गिरावट एवं विकासखण्ड नारसन, बहादराबाद में ग्रामों की संख्या में बढ़ोत्तरी का होना, जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों से रोजगार एवं आधारभूत सुविधाओं के लिए नजदीकी क्षेत्रों/कस्बों/नगरों में हो रहे पलायन की पुष्टि करता है।आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिकाओं में में प्रदर्शित किये गये हैं–

जनपद में जनगणना वर्षवार एवं कुल जनसंख्या के अनुसार वर्गीकृत ग्राम									
वर्ष	**200 से कम**	**200-499**	**500-999**	**1000-1499**	**1500-1999**	**2000-4999**	**5000 अधिक**	**योग**	**दशकीय बदलाव**
1981	48	102	128	0	123	88	11	500	—
1991	49	76	113	79	53	117	16	503	3
2001	49	48	95	76	64	135	43	510	7
2011	56	49	80	67	51	161	54	518	8

जनपद में जनगणना वर्षवार एवं विकासखण्डवार ग्रामों का वितरण			
विकासखण्ड	जनगणना वर्ष 2001	जनगणना वर्ष 2011	दशकीय बदलाव
भगवानपुर	80	80	0
रूड़की	93	88	-5
नारसन	90	97	7
बहादराबाद	107	114	7
लक्सर	86	85	-1
खानपुर	49	49	0
योग विकासखण्ड	505	513	8
वन	5	5	0
योग जनपद	510	518	8

3. जनगणना वर्ष 2001 से वर्ष 2011 के मध्य ग्रामीण, वन एवं नगरीय जनसंख्या वृद्धि दर हेतु आंकड़ों से ज्ञात होता है कि जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों में जनसंख्या वृद्धि दर नगरीय व वन क्षेत्र में हुई जनसंख्या वृद्धि दर से काफी कम है। अर्थात जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों में पलायन देखा जा सकता है। सम्बन्धित आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका में दर्शाया गया है–

जनपदान्तर्गत ग्रामीण, वन एवं नगरीय क्षेत्रों में दशकीय जनगणना हेतु जनसंख्या वृद्धि दर का तुलनात्मक विवरण				
विकासखण्ड	**कुल जनसंख्या**			
	वर्ष 2001	**वर्ष 2011**	**बदलाव**	**बदलाव प्रतिषत**
बहादराबाद	242559	312254	69695	28.73%
खानपुर	41446	53194	11748	28.35%
लक्सर	138136	171889	33753	24.43%
भगवानपुर	179740	215326	35586	19.80%
नारसन	173905	204807	30902	17.77%
रूड़की	214299	222943	8644	4.03%
योग ग्रामीण	**990085**	**1180413**	**190328**	**19.22%**
वन क्षेत्र	10827	16915	6088	56.23%
नगरीय क्षेत्र	446275	693094	246819	55.31%
योग जनपद	**1447187**	**1890422**	**443235**	**30.63%**

आर्थिकी की स्थिति

जनपद की अर्थव्यवस्था हेतु वर्ष 2011–12 से वर्ष 2016–17 के लिए GDDP हेतु उपलब्ध आंकड़ों से स्पष्ट होता है, कि उक्त अवधि के मध्य जनपद की GDDP एवं प्रति व्यक्ति आय में क्रमशः 3.51% तथा 4.39% की गिरावट हुई है, लेकिन वर्ष 2015–16 के उपरान्त वृद्धि के आंकड़ें प्रदर्शित होते हैं। आंकड़ों को निम्नवत तालिका में दर्शाया गया है–

सकल जिला घरेलू उत्पाद हेतु वर्षवार विवरण			
वर्ष	**GDDP** (लाख में)	पूर्ववर्ती **GDDP** के बाद से बदलाव	
		शुद्ध बदलाव	बदलाव प्रतिशत
2011–12	3541395	NA	NA
2012–13	4034601	493206	13.93%
2013–14	4521113	486512	12.06%
2014–15	4851472	330359	7.31%
2015–16	5268088	416616	8.59%
2016–17	5816824	548736	10.42%

प्रति व्यक्ति आय का वर्षवार विवरण			
वर्ष	**PCI** (रूपये में)	पूर्ववर्ती **PCI** के बाद से बदलाव	
		शुद्ध बदलाव	बदलाव प्रतिशत
2011–12	163869	NA	NA
2012–13	185429	21560	13.16%
2013–14	204498	19069	10.28%
2014–15	217931	13433	6.57%
2015–16	233566	15635	7.17%
2016–17	254050	20484	8.77%

प्राथमिक क्षेत्र :– उत्तराखण्ड राज्य के सभी जनपदों में अधिकांश आबादी अपनी आजीविका के लिए कृषि पर निर्भर है जिसमें से हरिद्वार जिला भी सम्मिलित है। जनपद की प्रमुख फसल गन्ना है जिसकी खेती कुल सिंचित क्षेत्र के 52.06% पर की जाती है। गन्ने के बाद कुल सिंचित भूमि क्षेत्र के 31.26% पर गेहूँ, 9.38% पर धान, 1.01% पर दलहन और 6.29% पर अन्य फसलों की खेती की जाती है। जिले की कुछ महत्त्वपूर्ण फसलें गेहूँ, धान, मक्का और दालें हैं। कुल 1,18,376 हेक्टेयर फसल क्षेत्र में से 10824 हेक्टेयर सिंचित है। बेहतर सिंचाई सुविधा के कारण, भूमि उपयोग की तीव्रता और भूमि उत्पादकता अधिक है। 63% जोत 01 हेक्टेयर से कम है, और कुल कृषि क्षेत्र के पांचवें हिस्से में 1–2 हेक्टेयर भूमि जोत है।

द्वितीयक क्षेत्र :– जनपद हरिद्वार में वर्ष 2003 से पूर्व कुल 1637 लघु और मध्यम उद्योग थे। उद्यमों पर कुल रूपये 475.38 करोड़ का निवेश किया गया था, जिनसे 17251 लोगों को रोजगार दिया गया। वर्ष 2003 में विशेष रियायत क्षेत्र के लागू होने के बाद 17,74,637 करोड़ के निवेश से 1297 लघु, मध्यम और बडे पैमाने के उद्योगों की स्थापना की गई। उत्तराखण्ड राज्य औद्योगिक विकास निगम (सिडकुल) ने अब औद्योगीकरण को प्रोत्साहित करने के लिए शिवालिक नगर से सटे क्षेत्र में औद्योगिक विकास क्षेत्र स्थापित किया। हिन्दुस्तान लीवर, डाबर, महिन्द्रा एण्ड महिन्द्रा, हेवेल्स, और हीरो होण्डा जैसे औद्यागिक दिग्गजों के साथ मैकेनिक, इलेक्ट्रीशियन, फिटर, मैकेनिक ऑटोमोबाइल, टर्नर और टेक्नोक्रेट जैसे कई रोजगार उपलब्ध हुए।

भारत सरकार द्वारा प्रदान किये गये रियायती औद्योगिक पैकेज के कारण जिले में बड़ी संख्या में इकाइयां स्थापित की गई। जनपद में स्थापित उद्यमों का विवरण निम्नवत तालिका में प्रदर्शित किया गया है।

जनपद में उद्यमों का विवरण		
क्र0स0	औद्योगिक उद्यम	इकाइयाँ
1	कपड़ा	81
2	इलेक्ट्रीकल एण्ड इलेक्ट्रानिक्स	166
3	खाद्य प्रसंस्करण	245
4	दवाइयों	45
5	साबुन और प्रसाधन सामग्री	18

6	ऑटोमोबाइल	18
7	विविध अभियांत्रिकी	26
8	पैकेजिंग	93
9	इस्पात	137
10	फुटवियर	10
11	प्लास्टिक	128
12	इको–पर्यटन	36
13	अन्य	1480
योग		2483

तृतीयक क्षेत्र :–जनपद हरिद्वार में हर साल औसतन 1 करोड़ धार्मिक पर्यटक आते हैं। वर्ष 2019–20 में कुल पर्यटक आगमन2,17,49,425 घरेलू पर्यटक और 20,807 अन्तराष्ट्रीय पर्यटक थे। वर्तमान में जनपद में 72 बेड युक्त 2 पर्यटन आवास गृह, 535 होटल तथा 525 धर्मशालायें वर्तमान में मौजूद हैं,जो पर्यटकों की वर्तमान आमद को समायोजित करने के लिए पर्याप्त नहीं हैं। जिले में असीमित पर्यटन क्षमता को ध्यान में रखते हुए, सार्वजनिक एवं निजी भागीदारी के साथ गुणवत्तापूर्ण आवास सुविधाओं, पीक सीजन के दौरान विशेष परिवहन सुविधाओं और धार्मिक मेंलों के विकास के लिए परियोजनाओं को शुरू करने की अपार सम्भावनाएं हैं।

कर्मकर :– जनपदान्तर्गत मुख्य कर्मकरों में कृषक एवं पारिवारिक उद्योग हेतु आंकड़ों के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि जनपद के विकासखण्ड खानपुर, नारसन एवं नगरीय क्षेत्र को छोड़ते हुए अन्य सभी विकासखण्ड़ों के साथ–साथ वन क्षेत्र में कृषकों तथा पारिवारिक उद्योगों में गिरावट हुई है। अर्थात इन सभी स्थानों में कृषक एवं पारिवारिक उद्योगों को बढ़ावा दिये जाने की आवश्यकता है। सम्बन्धित आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका में दर्शाया गया है।

जनपद हरिद्वार में मुख्य कर्मकर का दशकीय परिवर्तन						
विकासखण्ड / नगर / वन	मुख्य कर्मकर जनगणना वर्ष 2001		मुख्य कर्मकर जनगणना वर्ष 2011		बदलाव	
	कृषक	पारिवारिक उद्योग	कृषक	पारिवारिक उद्योग	कृषक	पारिवारिक उद्योग
भगवानपुर	15743	1845	13966	1038	-1777	-807
बहादराबाद	16623	1986	16095	1488	-528	-498
लक्सर	16448	901	15683	778	-765	-123
रूड़की	12134	1666	11291	1557	-843	-109
खानपुर	7669	287	8512	274	843	-13
नारसन	17442	1535	17653	2310	211	775

विकासखण्ड योग	**86059**	**8220**	**83200**	**7445**	**-2859**	**-775**
वनवस्तियॉ	510	1249	1597	73	1087	-1176
ग्रामीण क्षेत्र	**86569**	**9469**	**84797**	**7518**	**-1772**	**-1951**
नगरीय	1645	3492	3153	7406	1508	3914
जनपद योग	**88214**	**12961**	**87950**	**14924**	**-264**	**1963**

प्रक्रिया और पद्धति

यह रिपोर्ट जनपद हरिद्वार की सामाजिक–आर्थिक मानकों का, विशेषतः उन कारणों के संदर्भ में जो पलायन पर असर डालती है का विस्तार से जांच करती है। माध्यमिक जानकारी का आधार जनपद के रेखीय विभागों के जनपदस्तरीय अधिकारियों की प्रकाशित और अप्रकाशित सूचनाएं हैं। प्राथमिक जानकारी, आयोग की टीम, खण्ड विकास अधिकारियो और ग्राम विकास अधिकारियों के द्वारा क्षेत्र भ्रमण से संकलित की गई सूचनाओं पर आधारित है। विकास खण्डवार आंकडे एकत्रित कर विश्लेषण किया गया है।

इस रिपोर्ट में जनपद की ग्रामीण सामाजिक–आर्थिक अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की लिये सिफारिशें प्रस्तुत की गयी हैं। जिससे पलायन को कम किया जा सकें। इससे स्थानीय सामाजिक–आर्थिक अर्थव्यवस्था को भी बढावा मिल सकता है एवं पलायन पर अंकुश भी लगेगा।

अध्याय II

जनपद के सामाजिक–आर्थिक आंकड़ों का विश्लेषण

जनपद का भौगोलिक क्षेत्रफल एवं जनसांख्यिकी

जनपद हरिद्वार जहाँ राज्य के भौगोलिक क्षेत्रफल का4.4% है एवं 10 वें स्थान पर है वहीं वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार जनसंख्या की वृद्धि दर 18.7% की दर से जनसंख्या में जनपद हरिद्वार राज्य में प्रथम स्थान पर है। हरिद्वार जनपद के ग्रामीण और नगरीय जनसंख्या हेतु जनगणना वर्ष 2001 से जनगणना वर्ष 2011 के मध्य आये बदलाव के आंकड़ों को देखे तो स्पष्ट होता है कि जहाँ 20% लगभग जनसंख्या वृद्धिदर ग्रामीण क्षेत्रों तथा 55% लगभग जनसंख्या वृद्धिदर नगरीय क्षेत्रों में रहती है, अर्थात जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों से पलायन होने की पुष्टि होती है, क्योंकि जनपद हरिद्वार का मैदानी क्षेत्र प्रत्येक वर्ग के लिए आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है। सम्बन्धित आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका एवं ग्राफ में दर्शाया गया है–

एक दृष्टि में जनपद				
मद	इकाई	**वर्ष 2001**	**वर्ष 2011**	**बदलाव प्रतिशत**
भौगोलिक क्षेत्रफल	वर्ग कि0मी0	2360	2360	0.0%
जनसंख्या (लाख में)				
पुरूष	संख्या	776.02	1005.30	29.5%
स्त्री	संख्या	671.17	885.13	31.9%
योग	संख्या	1447.19	1890.42	30.6%
ग्रामीण	संख्या	1000.91	1197.33	**19.6%**
नगरीय	संख्या	446.28	693.09	**55.3%**
अनुसूचित जाति	संख्या	313.98	411.27	31.0%
अनुसूचित जनजाति	संख्या	3.14	6.32	101.3%
साक्षर व्यक्तियों की संख्या (लाख में)				
कुल	संख्या	754.94	1178.35	56.1%
पुरूष	संख्या	468.7	691.41	47.5%
स्त्री	संख्या	286.24	486.94	70.1%

मद	वर्ष 2001	वर्ष 2011	बदलाव

कुल जनसंख्या में नगरीय जनसंख्या का प्रतिशत	30.84	36.66	5.82
जनसंख्या का घनत्व (प्रतिवर्ग कि0मी0)	613	801	188
1981–91 दशक तथा 2001–11 दशक में जनसंख्या वृद्धि प्रतिशत	1991.01	2001.2011	बदलाव
	28.70	30.63	1.93
	वर्ष 2001	वर्ष 2011	बदलाव
कुल जनसंख्या में अनु0जाति/जनजाति का प्रतिशत	21.91	22.09	0.18
राज्य कुल अनु0जाति की जनसंख्या में जनपद में अनु0जाति के व्यक्तियों का प्रतिशत	20.70	81.04	60.34
लिंगानुपात (प्रति हजार पुरूषों पर महिलाओं की संख्या)	865	880	15

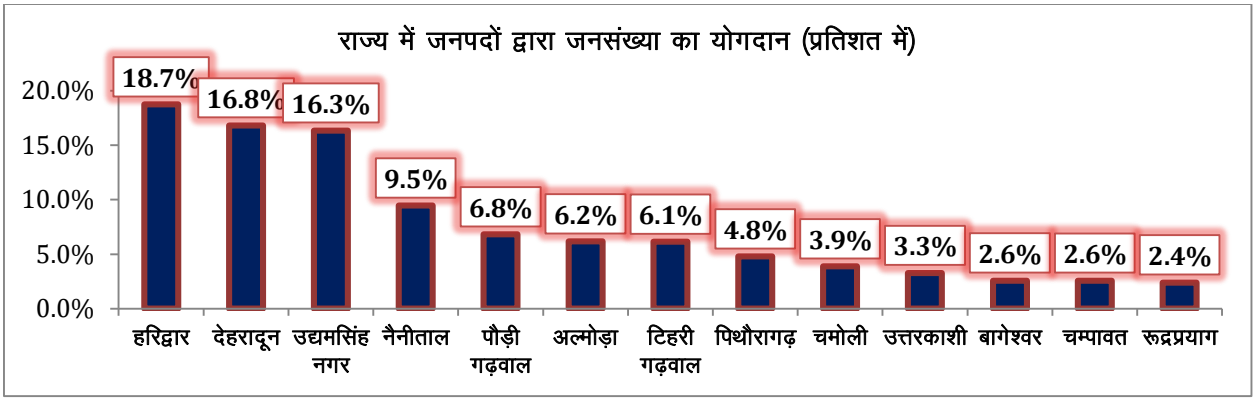

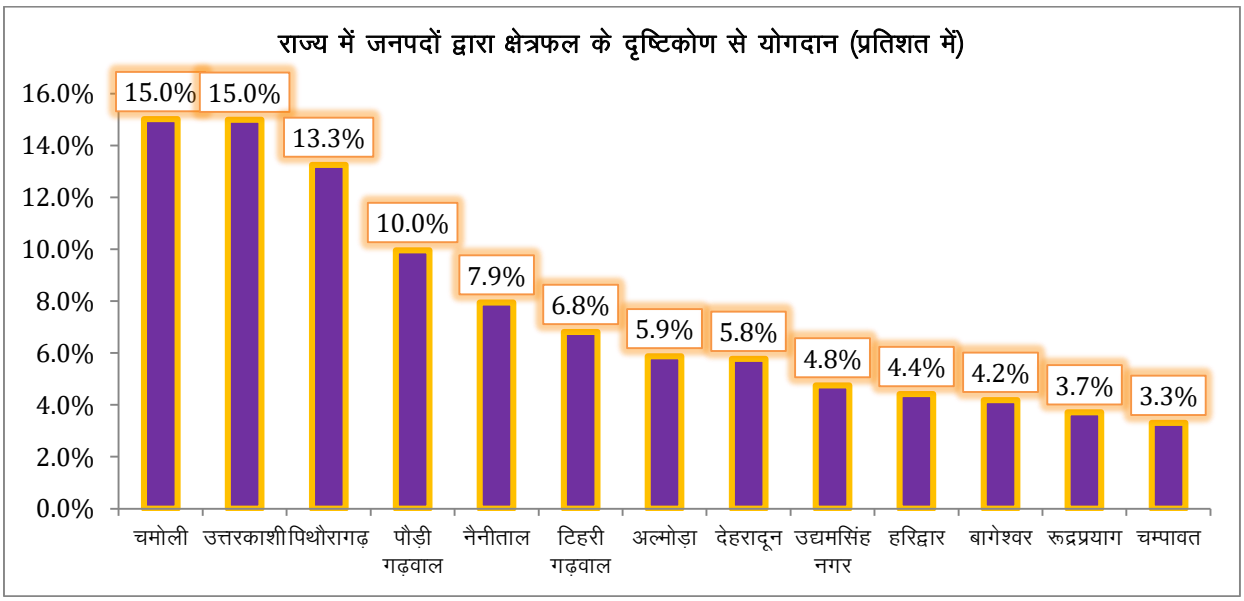

प्रशासनिक क्षेत्रवार विश्लेषण

जनपद हरिद्वार के अन्तर्गत वर्ष 2009–10 से वर्ष 2020–21 के मध्य ग्राम पंचायतों, आबाद ग्रामों और गैर आबाद ग्रामों की संख्या में हुई गिरावट तथा नगर समूहों में वृद्धि, शहरीकरण का द्योतक है जो जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों से हो रहे पलायन की पुष्टि करता है। आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका में उल्लिखित हैं–

निर्वाचन क्षेत्रों की संख्या	इकाई	वर्ष 2009–10	वर्ष 2020–21	बदलाव प्रतिशत
तहसीलों की संख्या	संख्या	3	3	0.0%
सामुदायिक विकासखण्ड	संख्या	6	6	0.0%
न्याय पंचायत	संख्या	46	46	0.0%
ग्राम पंचायत	संख्या	316	306	**-3.2%**
ग्रामों की संख्या	इकाई	वर्ष 2011	वर्ष 2020–21	बदलाव प्रतिशत
आबाद ग्रामों की संख्या	संख्या	513	500	**-2.5%**
गैर आबाद ग्रामों की संख्या	संख्या	94	91	**-3.2%**
वन ग्राम	संख्या	5	5	0.0%
कुल ग्राम	संख्या	612	596	**-2.6%**
मद	इकाई	वर्ष 2009–10	वर्ष 2020–21	बदलाव प्रतिशत
नगर एंव नगर समूह	संख्या	10	18	80.0%
नगर निगम	संख्या	0	2	NA
नगर पालिका परिषद	संख्या	3	3	0.0%
छावनी परिषद	संख्या	1	1	0.0%
नगर पंचायत	संख्या	4	4	0.0%
सेन्सस टाउन	संख्या	2	7	250%

प्रमुख मदों के विकासखण्डवार विवरण

क्र. सं.	विकासखण्ड का नाम	जनसंख्या का घनत्व प्रति वर्ग किमी. 2011	अनु.जाति/ जनजाति का कुल जनसंख्या से प्रतिशत 2011	कुल मुख्य कर्मकरों का कुल जनसंख्या से प्रतिशत 2011	कृषि में लगे कर्मकरों का कुल मुख्य कर्मकरों से प्रतिशत 2011	पारिवारिक उद्योग में कर्मकरों का मुख्य कर्मकरों से प्रतिशत 2011	साक्षर व्यक्तियों का कुल जनसंख्या से प्रतिशत 2011
1	2	3	4	5	6	7	8
1	भगवानपुर	714.40	28.05	24.23	57.35	1.98	68.47
2	रूड़की	893.26	24.34	23.52	40.77	3.01	69.01
3	नारसन	890.35	32.00	26.81	57.61	4.12	67.76
4	बहादराबाद	700.44	24.83	25.09	40.59	1.90	69.94
5	लक्सर	620.34	24.67	24.45	66.64	1.85	70.54
6	खानपुर	377.69	24.52	27.86	83.31	1.85	65.48
	समस्त विकासखण्ड	713.83	26.59	25.02	52.98	2.51	68.83

जनपद में विकासखण्डवार जनसंख्या का आर्थिक वर्गीकरण

वर्ष/ विकासखण्ड	मुख्य कर्मकर					सीमान्त कर्मकर	कुल कर्मकर
	कृषक	कृषि श्रमिक	परिवारिक उद्योग	अन्य	कुल		
1	2	3	4	5	6	7	8
1991	91884	86349	5715	141022	324970	6769	331739
2001	88214	54463	12961	197918	353556	71707	425263
2011	87950	75953	14924	316325	495152	82969	578121
विकासखण्डवार–2011							
भगवानपुर	13819	15561	1015	20830	51225	11986	63211
रूड़की	10089	7859	1327	24751	44026	7616	51642
नारसन	17653	14640	2310	21451	56054	9680	65734

बहादराबाद	16095	15713	1488	45063	78359	17202	95561
लक्सर	15683	12327	778	13246	42034	9289	51323
खानपुर	8512	3833	274	2200	14819	1046	15865
समस्त विकासखण्ड	81851	69933	7192	127541	286517	5619	343336
वनबस्तियॉ	1597	244	73	2190	4104	2620	6724
ग्रामीण क्षेत्र	83448	70177	7265	129731	290621	59439	350060
नगरीय	4502	5776	7659	186594	204531	23530	228061
योग जनपद	87950	75953	14924	316325	495152	82969	578121

जनपद में विकासखण्डवार भूमि उपयोग (हेक्टेयर में)

वर्ष/विकासखण्ड	कुल प्रतिवेदित क्षेत्र	वन	कृषि योग्य बंजर भूमि	वर्तमान परती	अन्य परती	उसर एवं कृषि के अयोग्य भूमि	कृषि के अतिरिक्त अन्य उपयोग भूमि
1	2	3	4	5	6	7	8
2016–17	232798	72431	1215	5613	3880	3401	30480
2017–18	244507	84140	1623	4351	3908	3309	30715
2018–19	244002	84140	1682	4374	4024	2881	31226
विकासखण्डवार 2018–19							
भगवानपुर	31415	478	203	775	848	328	5078
रूड़की	23485	0	139	752	693	514	5283
नारसन	26882	0	106	321	544	792	4700
बहादराबाद	57795	18970	444	1668	1151	593	10324
लक्सर	29293	2957	513	621	409	342	4506
खानपुर	14609	1410	277	237	379	312	1137
समस्त विकासखण्ड	183479	23815	1682	4374	4024	2881	31028
वन	60325	60325	0	0	0	0	0
नगरीय	198	0	0	0	0	0	198
योग जनपद	244002	84140	1682	4374	4024	2881	31226

वर्ष 2001 से वर्ष 2011 के मध्य प्रमुख मदों के विकासखण्डवार संकेतक में बदलाव							
क्र0सं0	विकास खण्ड	जनसंख्या का घनत्व प्रति वर्ग किमी0	अनु0जाति/जनजाति का कुल जनसंख्या से प्रतिशत	कुछ मुख्य कर्मकरों का कुल जनसंख्या से प्रतिशत	कृषि में लगे कर्मकरों का कुल मुख्य कर्मकरों से प्रतिशत	पारिवारिक उद्योग में कर्मकरों का कुल मुख्य कर्मकरों से प्रतिशत	साक्षर व्यक्तियों का कुल जनसंख्या से प्रतिशत
1	भगवानपुर	26.9%	2.3%	3.2%	**-16.8%**	**-54.7%**	22.0%
2	रूड़की	**-7.0%**	8.7%	12.0%	**-0.9%**	**-18.5%**	19.3%
3	नारसन	18.7%	1.3%	0.1%	**-1.2%**	25.3%	19.9%
4	बहादराबाद	38.2%	**-6.3%**	9.7%	**-25.2%**	**-47.0%**	18.1%
5	लक्सर	27.4%	**-0.8%**	**-0.2%**	**-4.8%**	**-30.4%**	21.1%
6	खानपुर	27.9%	0.7%	3.4%	**-1.8%**	**-28.1%**	23.3%
जनपद		20.9%	0.9%	5.8%	**-10.1%**	**-28.5%**	19.7%

जनपद की जलवायु

संबंधित आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका में दर्शाया गया है।

जलवायु			
वर्षा		2010	2020
सामान्य	मि0मी0	2315.4	1150.00
वास्तविक	मि0मी0	1624.7	820.70
तापमान			
उच्चतम	सेंटीग्रेड	45	40.50
न्यूनतम	सेंटीग्रेड	5	2

कृषि

जनपद के ग्रामीण क्षेत्र में रह रहे व्यक्तियों का मुख्य व्यवसाय कृषि है। जनपद में सबसे अधिक गन्ने का उत्पादन हो रहा है तथा अन्य फसलों में गेहूं, चावल, जौ, मक्का एवं दालें आदि हैं। कुल बोये गए क्षेत्र में से 47% क्षेत्रफल में गन्ना बोया जाता है। शुद्ध बोये गए क्षेत्र में सबसे अधिक बहादराबाद विकास खण्ड है एवं उसके पश्चात् भगवानपुर, नारसन एवं लक्सर विकास खण्ड हैं। जनपद में लगभग 96% कृषि भूमि सिंचित है तथा भगवानपुर एवं बहादराबाद विकास खण्ड़ों में कुछ क्षेत्रों में सिंचाई का अभाव है जिसको पूरा किए जाने के प्रयास किए जाने चाहिए। जनपद के मुख्य कर्मकरों में लगभग 17% कृषक एवं 15% कृषि

श्रमिक हैं। सिंचाई के लिए मुख्यतया नलकूपों का प्रयोग किया जा रहा है तथा जनपद के कई क्षेत्रों में सिंचाई नहरों से भी हो रही है।

जनपद के सभी विकास खण्ड़ों में कृषि संबंधित गोदाम व डिपो है जिनकी संख्या खानपुर विकास खण्ड में अन्य विकास खण्ड़ों की अपेक्षा कम है, इनको बढ़ाये जाने की आवश्यकता है। बहादराबाद, लक्सर, खानपुर व भगवानपुर विकास खण्ड़ों में शीतभण्डारण क्षमता कम है जिसे बढ़ाये जाने से कृषकों को अधिक सुविधा होगी। जनपद के सभी विकास खण्ड़ों में कृषि सेवा केन्द्रों को सुदृढ़ किए जाने की आवश्यकता है।

क्र. सं.	विकासखण्ड का नाम	सकल बोये गये क्षेत्रफल का शुद्ध बोये क्षेत्रफल से प्रतिशत			खाद्यान फसलों के अन्तर्गत क्षेत्रफल का सकल बोये क्षेत्रफल से प्रतिशत		
		2000–01	2017–18	2018–19	2000–01	2017–18	2018–19
1	2	9	10	11	12	13	14
1	भगवानपुर	144.19	141.77	142.21	45.71	36.20	35.93
2	रूड़की	146.43	144.04	144.50	41.65	37.86	37.65
3	नारसन	144.62	135.21	135.58	39.79	32.70	32.51
4	बहादराबाद	149.59	14320	143.64	53.08	41.81	41.75
5	लक्सर	136.92	139.66	140.07	38.28	34.37	34.27
6	खानपुर	131.18	135.66	136.02	52.62	38.96	39.30
	समस्त विकासखण्ड	143.40	140.27	140.69	45.08	36.98	36.86

क्र. सं.	विकासखण्ड का नाम	प्रति है0 सकल बोये गये क्षेत्रफल पर उर्वरक का उपयोग (कि0ग्रा0)			सकल सिंचित क्षेत्रफल का शुद्ध सिंचित क्षेत्रफल से प्रतिशत		
		2000–01	2017–18	2018–19	2000–01	2017–18	2018–19
1	2	15	16	17	18	19	20
1	भगवानपुर	157.46	142.11	277.17	143.42	151.25	151.50
2	रूड़की	224.86	175.36	379.11	139.99	138.90	139.08
3	नारसन	177.13	264.81	246.15	139.94	34.24	134.42
4	बहादराबाद	146.14	126.15	203.58	149.14	137.32	137.51
5	लक्सर	190.97	324.85	134.83	133.91	138.30	138.50
6	खानपुर	177.15	262.37	65.32	131.15	133.93	134.10
	समस्त विकासखण्ड	175.22	207.17	226.51	140.49	139.18	139.37

क्र. सं.	विकासखण्ड का नाम	शुद्ध सिंचित क्षेत्रफल का शुद्ध बोये गये क्षेत्रफल से प्रतिशत			राजकीय नहरों द्वारा शुद्ध सिंचित क्षेत्रफल का कुल शुद्ध सिंचित क्षेत्रफल से प्रतिशत		
		2000–01	2017–18	2018–19	2000–01	2017–18	2018–19
1	भगवानपुर	68.23	79.31	79.80	–	0.00	0.00
2	रूड़की	86.72	99.42	101.28	2.16	0.99	0.97
3	नारसन	94.53	99.49	102.34	44.92	38.51	38.12
4	बहादराबाद	80.69	96.55	97.16	28.71	16.61	17.05
5	लक्सर	95.14	99.37	102.90	–	0.00	0.00
6	खानपुर	88.31	99.88	100.51	–	0.00	0.00
	समस्त विकासखण्ड	84.61	95.81	96.41	15.33	10.99	10.93

वर्ष / विकासखण्ड	चारागाह	उद्यानों बागों, वृक्षों एवं झाडियों का क्षेत्र	शुद्ध बोया गया क्षेत्र	एकबार से अधिक बोया गया क्षेत्र	सकल बोया गया क्षेत्रफल			
					कुल	रबी	खरीफ	जायद
1	9	10	11	12	13	14	15	16
2016–17	64	1551	114163	47951	162114	53623	97040	11205
2017–18	65	2272	114124	45960	160084	51656	96726	11389
2018–19	63	1535	114077	46417	160494	50290	97941	12079
विकासखण्डवार 2018–19								
भगवानपुर	14	323	23368	9864	33232	11104	17834	4452
रूड़की	12	258	15834	7046	22880	7559	13479	1829
नारसन	7	153	20259	7208	27467	8211	17677	1575
बहादराबाद	6	728	23911	10435	34346	11691	20103	2468
लक्सर	7	71	19867	7960	27827	7896	18561	1210
खानपुर	17	2	10838	3904	14742	3829	10287	545
समस्त विकासखण्ड	63	1535	114077	46417	160494	50290	97941	12079
वन	0	0	0	0	0	0	0	0
नगरीय	0	0	0	0	0	0	0	0
योग जनपद	63	1535	114077	46417	160494	50290	97941	12079

जनपद में विकासखण्डवार विभिन्न साधनों द्वारा श्रोतानुसार वास्तविक सिंचित क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)

वर्ष/विकासखण्ड	नहरें	नलकूप		कुऐं	तालाब	अन्य	योग
		राजकीय	निजी				
1	2	3	4	5	6	7	8
2016–17	13118	4096	84773	4354	0	1658	107999
2017–18	12021	4342	89859	1131	0	1990	109343
2018–19	12993	4364	90499	239	0	1891	109986
विकासखण्डवार 2018–19							
भगवानपुर	0	1305	17178	–	–	0	18483
रूड़की	169	1076	14660	–	–	9	15914
नारसन	8542	959	11747	–	–	0	21248
बहादराबाद	4282	686	16217	239	–	1882	23306
लक्सर	0	206	20063	–	–	0	20269
खानपुर	0	132	10634	–	–	0	10766
समस्त विकासखण्ड	12993	4364	90499	239	0	1891	109986
वन	0	0	0	–	–	0	0
नगरीय	0	0	0	–	–	0	0
योग जनपद	12993	4364	90499	239	0	1891	109986

कृषि एवं कर्मकरों पर विश्लेषण :–वर्ष 2008–09 से वर्ष 2019–20 के मध्य शुद्ध बोया गया क्षेत्रफल, एक बार से अधिक बोया गया क्षेत्रफल, तिलहन, आलू उत्पादन, कृषि कर्मकर औरपारिवारिक उद्योग के कर्मकरों की संख्या में हुई गिरावट हरिद्वार जनपदान्तर्गत किसानों में खेती के प्रति अरूचि को दर्शाता है, जो जनपद के साथ–साथ राज्य के लिए भी उचित संकेत नहीं हैं। आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिकाओं में प्रदर्शित हैं–

कृषि		वर्ष 2008–09	वर्ष 2019–20	बदलाव प्रतिशत
शुद्ध बोया गया क्षेत्रफल	हैक्टेयर	118	114	**-3.4%**
एक बार से अधिक बोया गया क्षेत्रफल	हैक्टेयर	52	48	**-7.7%**
शुद्ध सिंचित क्षेत्रफल	हैक्टेयर	108	109	0.9%
सकल सिंचित क्षेत्रफल	हैक्टेयर	155	155	0.0%

कृषि उत्पादन				
खाद्यान्न	हे0 मी0 टन	173.43	178.42	2.9%
गन्ना	हे0 मी0 टन	3569.11	5266.58	47.6%
तिलहन	हे0 मी0 टन	2.35	1.67	**-28.9%**
आलू	हे0 मी0 टन	3	1.54	**-48.7%**

कुल मुख्य कर्मकरों का जनसंख्या से प्रतिशत	वर्ष 2001	वर्ष 2011	बदलाव
ग्रामीण	23.77	25.01	1.24
नगरीय	25.91	28.07	2.16
योग	24.43	26.19	1.76
कृषि कर्मकरों का कुल जनसंख्या से प्रतिशत (कृषक तथा कृषि श्रमिक)	9.86	8.67	**-1.19**
कृषि श्रमिक करों का कुल जनसंख्या से प्रतिशत	3.76	4.02	0.26
कुल मुख्य कर्मकरों का प्रतिशत			
कृषक	24.95	17.76	**-7.19**
कृषि श्रमिक	15.4	15.34	**-0.06**
पारविारिक उद्योग	3.67	3.01	**-0.66**
अन्य	55.98	63.88	7.9

जनपद में क्रियात्मक जोतों के आकार वर्गानुसार संख्या एवं क्षेत्रफल (कृषि गणना 2015–16)

विकासखण्ड	**आकार वर्ग हेक्टेयर**					
	0.5 हेक्टर से कम		**0.5 से 1.00 हेक्टेयर**		**1.00 से 2.00 हेक्टयर**	
	संख्या	**क्षेत्रफल**	**संख्या**	**क्षेत्रफल**	**संख्या**	**क्षेत्रफल**
1	2	3	4	5	6	7
2005–06	53383	14507.62	33194	22353.73	21139	28708.40
2010–11	69506	23570.79	27042	19153.10	20058	29070.65
2015–16	75650	16776.77	32670	22150.48	22831	30652.27
विकासखण्डवार 2015–16						
भगवानपुर	15022	3332.52	6389	4278.98	4726	6226.32

रूड़की	10444	2199.94	4532	2970.93	3196	4630.93
नारसन	13510	2797.94	5671	3688.96	4249	5441.74
बहादराबाद	19167	5115.66	7374	5250.27	4947	6709.88
लक्सर	11780	2036.84	5562	3736.28	3590	4844.91
खानपुर	5727	1293.87	3142	2225.06	2123	2798.49
समस्त विकासखण्ड	75650	16776.77	32670	22150.48	22831	30652.27
नगरीय	0	0	0	0	0	0
योग जनपद	75650	16776.77	32670	22150.48	22831	30652.27

विकासखण्ड	आकार वर्ग हेक्टेयर			
	2.00 से 4.00 हेक्टेयर		4.00 से 10 हेक्टेयर	
	संख्या	क्षेत्रफल	संख्या	क्षेत्रफल
1	8	9	10	11
2005–06	12793	35268.74	3866	21130.69
2010–11	10630	29220.04	3131	16802.32
2015–16	12284	33561.79	3340	17723.73
विकासखण्डवार 2015–16				
भगवानपुर	2714	7544.36	694	3774.84
रूड़की	1841	5144.95	626	2621.28
नारसन	2430	6317.47	667	3233.04
बहादराबाद	2515	6999.78	681	3570.52
लक्सर	1794	4914.80	432	2924.40
खानपुर	990	2640.43	240	1599.65
समस्त विकासखण्ड	12284	33561.79	3340	17723.73
नगरीय	0	0	0	0
योग जनपद	12284	33561.79	3340	17723.73

विकासखण्ड	आकार वर्ग हेक्टेयर			
	10 हे0 तथा उससे अधिक		कुल जोतों का संख्या	
	संख्या	क्षेत्रफल	संख्या	क्षेत्रफल
1	2	3	4	5
2005–06	138	2112.72	124513	124081.90
2010–11	178	2593.24	130545	120410.14
2015–16	115	2170.50	146890	123035.54
विकासखण्डवार 2015–16				
भगवानपुर	18	510.41	29563	25667.44
रूड़की	19	374.24	20658	17942.27
नारसन	27	434.00	26554	21913.16
बहादराबाद	22	327.71	34706	27973.81
लक्सर	20	329.18	23178	18786.40
खानपुर	9	194.96	12231	10752.46
समस्त विकासखण्ड	115	2170.50	146890	123035.54
नगरीय	0	0	0	0
योग जनपद	115	2170.50	146890	123035.54

जनपदान्तर्गत प्रमुख संकेतांक पर एक दृष्टि

क्र0सं0	विकासखण्ड का नाम	वर्ष 2000–01 से वर्ष 2019–20 के मध्य सकल बोये गये क्षेत्रफल का शुद्ध बोये क्षेत्रफल से प्रतिशत बदलाव	वर्ष 2000–01 से वर्ष 2019–20 के मध्य खाद्यान फसलों के अन्तर्गत क्षेत्रफल का सकल बोये क्षेत्रफल से प्रतिशत में बदलाव
1	भगवानपुर	4.64	**-11.75**
2	रूड़की	0.53	**-3.31**
3	नारसन	**-5.19**	**-7.99**
4	बहादराबाद	**-7.97**	**-10.25**
5	लक्सर	0.96	**-2.04**
6	खानपुर	4.97	**-10.50**
समस्त विकासखण्ड		**-1.08**	**-7.93**

क्र0सं0	विकासखण्ड का नाम	वर्ष 2000–01 से वर्ष 2019–20 के मध्य प्रति हे0 सकल बोये गये क्षेत्रफल पर उर्वरक का उपयोग (कि0ग्रा0) बदलाव	वर्ष 2000–01 से वर्ष 2019–20 के मध्य सकल सिंचित क्षेत्रफल का शुद्ध सिंचित क्षेत्रफल से प्रतिशत बदलाव
1	भगवानपुर	72.17	0.41
2	रूड़की	126.11	4.80
3	नारसन	112.92	**-0.28**
4	बहादराबाद	90.81	**-7.18**
5	लक्सर	51.20	4.19
6	खानपुर	24.37	5.61
समस्त विकासखण्ड		83.41	0.64

क्र0 सं0	विकासखण्ड का नाम	वर्ष 2000–01 से वर्ष 2019–20 के मध्य शुद्ध सिंचित क्षेत्रफल का शुद्ध बोये गये क्षेत्रफल से प्रतिशत बदलाव	वर्ष 2000–01 से वर्ष 2019–20 के मध्य राजकीय नहरों द्वारा शुद्ध सिंचित क्षेत्रफल का कुल शुद्ध सिंचित क्षेत्रफल से प्रतिशत बदलाव
1	भगवानपुर	22.88	0.00
2	रूड़की	11.40	0.43
3	नारसन	4.68	0.45
4	बहादराबाद	15.13	**-13.10**
5	लक्सर	3.07	0.00
6	खानपुर	10.20	0.00
समस्त विकासखण्ड		11.81	**-3.28**

क्र0सं0	विकासखण्ड का नाम	वर्ष 2000–01 से वर्ष 2019–20 के मध्य प्रति लाख जनसंख्या पर कुल पक्की सडकों की लम्बाई (किमी0) बदलाव	वर्ष 2000–01 से वर्ष 2019–20 के मध्य प्रति लाख जनसंख्या पर कुल पक्की सडकों की लम्बाई (किमी0) बदलाव
1	भगवानपुर	122.93	1257.19
2	रूड़की	133.15	1561.58
3	नारसन	155.70	1629.22

4	बहादराबाद	157.30	1529.20
5	लक्सर	153.28	1329.90
6	खानपुर	**439.23**	**1791.20**
समस्त विकासखण्ड		160.35	1483.95

पशुपालन

वर्ष 2009–10 से वर्ष 2020–21 की अवधि में पशु सेवा केन्द्र एवं कृत्रिम गर्भाधान केन्द्रों में वृद्धि हुई है आंकड़ों से स्पष्ट होता है। जनपदान्तर्गत प्रोजेक्ट मोड के आधार पर बड़े पैमाने पर रोजगार के लिए संभावित क्षेत्र के रूप में डेयरी को विकसित करने के लिए बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंकेज पर प्रयास किया जाना चाहिए। संबंधित आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिकाओं में उल्लिखित हैं–

पशुपालन	इकाई	वर्ष 2007	वर्ष 2012	बदलाव
कुल पशुधन	संख्या	467048	443354	**-5.1%**
		वर्ष 2009–10	वर्ष 2020–21	बदलाव
पशु चिकित्सालय	संख्या	16	16	0.0%
पशुधन सेवा केन्द्र	संख्या	36	39	8.3%
कृत्रिम गर्भाधान केन्द्र	संख्या	16	16	0.0%
कृत्रिम गर्भाधान उपकेन्द्र	संख्या	36	39	8.3%

मद	वर्ष 2007	वर्ष 2012	बदलाव
प्रति 100 हे0 प्रतिवेदित क्षेत्रफल पर पशुधन संख्या	192.07	190.79	**-1.28**
प्रति 1000 जनसंख्या पर पशुधन संख्या	322.73	199.79	**-122.94**
प्रति 100 जनसंख्या पर दूध देने वाले पशुओं की सूंख्या	13.64	9.79	**-3.85**
प्रति 1000 जनसंख्या पर कुक्कुट संख्या	32.64	123.86	91.22

उद्यान

जनपद में कृषि क्षेत्र की तुलना में उद्यान के अन्तर्गत क्षेत्रफल काफी कम है, विशेषकर खानपुर एवं नारसन विकास खण्ड़ों में सबसे कम है। जनपद में भारी मात्रा में सब्जी एवं फलों का उत्पादन हो रहा है जिनमें आलू, प्याज, टमाटर, भिंडी, बंदगोभी प्रमुख हैं एवं फलों में प्रमुख नाशपाती, आड़ू, नींबू आम एवं लीची इत्यादि हैं। उद्यान रक्षा सचल केन्द्र, फल संरक्षण केन्द्रों तथा नर्सरियों की संख्या कम हैं जिन्हें बढ़ाये जाने

की आवश्यकता है। उद्यान के विकास को खानपुर, लक्सर एवं नारसन विकास खण्ड़ों में अधिक महत्व दिए जाने की आवश्यकता है। उद्यान सम्बन्धित आंकड़े निम्नलिखित तालिका में दर्शाये गए हैंः–

जनपद में विकासखण्डवार उद्यान से सम्बन्धित सूचनायें वर्ष 2019–20

वर्ष/विकासखण्ड	कुल उद्यानों की संख्या	उद्यानों के अन्तर्गत क्षेत्रफल (है0)	उद्यान रक्षा सचल केन्द्रों की संख्या	फल संरक्षण केन्द्रों की संख्या
2017–18	7098	15659.30	12	2
2018–19	7098	15991.10	12	2
2019–20	7120	16023.60	12	2
भगवानपुर	1712	3852	2	0
रूड़की	1564	3519.50	3	1
नारसन	726	1635.10	1	0
बहादराबाद	1891	4254.50	3	1
लक्सर	684	1539.50	2	0
खानपुर	543	1223	1	0
समस्त विकासखण्ड	7120	16023.60	12	2
योग नगरीय	0	0	0	0
योग जनपद	7120	16023.60	12	2

जनपद में विकासखण्डवार सब्जी बीज वितरण (कुन्तल में) वर्ष 2019–20

विकासखण्ड का नाम	मटर	मूली	फ्रेंचबीन	बन्दगोभी	फूल गोभी
1	2	3	4	5	6
2017–18	101	0.05	0.00	0.09	0.10
2018–19	60.00	15.00	0.00	16.00	14.00
2019–20	0.00	0.00	0.00	20.72	23.86
विकासखण्डवार 2019–20					
भगवानपुर	0.00	0.00	0.00	2.50	3.00
रूड़की	0.00	0.00	0.00	3.10	3.43
नारसन	0.00	0.00	0.00	3.50	2.50

बहादराबाद	0.00	0.00	0.00	3.26	3.50
लक्सर	0.00	0.00	0.00	2.00	2.50
खानपुर	0.00	0.00	0.00	1.50	2.00
समस्त विकासखण्ड	0.00	0.00	0.00	15.86	16.93
योग नगरीय	0.00	0.00	0.00	4.86	6.93
योग जनपद	0.00	0.00	0.00	20.72	23.86

विकासखण्ड का नाम	**संगिया मिर्च**	**भिण्डी**	**प्याज**	**टमाटर**	**बैंगन**	**अन्य**	**योग**
1	7	8	9	10	11	12	13
2017–18	0.10	2.00	0.00	0.10	0.00	4.87	108.31
2018–19	7.21	0.00	0.00	11.50	0.00	303.00	427.11
2019–20	10.50	90.00	0.00	16.20	0.00	6.74	168.02
विकासखण्डवार 2019–20							
भगवानपुर	1.25	10.00	0.00	2.50	0.00	1.00	20.25
रूड़की	1.50	10.00	0.00	2.10	0.00	1.00	21.13
नारसन	1.25	10.00	0.00	250	0.00	1.00	20.75
बहादराबाद	1.50	20.00	0.00	2.50	0.00	1.00	31.76
लक्सर	1.25	10.00	0.00	1.50	0.00	0.50	17.75
खानपुर	1.00	10.00	0.00	1.50	0.00	0.37	16.37
समस्त विकासखण्ड	7.75	70.00	0.00	12.60	0.00	4.87	128.01
योग नगरीय	2.75	20.00	0.00	3.60	0.00	1.87	40.01
योग जनपद	10.50	90.00	0.00	16.20	0.00	6.74	168.02

जनपद विकास खण्डवार फलों के अन्तर्गत अच्छादित क्षेत्रफल (है0) एवं उत्पादन (मै0टन) वर्ष 2019–20

वर्ष/विकास खण्ड का नाम	नाशपाती		आड़ू	
	क्षेत्र	उत्पा0	क्षेत्र	उत्पा0
1	2	3	4	5
2017–18	134	1691.1	160	752
2018–19	142.00	2330.20	165.50	675.00
2019–20	142.50	1354.00	173.00	705.00
विकासखण्डवार 2019–20				
भगवानपुर	21.50	154.00	31.00	110.00
रूड़की	14.00	108.00	35.50	150.00
नारसन	74.00	804.00	38.00	165.00
बहादराबाद	17.00	156.00	31.50	130.00
लक्सर	8.00	72.00	20.00	80.00
खानपुर	8.00	60.00	17.00	70.00
समस्त विकासखण्ड	142.50	1354.00	173.00	705.00
योग नगरीय	0.00	0.00	0.00	0.00
योग जनपद	142.50	1354.00	173.00	705.00

जनपद विकास खण्डवार फलों के अन्तर्गत अच्छादित क्षेत्रफल (है0) एवं उत्पादन (मै0टन) वर्ष 2019–20

वर्ष/विकास खण्ड का नाम	नीबू प्रजाती		आम		लीची		अन्य फल		योग	
	क्षेत्र	उत्पा0	क्षेत्र	उत्पा0	क्षेत्र	उत्पा0	क्षेत्र	उत्पा0	क्षेत्र	उत्पा0
1	**6**	**7**	**8**	**9**	**10**	**11**	**12**	**13**	**14**	**15**
2017–18	1450.0	5843.5	5498.0	23020.0	1672.0	4397.0	6145.0	59913.8	15058.8	95617.6
2018–19	1465.0	5611.5	5628.0	23763.3	1682.6	4372.4	6155.0	59738.8	15991.1	99771.6
2019–20	1460.0	5632.5	5631.0	26278.0	1695.6	4698.4	6156.0	60565.0	16023.6	104136.1
विकासखण्डवार 2019–20										
भगवानपुर	270.5	1056.0	1866.0	9195.0	372.0	1074.0	1128.5	11739.0	3852.0	24285.8
रूड़की	331.5	1431.0	1111.0	5440.0	531.0	1357.2	1344.5	13360.0	3519.5	22820.2

नारसन	191.0	724.0	546.0	2184.0	98.60	256.1	554.0	5540.0	1635.1	10702.1
बहादराबाद	397.0	1347.5	1583.0	7775.0	631.0	1854.0	1416.0	14752.5	4254.5	27147.8
लक्सर	180.0	680.6	322.0	924.0	27.0	69	891.0	7920.0	1539.5	10329.6
खानपुर	90.0	393.4	203.0	760.0	36.0	88.1	822.0	7253.5	1223.0	8850.60
समस्त विकासखण्ड	1460.0	5632.5	5631.0	26278.0	1695.6	4698.4	6156.0	60565.0	16023.6	104136.1
योग नगरीय	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
योग जनपद	1460.0	5632.5	5631.0	26278.0	1695.6	4698.4	6156.0	60565.0	16023.6	104136.1

औद्योगिक विकास

जनपद हरिद्वार औद्योगिक दृष्टि से उत्तराखण्ड के सबसे विकसित जनपदों मे से एक है। इसका प्रमुख कारण यहाँ सुगम सड़क, रेल तथा वायु सेवा की सुविधा है। जनपद में राजकीय एवं निजी क्षेत्र में कई अधिकृत औद्योगिक क्षेत्र हैं जिनमें प्रमुख हैं–SIIDCUL, रानीपुर क्षेत्र, औद्योगिक क्षेत्र हरिद्वार, बहादराबाद, लंढौरा, रूड़की, भगवानपुर आदि। उद्योग विभाग के आंकड़ों के अनुसार जनपद में लगभग 8500 औद्योगिक इकाईयाँ हैं, जोकि बड़े, मध्यम एवं छोटे उद्योग के क्षेत्र हैं। उद्योगों से जनपद में 75000 से अधिक व्यक्तियों को सीधा रोजगार प्राप्त हो रहा है तथा इन इकाईयों से जुड़े कई अधीनस्थ इकाईयों में भी हजारों व्यक्ति रोजगार प्राप्त कर रहे हैं। जनपद की औद्योगिक इकाईयों में मुख्यतया कपड़ा, दवाईयाँ, ऑटोमोबाइल, इस्पात, इंजीनियरिंग, जूते आदि का क्षेत्र है। यह इकाईयाँ सार्वजनिक क्षेत्र एवं निजी क्षेत्र में स्थापित की गयी है।

जनपद में प्रमुख औद्योगिक इकाईयों में BHEL Haridwar, Hero, Honda, Hindustan Unilever, Anchor Industries, Liberty shoe, Havels India, ASHAI Glass, Gujrat Ambuja Cement, Birla Industries, Shreya Life Science, Gold Pluss Glass Ltd & Patanjali Food and Herbal Park आदि हैं। जनपद में निर्मित सामान देश एवं विदेशों में भेजा जा रहा है। एक अनुमान के अनुसार जनपद की औद्योगिक विकास दर 10% से ऊपर थी।

रूड़की क्षेत्र में बड़ी मात्रा में सर्वेक्षण एवं उस क्षेत्र से सम्बन्धित उपकरण बनाए जा रहे हैं जिससे बड़ी संख्या में रोजगार उपलब्ध हो रहा है। जनपद का औद्योगिक क्षेत्र DDP में लगभग 50% का योगदान दे रहा है।

जनपद में औद्योगिक आस्थान की प्रगति

क्र0सं0	मद	2017–18	2018–19	2019–20
1	2	3	4	5
1	आस्थानों की संख्या	2	2	2
2	शेड़ों की संख्या			

2.1	आवंटित	15	15	15
2.2	कार्यरत	14	14	14
3	प्लाटों की संख्या			
3.1	आवंटित	111	111	111
3.2	कार्यरत	52	52	52
4	स्वरोजगार में लगे व्यक्तियों की औसत संख्या	1281	1041	1095
5	उत्पादन का मूल्य (रू0 में)	941750	1134239	1248000

पर्यटन

जनपद हरिद्वार विशेषकर हरिद्वार नगर एवं उसके आसपास के क्षेत्र में करोड़ो की संख्या में तीर्थयात्री/पर्यटक आते हैं। अधिकतर पर्यटक धार्मिक आस्था के कारण आते हैं लेकिन लगभग 10% पर्यटक जनपद के तीर्थस्थलों के अतिरिक्त अन्य स्थलों पर भी आते हैं जैसे राजाजी राष्ट्रीय उद्यान आदि। उत्तराखण्ड के चारधाम के तीर्थ पर आए अधिकतर श्रद्धालु हरिद्वार जनपद के विभिन्न स्थानों पर भी जाते हैं। पर्यटन/तीर्थाटन से सम्बन्धित आंकड़े एवं विवरण निम्नानुसार प्रदर्शित कियेजा रहे हैं:–

31 मार्च 2020 की स्थिति के अनुसार जनपद में पर्यटन से सम्बन्धित सूचनायें

क्र0सं0	मद	इकाई	विवरण
1	2	3	4
(क)	**पर्यटन सुविधायें**		
1.	मुख्य पयर्टन स्थल	संख्या	2
2.	पर्यटन आवास गृह	संख्या	2
3.	रैन बसेरा	संख्या	–
4.	पर्यटन आवास गृहों में उपलब्ध शैय्यायें	संख्या	72
5.	रैन बसेरों में उपलब्ध शैय्यायें	संख्या	–
6.	होटलों तथा पेईंगैस्ट हाउसो की संख्या	संख्या	525
7.	धर्मशालाओं की संख्या (31 माच्र 2020 तक)	संख्या	300
(ख)	**पर्यटकों के ऑकड़े (वर्ष जनवरी 2019 से दिसम्बर 2019 तक)**		
1	पर्यटकों की कुल संख्या (तीर्थ यात्री सहित)	संख्या	21770232
(i)	भारतीय पर्यटक	संख्या	21749425

(ii)	विदेशी पर्यटक	संख्या	20807
2.	महत्वपूर्ण राष्ट्रीय उद्यानों में कुल पर्यटक(2019–20)	संख्या	1582
(i)	भारतीय पर्यटक	संख्या	1563
(ii)	विदेशी पर्यटक	संख्या	19

जनपद हरिद्वार के अन्तर्गत हर की पौडी, मनसा देवी मन्दिर, चण्डी देवी मन्दिर, माया देवी मन्दिर, वैष्णो देवी मन्दिर, भारतमाता मन्दिर, सप्तर्षि आश्रम/सप्त सरोवर, शान्तिकुंज/गायत्री शक्तिपीठ, कनखल, पारद शिवलिंग, दिव्य कल्पवृक्ष वन, पर्व, हरिद्वार में हिन्दू वंशावलियों की पंजिका, कुंभ मेला, गुरूकुल कांगडी संग्रहालय, अकबर की टकसाल, रूड़की,गंगनहर, कृत्रिम जलमार्ग, रूड़की विश्वविद्यालय, भीमकुंड, आदि पौराणिक, धार्मिक एवं शिक्षण संस्थाएं तथा पर्यटक स्थल मौजूद हैं, जिनका उल्लेख निम्नवत हैः–

हर की पौडी

हरिद्वार के मुख्य स्थान में से एक है ''हर की पौड़ी''। मुख्यतः यहाँ स्नान करने के लिए लोग आते हैं। यह भी मान्यता है कि इस स्थान पर भगवान विष्णु आये थे। भगवान विष्णु के पैर पड़ने के कारण इस स्थान को 'हरि की पैड़ी' कहा गया तथा हरिद्वार के ह्रदय–स्थल के रूप में भी माना जाता है।

''हर की पौड़ी'' का सबसे पवित्र घाट ब्रह्मकुंड है। संध्या समय गंगा माता की ''हर की पौड़ी'' पर की जाने वाली आरती किसी भी आगंतुक के लिए महत्वपूर्ण अनुभव है। स्वरों व रंगों का एक कौतुक समारोह के बाद देखने को मिलता है जब तीर्थयात्री जलते दीयों को नदी पर अपने पूर्वजों की आत्मा की शान्ति के लिए बहाते हैं। विश्व भर के हजारों श्रद्धालु अपनी हरिद्वार यात्रा के समय इस प्रार्थना में उपस्थित होने का विशेष ध्यान रखते हैं।

मनसा देवी मन्दिर

''हर की पौड़ी'' से पश्चिम की ओर शिवालिक श्रेणी के एक पर्वत–शिखर पर मनसा देवी का मन्दिर अवस्थित है। *मनसा देवी का शाब्दिक अर्थ है कि वह देवी जो मन की इच्छा (मनसा) को पूर्ण करती है। मनसा देवी मन्दिर में दो प्रतिमाएं हैं, पहली तीन मुखों व पाँच भुजाओं के साथ जबकि दूसरी आठ भुजाओं के साथ।* मनसा देवी मन्दिर जाने के लिए पैदल मार्ग के साथ–साथ रोपवे ट्रॉली की सुविधा भी मौजूद है। मंदिर तक जाने वाला पैदल मार्ग भी बहुत ही सुगम है।

चण्डी देवी मन्दिर

शिवालिक श्रेणी में स्थित 'नील पर्वत' के शिखर पर विराजमान माता चण्डी देवी का यह सुप्रसिद्व मन्दिर गंगा नदी के पूर्वी किनारे पर अवस्थित है। *स्कन्द पुराण के अनुसार स्थानीय राक्षस राजाओं शुम्भ–निशुम्भ के सेनानायक चण्ड–मुण्ड को देवी चण्डी ने यहीं मारा था, जिसके बाद इस स्थान का नाम चण्डी देवी पड गया।* मान्यता है कि मुख्य प्रतिमा की स्थापना आठवीं सदी में आदि शंकराचार्य ने की थी। यह मन्दिर चंडीघाट से 3 किमी दूरी पर स्थित है।

कुंभ मेला

हरिद्वार का कुम्भ मेला, भारतवासियों के सांस्कृतिक मिलन का विराट अवसर लेकर आता है। यह पर्व पूर्व दिशा की विराटता का द्योतक भी है। कुम्भ पर्व आयोजित होने का ज्योतिषीय आधार भी है आकाश को सही पहचान देते हुए इसे पौराणिक उल्लेखों में 27 नक्षत्र एवं 12 राशियों मे विभक्त को खगोल शास्त्र से जोड़ते हुए अनेक अवस्थाओं में कुम्भ पर्व की घोषणा की है। अपनी कक्षा में भ्रमण करता वृहस्पति जब सिंह राशि पर होता है और सूर्य मेष राशि पर, तब सूर्य की किरणें जल पर विशेष प्रभाव डालती है। इस मेले में करोड़ों लोग आते हैं।

गुरूकुल कांगडी संग्रहालय

विद्यार्थियों एवं शिक्षित वर्ग की जिज्ञासाओं की पूर्ति के लिए इतिहास, पुरातत्व, अभिलेख शास्त्र, मूर्तियाँ तथा मुद्राशास्त्र आदि विविध सामग्री को स्पष्ट तथा उद्देश्यों को ध्यान में रखकर गुरूकुल कांगड़ी वर्ष 1907–08 में हरिद्वार में गंगा नदी के किनारे एक पुरातत्व संग्रहालय की स्थापना संस्थापक कुलपिता स्वामी श्रद्धानंद जी द्वारा की गई। इस पुनीत कार्य में देश–विदेश के भारतवासियों का सहयोग लिया गया था।

इस समृद्ध संग्रहालय में प्रागैतिहासिक अवशेष, विभिन्न प्रकार के निर्मित पाषाण तथा धातु प्रतिमायें, कांगड़ा व नाथद्वारा शैली के चित्र, गुप्तकाल से लेकर रियासतों तक के सिक्के, अस्त्र–शस्त्र तथा विभिन्न धर्मों से सम्बन्धित विविध प्रकार की सामग्री भी यहाँ विद्यमान हैं। प्रागैतिहासिक सामग्री में मोहनजोदड़ो, हड़प्पा एवं कालीबंगा से संग्रहीत वस्तुए भी यहां प्रदर्शित हैं। इसी काल के तांबे के हथियार, जो जनपद हरिद्वार के मंगलौर कस्बे के ग्राम नसीरपुर में उत्खन्न के दौरान प्राप्त हुए हैं। ईसा से कई सौ वर्ष पूर्व के इन हथियारों में कांटेदार बी, हार्पून्स व कुल्हाड़ी आदि नौ प्रकार के हथियार शामिल हैं।

गंगनहर

भारत देश को अठाहरवीं एवं उन्नीसवीं शताब्दी में कई बार अकाल का सामना करना पड़ा। अकाल के कारण कच्चा माल न मिलने से ब्रिटिश उद्योगों का अस्तित्व खतरे में पड़ गया। अतः अंग्रेजों ने कृषि, सिंचाई तथा परिवहन के साधनों के विकास के लिए अपने अधिकारियों को प्रोत्साहित किया।

सन् 1842 में गंग नहर की खुदाई आरम्भ हुई। गंग नहर की मुख्य धारा एवं शाखाओं की कुल लम्बाई 912 किमी थी जबकि इसके रजवाहों की लम्बाई 5840 किमी थी। मुख्य गंग नहर की प्रवाह क्षमता 6750 घनफुट प्रति सेकण्ड थी। प्रस्ताव में बदलाव कर इसे 10500 घनफुट प्रति सेकण्ड किया गया। इसके तल की चौड़ाई 140 फुट तथा प्रवाह की गहराई 10 फुट रखी गयी थी। नहर का कुल कमांड 14 लाख 75 हजार एकड़ था, किन्तु सिंचाई कुल क्षेत्र के 45 प्रतिशत क्षेत्र के लिए ही सीमित की गई थी।

कलियर

रूड़की से लगभग आठ किलोमीटर उत्तर में गंग नहर के बायें किनारे तथा कलियर गांव के उत्तर–पूर्वी सिरे पर एक बड़ी मजार ऊंचे टीले पर निर्मित है। टीले के उत्तर एवं पूर्व की ओर समीपस्थ खेतो में विभिन्न आकार प्रकार के नक्काशीदार मिट्टी के बरतनों के टुकड़े यदा–कदा मिलते हैं। ये अवशेष इस क्षेत्र की प्राचीनता को दर्शाते हैं। टीले के नीचे प्राचीन काल की ईट दबी हुई दिखती है। कलियर गांव के पश्चिम में एक अन्य मजार सूफी हजरत अलाउद्दीन अली अहमद साविर की है। प्रतिवर्ष यहां उर्स का मेला लगता है।साबिर के दौरान एक विशाल मेला लगता है। उसमें भाग लेने के लिए विदेशों से भी श्रद्धालु पहुँचते हैं।

RAJAJI NATIONAL PARK

Rajaji National park and Tiger Reserve encompasses an area of about 820 sq kms and forms part of Haridwar, Pauri and Dehradun districts, It was constituted as a national park in 1983 after merging the Chilla, Motichur and Rajaji wildlife sanctuaries. It covers parts of the Shiwalik hills and

अध्याय III

पलायन की स्थिति

इस अध्याय में, राज्य के विभिन्न ग्राम पंचायतों में वर्ष 2018 में किए गए सर्वेक्षण के आधार पर एकत्र किये गये आंकड़ों का विश्लेषण राज्य में पलायन के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालने के लिए प्रस्तुत किया गया है।

- मुख्य व्यवसाय

आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि राज्य के विभिन्न गांवों में रहने वाले लोगों का मुख्य व्यवसाय कृषि है, तद्उपरान्त मजदूरी और सरकारी सेवा है। ग्राम पंचायत स्तर से प्राप्त आंकड़े, जनपद और राज्य औसत नीचे दी गई सारणी में प्रस्तुत किये गए है।

ग्राम पंचायत स्तर का मुख्य व्यवसाय (जनपद औसत)							
ग्राम पंचायतों का मुख्य व्यवसाय (लगभग प्रतिशत में)							
जनपद का नाम	मजदूरी	कृषि	उद्यान	डेरी	सरकारी सेवा	अन्य कार्य	योग
Haridwar	42.01	42.98	1.26	2.65	3.28	7.81	100

ग्राम पंचायत स्तर का मुख्य व्यवसाय (राज्य औसत)							
ग्राम पंचायतों का मुख्य व्यवसाय (लगभग प्रतिशत में)							
राज्य का नाम	मजदूरी	कृषि	उद्यान	डेरी	सरकारी सेवा	अन्य कार्य	योग
Uttarakhand	32.22	43.59	2.11	2.64	10.82	8.63	100.00

जनपद हरिद्वार द्वारा ग्राम पंचायतों में मुख्य व्यवसाय हेतु प्राप्त आंकड़ों के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि जनपद का राज्यान्तर्गत कृषि व्यवसाय में 7वाँ, मजदूरी में दूसरा, सरकारी सेवा में 13वाँ, उद्यान में 8वाँ तथा डेरी व्यवसाय में 6वाँ स्थान पर योगदान दिया जा रहा है। आंकड़ों का विवरणनिम्नवत ग्राफों में दर्शाया गया है।

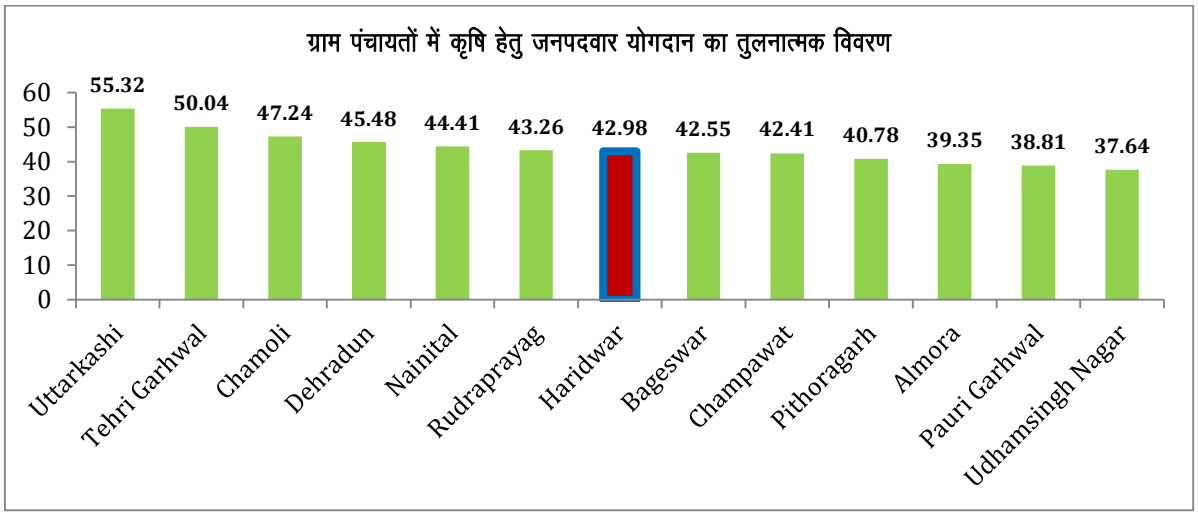
ग्राम पंचायतों में कृषि हेतु जनपदवार योगदान का तुलनात्मक विवरण
60
50
40
30
20
10
0
55.32
50.04
47.24
45.48
44.41
43.26
42.98
42.55
42.41
40.78
39.35
38.81
37.64
Uttarkashi
Tehri Garhwal
Chamoli
Dehradun
Nainital
Rudraprayag
Haridwar
Bageswar
Champawat
Pithoragarh
Almora
Pauri Garhwal
Udhamsingh Nagar

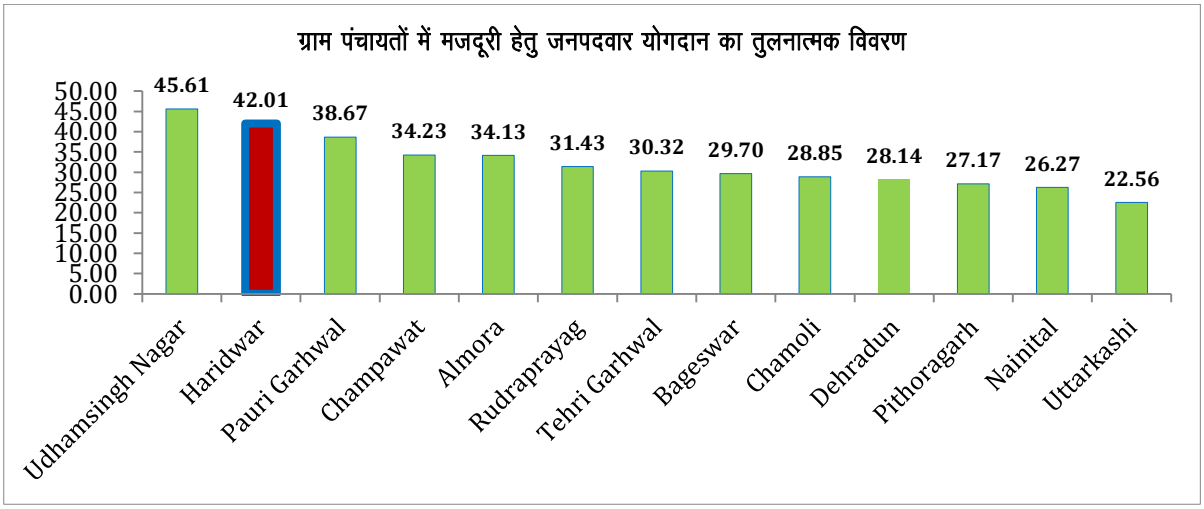
ग्राम पंचायतों में मजदूरी हेतु जनपदवार योगदान का तुलनात्मक विवरण
50.00
45.00
40.00
35.00
30.00
25.00
20.00
15.00
10.00
5.00
0.00
45.61
42.01
38.67
34.23
34.13
31.43
30.32
29.70
28.85
28.14
27.17
26.27
22.56
Udhamsingh Nagar
Haridwar
Pauri Garhwal
Champawat
Almora
Rudraprayag
Tehri Garhwal
Bageswar
Chamoli
Dehradun
Pithoragarh
Nainital
Uttarkashi

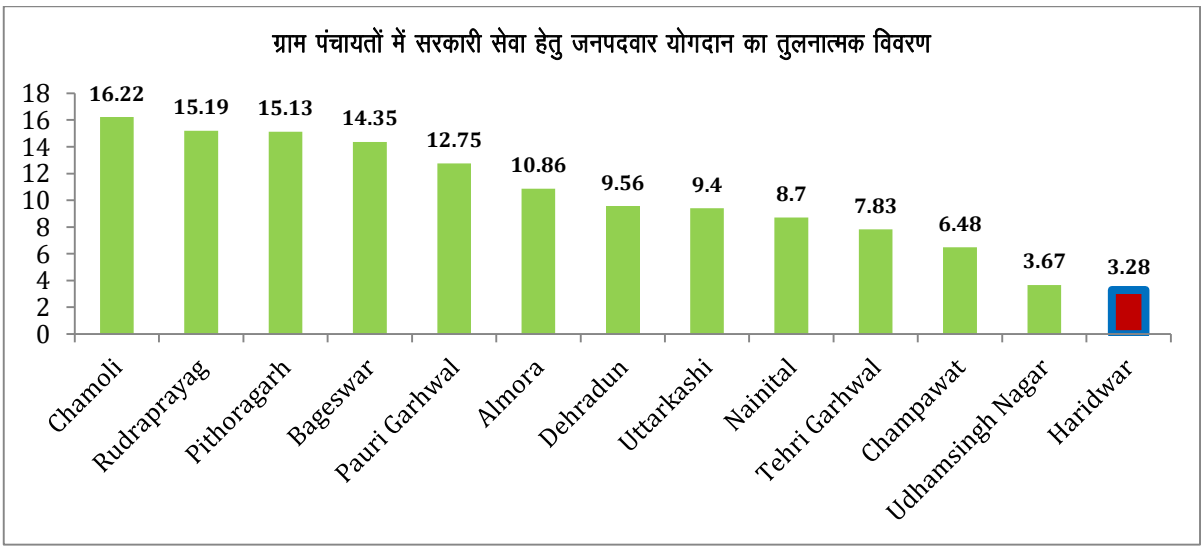
ग्राम पंचायतों में सरकारी सेवा हेतु जनपदवार योगदान का तुलनात्मक विवरण
18
16
14
12
10
8
6
4
2
0
16.22
15.19
15.13
14.35
12.75
10.86
9.56
9.4
8.7
7.83
6.48
3.67
3.28
Chamoli
Rudraprayag
Pithoragarh
Bageswar
Pauri Garhwal
Almora
Dehradun
Uttarkashi
Nainital
Tehri Garhwal
Champawat
Udhamsingh Nagar
Haridwar

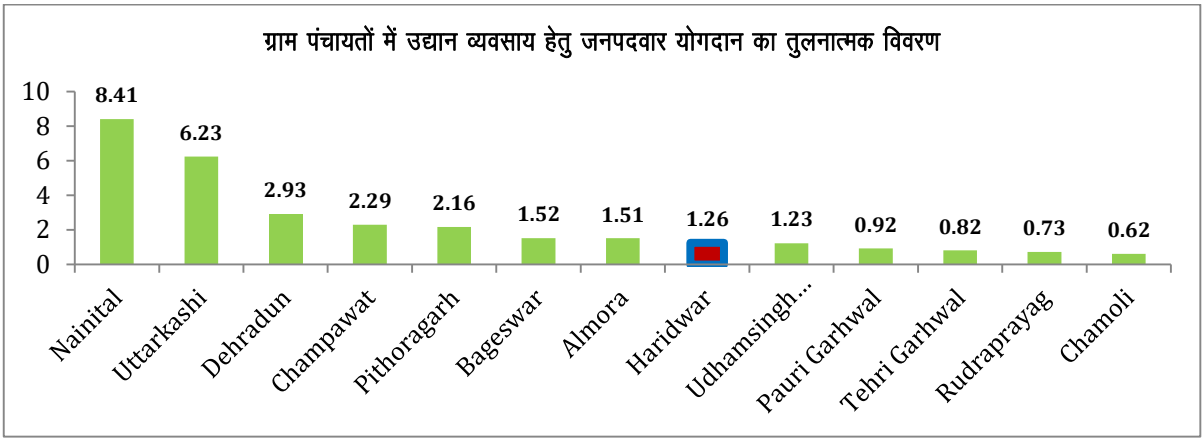

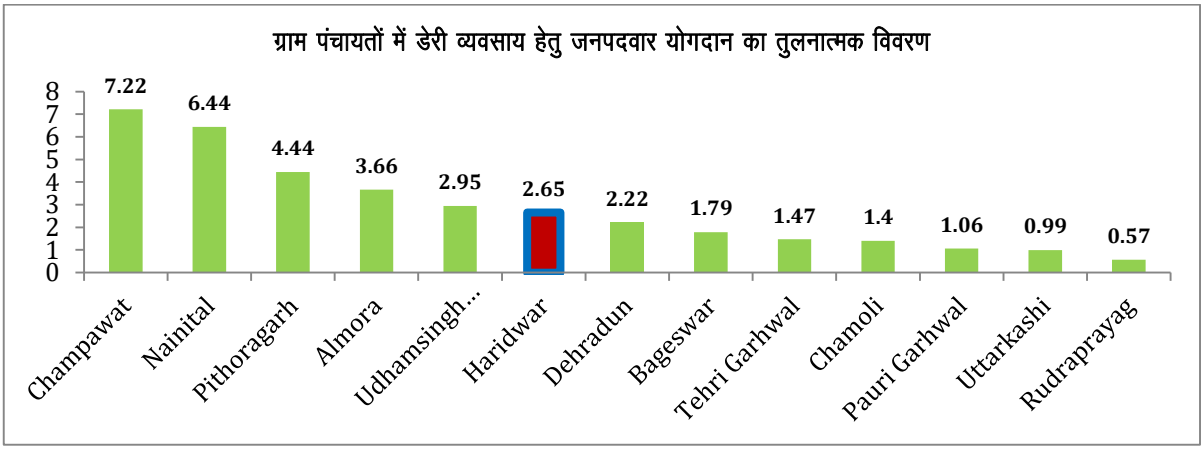

- स्थायी और अस्थायी पलायन

इस खंड में, स्थायी और अस्थायी पलायन की जानकारी का विश्लेषण किया गया है। राज्य में वर्ष 2018 के पिछले 10 वर्षों में 6,338 ग्राम पंचायतों में कुल 3,83,726 व्यक्तियों द्वारा अस्थायी रूप से पलायन किया गया है, हालांकि वे समय–समय पर ग्रामों में अपने घर आना–जाना करते हैं और स्थायी रूप से स्थानान्तरित नहीं हुए हैं। जबकि 3,946 ग्राम पंचायतों से 1,18,981 व्यक्तियों द्वारा स्थायी पलायन किया गया है। आंकड़ें दर्शातें हैं कि राज्य के सभी जनपदों में स्थायी पलायन की तुलना में अस्थायी पलायन की संख्या अधिक है। राज्य में स्थायी और अस्थायी पलायन का विवरण निम्नवत तालिका में दर्शाया गया है।

पिछले 10 वर्षों में ग्राम पंचायतों से हुए पलायन का राज्य विवरण				
राज्य का नाम	ग्राम पंचायतों की कुल संख्या (जिन्होने पूर्ण रूपेण पलायन न किया हो/ घर में आना–जाना लगा रहता हो/अस्थाई रूप से रोजगार के लिए बाहर रहता हो)	पिछले 10 वर्षों में पलायन करने वाले कुल व्यक्तियों की संख्या (जिन्होने पूर्ण रूपेण पलायन न किया हो/घर में आना–जाना लगा रहता हो/अस्थाई रूप से रोजगार के लिए बाहर रहता हो)	ग्राम पंचायतों की कुल संख्या (जो पूर्ण रूप से पलायन कर चुके हो या अपनी जमीन बेच चुके हो/अथवा भूमि बंजर पड़ी हो/घरों पर ताले लगे हो/तथा बहुत कम गॉव आना होता हो)	पिछले 10 वर्षों में पूर्ण पलायन करने वाले कुल व्यक्तियों की संख्या (जो पूर्ण रूप से पलायन कर चुके हो या अपनी जमीन बेच चुके हो/अथवा भूमि बंजर पड़ी हो/घरों पर ताले लगे हो/तथा बहुत कम गॉव आना होता हो)
Uttarakhand	6,338	383,726	3,946	118,981

जनपद हरिद्वार के कुल 153 ग्राम पंचायतों में 8168 व्यक्तियों द्वारा विगत दस सालों में अस्थायी पलायन किया गया है, जिसमें सबसे अधिक विकासखण्ड बहादराबाद के 46 ग्राम पंचायतों में 3091 व्यक्तियों द्वारा तथा सबसे कम नारसन विकासखण्ड के मात्र 08 ग्राम पंचायतों में 111 व्यक्तियों द्वारा अस्थायी पलायन किया गया, जबकि विकासखण्ड लक्सर मेंविकासखण्ड लक्सर एवं खानपुर के सापेक्ष मात्र 10 ग्राम पंचायतों में 574 व्यक्तियों द्वारा अधिक अस्थायी पलायन के आंकड़ें प्राप्त हुए। जो कि नजदीकी कस्बों/शहरों की ओर रोजगार हेतु अस्थायी पलायन का द्योतक है। आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका में प्रदर्शित किया गया है।

पिछले 10 वर्षों में हरिद्वार जनपद के ग्राम पंचायतों से हुए अस्थायी पलायन का विकासखण्डवार विवरण			
जनपद का नाम	विकासखण्ड का नाम	ग्राम पंचायतों की कुल संख्या (जिन्होने पूर्ण रूपेण पलायन न किया हो/घर में आना–जाना लगा रहता हो/अस्थाई रूप से रोजगार के लिए बाहर रहता हो)	पिछले 10 वर्षो में पलायन करने वाले कुल व्यक्तियों की संख्या (जिन्होने पूर्ण रूपेण पलायन न किया हो/घर में आना–जाना लगा रहता हो/अस्थाई रूप से रोजगार के लिए बाहर रहता हो)
Haridwar	Bhadrabad	46	3091
Haridwar	Roorkee	40	2376
Haridwar	Bhagwanpur	32	1716
Haridwar	Khanpur	17	300
Haridwar	Laksar	10	574
Haridwar	Narsan	8	111
Total IN District		**153**	**8168**
Total IN State		6338	383726

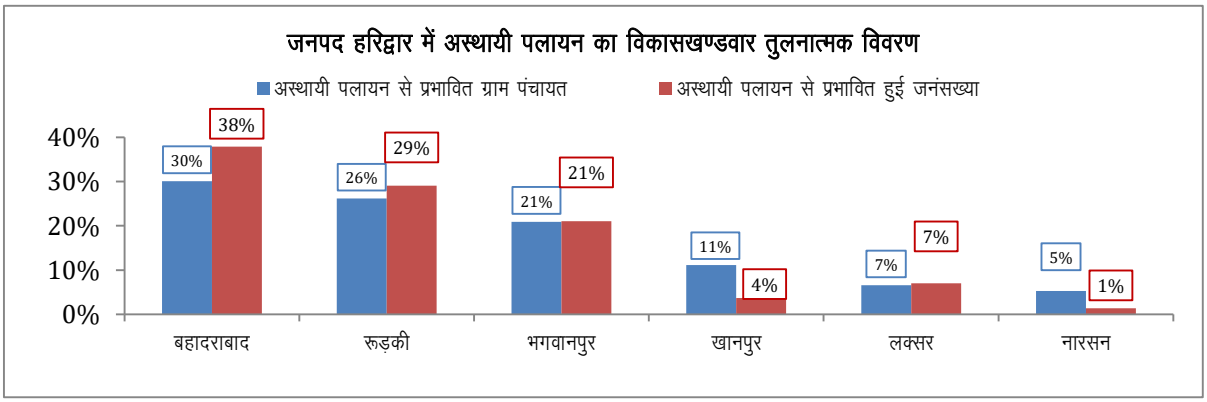

जनपद हरिद्वार में कुल 73 ग्राम पंचायतों में 1251 व्यक्तियों द्वारा पिछले दस सालों में स्थायी पलायन किया गया, जिसमें सबसे अधिक विकासखण्ड बहादराबाद के 27 ग्राम पंचायतों में 571 व्यक्तियों द्वारा तथा सबसे कम विकासखण्ड लक्सर के मात्र 02 ग्राम पंचायतों में 03 व्यक्तियों द्वारा स्थायी पलायन किया गया, जबकि विकासखण्ड रूड़की के मात्र 04 ग्राम पंचायतों में ही 39 व्यक्तियों द्वारा अन्य विकसखण्डों के अपेक्षा अधिक स्थायी पलायन किया जाना नजदीकी कस्बों/शहरों में शिक्षा,

स्वास्थ्य जैसी सुविधाओं की समुचित व्यवस्था में अभाव के कारण किया जा रहा है। आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका में प्रदर्शित किया गया है।

पिछले 10 वर्षों में हरिद्वार जनपद के ग्राम पंचायतों से हुए स्थायी पलायन का विकासखण्डवार विवरण			
जनपद का नाम	विकासखण्ड का नाम	ग्राम पंचायतों की कुल संख्या (जो लोग पूर्ण रूप से पलायन कर चुके हो या अपनी जमीन बेच चुके हो/अथवा भूमि बंजर पड़ी हो/घरों पर ताले लगे हो/तथा बहुत कम गॉव आना होता हो)	पिछले 10 वर्षो में पूर्ण पलायन करने वाले कुल व्यक्तियों की संख्या (जो पूर्ण रूप से पलायन कर चुके हो या अपनी जमीन बेच चुके हो/अथवा भूमि बंजर पड़ी हो/घरों पर ताले लगे हो/तथा बहुत कम गॉव आना होता हो)
Haridwar	Bhadrabad	27	571
Haridwar	Bhagwanpur	22	468
Haridwar	Khanpur	13	142
Haridwar	Narsan	5	28
Haridwar	Roorkee	4	39
Haridwar	Laksar	2	3
Total IN District		**73**	**1251**
Total IN State		**3946**	**118981**

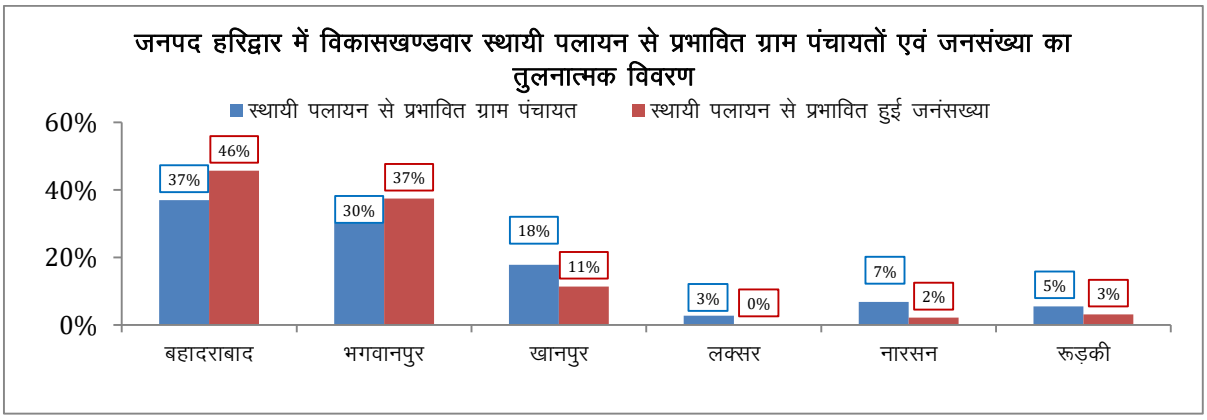

- **पलायन के मुख्य कारण**

पलायन का मुख्य कारण आजीविका/रोजगार, की समस्या के साथ–साथ शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी सुविधाओ की कमी है। जनपद हरिद्वार में आजीविका/रोजगार के अभाव के कारण76.6%सबसे अधिक पलायन तथा0.05%सबसे कम आधारभूत सुविधाओं की कमी की वजह से हो रहा है, जिसमें रोजगार जैसी समस्या के कारण सबसे अधिक पलायन विकासखण्ड रूड़की में 97.

25%, चिकित्सा सुविधाओं में अभाव के कारण विकासखण्ड बहादराबाद में 3.23%, शिक्षा सुविधा के कारण 7.25%, कृषि भूमि में पैदावार की कमी के कारण 4.88% तथा देखा देखी के कारण 7.12% विकासखण्ड लक्सर में हुआ। विस्तृत आंकड़े नीचे दी गई तालिका में प्रस्तुत हैं।

ग्राम पंचायतों से पलायन के मख्य कारण का जनपद और विकासखण्ड में विवरण										
ग्राम पंचायत से पलायन के कारण (लगभग प्रतिशत में)										
जनपद	विकासखण्ड का नाम	आजीविका / रोजगार की समस्या (प्रतिशत)	चिकित्सा सुविधा का आभाव (प्रतिशत)	शिक्षा सुविधा का आभाव (प्रतिशत)	इन्फ्राटक्चर (सड़क, बिजली, पानी व अन्य का आभाव) (प्रतिशत)	कृषि भूमि में उत्पादकता / पैदावार की कमी (प्रतिशत)	परिवार / सगे संम्बन्धियों की देखा–देखी पलायन करना (प्रतिशत)	जंगली जानवरों के द्वारा कृषि को हानि पहुंचाने करने के कारण (प्रतिशत)	अन्य कोई विशेष कारण (प्रतिशत)	योग
Haridwar	Bhadrabad	81.73	3.23	4.56	0	0.52	2.54	1.35	6.06	100
Haridwar	Bhagwanpur	63.83	0.55	1.17	0.21	0.31	0.1	0.28	33.55	100
Haridwar	Khanpur	100	0	0	0	0	0	0	0	100
Haridwar	Laksar	58.5	1.75	7.25	0	4.88	7.12	0	20.5	100
Haridwar	Narsan	0.25	0	0	0	0	0	5	94.75	100
Haridwar	Roorkee	97.25	0	0	0	0	2.75	0	0	100
Total IN District		76.6	1.62	2.73	0.05	0.64	1.69	0.82	15.85	100
Total IN State		50.16	8.83	15.21	3.74	5.44	2.52	5.61	8.48	100

- आयु वर्गवार पलायन :–यह खण्ड ग्राम पंचायतों से पलायन करने वालों की आयु का विश्लेषण करता है। आंकड़ों में स्पष्ट हुआ हैं कि राज्य में सबसे अधिक लगभग 42.25 प्रतिशत पलायन 26 से 35 आयु वर्ग द्वारा किया गया है, जिसमें जनपद हरिद्वारद्वारा 52.79 प्रतिशत द्वारा राज्य में योगदान किया गया।जनपद हेतु उक्त आंकड़ों में सबसे अधिक योगदान विकासखण्ड खानपुर द्वारा दिया गया। जनपद की आयु वर्गवार पलायन की विस्तृत जानकारी नीचे तालिकाओं एवं ग्राफों में प्रदर्शित की गई है।

ग्राम पंचायतों से आयु वर्गवार पलायन का जनपद और विकासखण्ड़वार विवरण					
जनपद का नाम	विकासखण्ड का नाम	ग्राम पंचायत से पलायन करने वालों की आयु (लगभग प्रतिशत में)			
		25 साल से कम आयु वर्ग (वर्तमान में)	26 से 35 आयु वर्ग (वर्तमान में)	35 साल से अधिक आयु वर्ग (वर्तमान में)	योग
Haridwar	Bhadrabad	18.3	52.86	28.84	100
Haridwar	Bhagwanpur	10.23	26.14	63.64	100
Haridwar	Khanpur	0.31	93.19	6.5	100
Haridwar	Laksar	25	55	20	100
Haridwar	Narsan	NA	NA	NA	NA
Haridwar	Roorkee	22.14	42.14	35.71	100
Total IN District		13.99	52.79	33.22	100
Total IN State		28.66	42.25	29.09	100

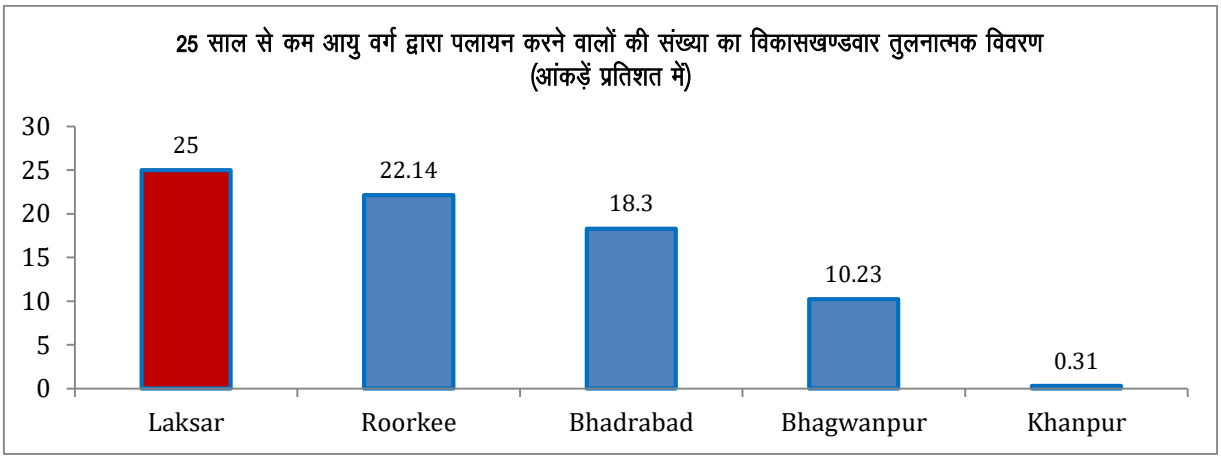

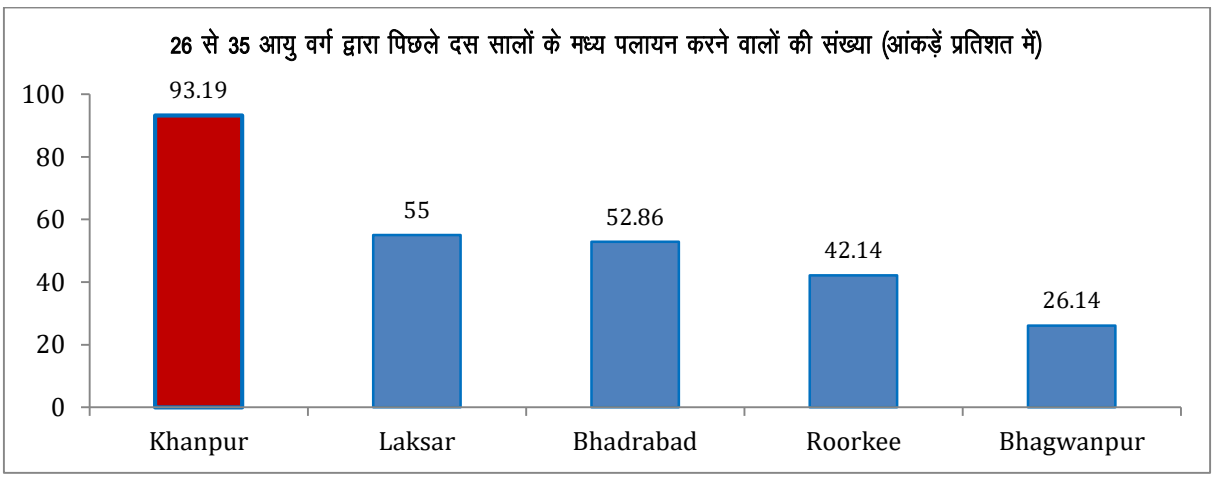

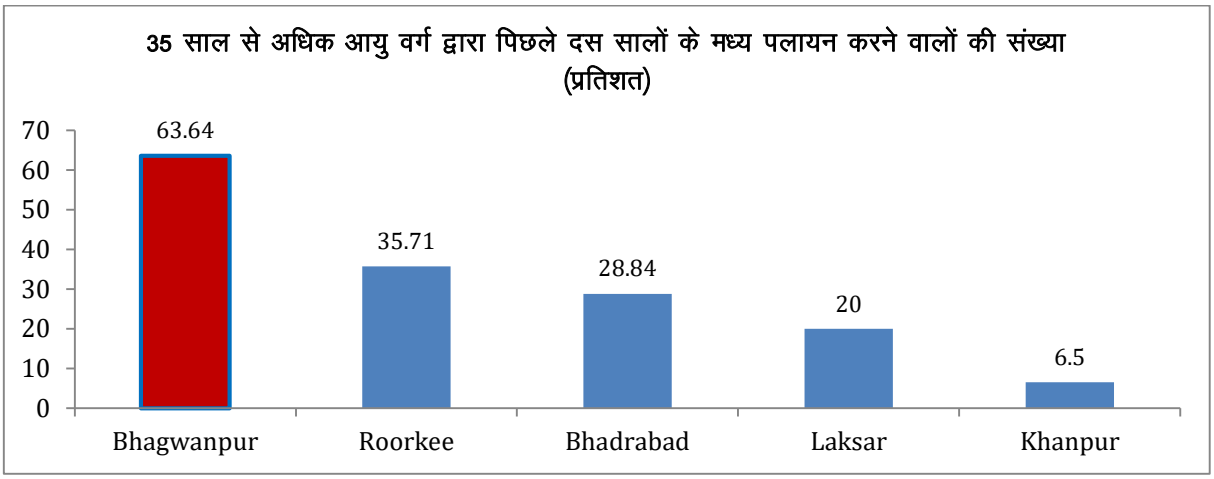

- पलायन के गंतव्य

ग्राम पंचायतों से हो रहे पलायन के गंतव्य के विश्लेषण कर सामने आये आंकड़ों को इस खण्ड़ में प्रस्तुत किया जा रहा है, जिसमें स्पष्ट हुआ है कि जनपद के ग्राम पंचायतों से सबसे अधिक पलायन लगभग 44.27 प्रतिशत नजदीकी कस्बों एवं 20.85 प्रतिशत पलायन राज्य के बाहर हुआ है।

हरिद्वार जिले में पलायन के गन्त्वयों हेतु आंकड़ों से ज्ञात होता है कि नजदीकी कस्बों में सबसे अधिक पलायन विकासखण्ड खानपुर में 84.06%,जनपद मुख्यालय में पलायन के आंकड़ों हेतु सबसे अधिक पलायन विकासखण्ड लक्सर में 21. 62% तथा राज्य के अन्य जनपदों हेतु सबसे अधिक पलायन विकासखण्ड भगवानपुर, राज्य से बाहर एवं देश के बाहर हेतु सबसे अधिक पलायन विकासखण्ड बहादराबाद में क्रमशः 35.77% तथा 0.91% की दर से हुआ है, अर्थात जनपद हरिद्वार के अन्तर्गत सबसे अधिक पलायन नजदीकी कस्बों में होने की पुष्टि होती है। आंकडों का विवरण निम्नवत तालिका एवं ग्राफ में दर्शाया गया है।

ग्राम पंचायत से हुए पलायन के गन्तव्यों का जनपद और विकासखण्ड़वार विवरण							
ग्राम पंचायत से पलायन कहाँ किया गया (लगभग प्रतिशत में)							
जनपद का नाम	विकासखण्ड का नाम	नजदीकी कस्बों में	जनपद मुख्यालय	राज्य के अन्य जनपदों में	राज्य से बाहर	देश से बाहर	योग
Haridwar	Bhadrabad	27.39	16.7	19.23	35.77	0.91	100
Haridwar	Bhagwanpur	29.32	24.27	26.59	19.4	0.41	100
Haridwar	Khanpur	84.06	15.39	0	0.56	0	100
Haridwar	Laksar	65	21.62	8.75	4.6	0.02	100
Haridwar	Narsan	NA	NA	NA	NA	NA	NA
Haridwar	Roorkee	68	13.75	13.62	4.62	0	100
Total IN District		**44.27**	**18.29**	**16.1**	**20.85**	**0.49**	**100**
Total IN State		19.46	15.18	35.69	28.72	0.96	100

- निर्जन ग्रामों की संख्या

यह खण्ड वर्ष 2011–2018 के बीच निर्जन हुए राजस्व ग्रामों/तोकों/मजरों का विकासखण्ड वार विवरण प्रस्तुत करता है तथा जिनमें सड़क सुविधा का अभाव, बिजली अभाव, पेयजल का अभाव, सार्वजनिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) उपलब्धता 1 किमी के अन्दर नहीं है, वाले ग्रामों का विवरण निम्न तालिकाओं के माध्यम से स्पष्ट किया गया है।

राज्य, जनपद व विकासखण्ड वार निर्जन हुए ग्रामों/तोकों की संख्या (2018)		
जनपद का नाम	विकासखण्ड का नाम	कुल ग्राम /तोक (वर्तमान में)
Haridwar	Narsan	11
Haridwar	Roorkee	9
Haridwar	Khanpur	7
Haridwar	Laksar	7
Haridwar	Bhadrabad	3
Haridwar	Bhagwanpur	1
Total (Haridwar)		38
Total (state)		**734**

राज्य, जनपद और विकासखण्ड़ वार सड़क अभाव वाले ग्रामों/तोकों की संख्या (2018)		
जनपद का नाम	विकासखण्ड का नाम	कुल राजस्व ग्राम /तोक (वर्तमान में)
Haridwar	Roorkee	5
Haridwar	Khanpur	4
Haridwar	Bhadrabad	3
Haridwar	Narsan	2
Haridwar	Bhagwanpur	1
Total (Haridwar)		15
Total (state)		**482**

राज्य, जनपद और विकासखण्ड़ वार पेयजल का अभाव वाले ग्रामों/तोकों की संख्या (2018)		
जनपद का नाम	विकासखण्ड का नाम	कुल राजस्व ग्राम /तोक (वर्तमान में)
Haridwar	Narsan	7
Haridwar	Khanpur	6
Haridwar	Laksar	4

Haridwar	Bhadrabad	1
Haridwar	Bhagwanpur	1
Haridwar	Roorkee	1
Total (Haridwar)		20
Total (state)		**399**

राज्य, जनपद और विकासखण्ड़ वार सामुदायिक स्वास्थ्य केंन्द्र का अभाव वाले ग्रामों/तोकों की संख्या (2018)		
जनपद का नाम	विकासखण्ड का नाम	कुल राजस्व ग्राम /तोक (वर्तमान में)
Haridwar	Narsan	9
Haridwar	Khanpur	7
Haridwar	Laksar	4
Haridwar	Roorkee	4
Haridwar	Bhadrabad	3
Haridwar	Bhagwanpur	1
Total (Haridwar)		28
Total (state)		**660**

➢ ऐसे ग्राम जहाँ अन्य दूसरे ग्रामों/कस्बों/तोकों से पिछले 10 वर्षों में लोग पलायन कर निवास कर रहें हैं :–

यह खंड, जनपद और विकासखण्ड वार उन ग्रामों की संख्या का विवरण प्रस्तुत करता है, जहाँ पिछले 10 वर्षों में अन्य ग्रामों/शहर/कस्बों से पलायन कर इन ग्रामों में पलायन कर बस गये हैं।

ग्रामों की संख्या जिन ग्रामों में पिछलें 10 वर्षों में दूसरे ग्रामों/तोकों के लोग पलायन कर बसे हैं का राज्य, जनपद और विकासखण्ड वार विवरण (2018)		
जनपद का नाम	विकासखण्ड का नाम	कुल ऐसे गॉव जहॉ पिछले 10 वर्षो में अन्य गॉव/शहर/कस्बों से पलायन कर उस गॉव में आकर बसे हों
Haridwar	Roorkee	59
Haridwar	Narsan	32
Haridwar	Bhagwanpur	25
Haridwar	Bhadrabad	3

Haridwar	Khanpur	1
Haridwar	Laksar	1
Total (Haridwar)		121
Total (state)		**850**

➢ राजस्व ग्राम/तोक जहाँ 2011 की जनगणना के बाद के बाद 50 प्रतिशत तक पलायन हुआ है :–

यह भाग जनपद और विकासखण्ड वार राजस्व ग्रामों/तोकों की संख्या का विवरण प्रस्तुत करता है जिनमें 2011 की जनगणना के बाद जनसंख्या 50 प्रतिशत कम हुई है। जिनमें सड़क सुविधा का अभाव, पेयजल का अभाव, सार्वजनिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) उपलब्धता नहीं है।

2011 की जनगणना के बाद जनसंख्या 50 प्रतिशत कम हुई वाले राजस्व ग्रामों/तोकों की संख्या का राज्य, जनपद और विकासखण्ड वार विवरण		
जनपद का नाम	विकासखण्ड का नाम	कुल राजस्व ग्राम /तोक (वर्तमान में)
Haridwar	Bhadrabad	2
Haridwar	Bhagwanpur	2
Haridwar	Khanpur	2
Haridwar	Narsan	1
Total (Haridwar)		7
Total (state)		**565**

2011 की जनगणना के बाद जनसंख्या 50 प्रतिशत कम हुई वाले राजस्व ग्रामों/तोकों की संख्या जहाँ सड़क का अभाव है का राज्य, जनपद और विकासखण्ड वार विवरण		
जनपद का नाम	विकासखण्ड का नाम	कुल राजस्व ग्राम /तोक (वर्तमान में)
Haridwar	Khanpur	1
Haridwar	Narsan	1
Total (Haridwar)		2
Total (state)		**367**

2011 की जनगणना के बाद जनसंख्या 50 प्रतिशत कम हुई वाले राजस्व ग्रामों/तोकों की संख्या जहाँ पेयजल का अभाव है का राज्य, जनपद और विकासखण्ड वार विवरण		
जनपद का नाम	विकासखण्ड का नाम	कुल राजस्व ग्राम /तोक (वर्तमान में)
Haridwar	Bhadrabad	2
Haridwar	Bhagwanpur	1
Haridwar	Khanpur	1
Total (Haridwar)		4
Total (state)		**203**

2011 की जनगणना के बाद जनसंख्या 50 प्रतिशत कम हुई वाले राजस्व ग्रामों/तोकों की संख्या जहाँ सामुदायिक स्वास्थ्य केंन्द्र का अभाव है का राज्य, जनपद और विकासखण्ड वार विवरण		
जनपद का नाम	विकासखण्ड का नाम	कुल राजस्व ग्राम /तोक (वर्तमान में)
Haridwar	Bhadrabad	2
Haridwar	Bhagwanpur	1
Haridwar	Khanpur	1
Haridwar	Narsan	1
Total (Haridwar)		5
Total (state)		**510**

अध्याय IV

ग्रामीण सामाजिक–आर्थिक विकास हेतु जनपद हरिद्वार में विभागों द्वारा संचालित कार्यक्रमों का विश्लेषण

जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं की पूर्ति एवं सामाजिक–आर्थिक विकास को मजबूत करने के लिए विभागों द्वारा संचालित की जा रही योजनाओं का विभागवार विश्लेषण निम्नानुसार है :–

ग्राम्य विकास

जनपद हरिद्वार में कुल 306 ग्राम पंचायतें हैं, जिनमें ग्राम विकास विभाग द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों के सामाजिक–आर्थिक विकास को सुदृढ़ करने के लिए महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, जैसी कई योजनाओं का सम्पादन किया जाता है, जिनके आंकड़ों का विश्लेषण निम्नवत प्रस्तुत किया जा रहा है :–

महात्मा गांधी नरेगा :–महात्मा गाँधी नरेगा योजना के आंकड़ों के अध्ययन से पूर्व जनपद के 06 विकासखण्डों में सम्मिलित ग्राम पंचायत की संख्या को देखे तो ज्ञात होता है कि खानपुर विकासखण्ड सबसे छोटा तथा बहादराबाद सबसे बड़ा विकासखण्ड है। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार जनसंख्या में विकासखण्ड रूड़की, विकासखण्ड बहादराबाद के बाद सबसे बडा है, किन्तु ग्राम पंचायतों की संख्या के आधार पर चौथवें स्थान पर है क्योंकि विकासखण्ड के कई ग्राम नगरीय क्षेत्रों में बदल गये हैं जो नजदीकी कस्बों से हो रहे पलायन का संकेतक है अर्थात जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों से पलायन नजदीकी शहरी क्षेत्रों में होने की पुष्टि होती हैं जिसका विवरण निम्नवत ग्राफों के माध्यम से भी समझा जा सकता है–

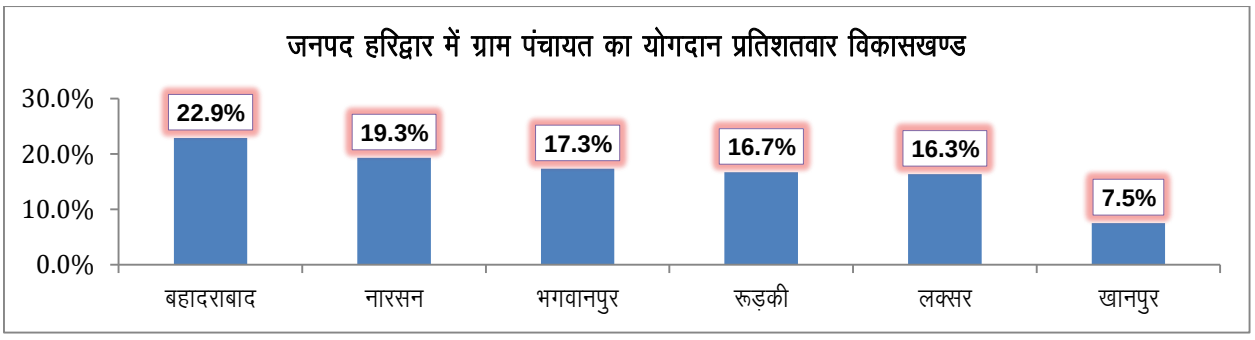

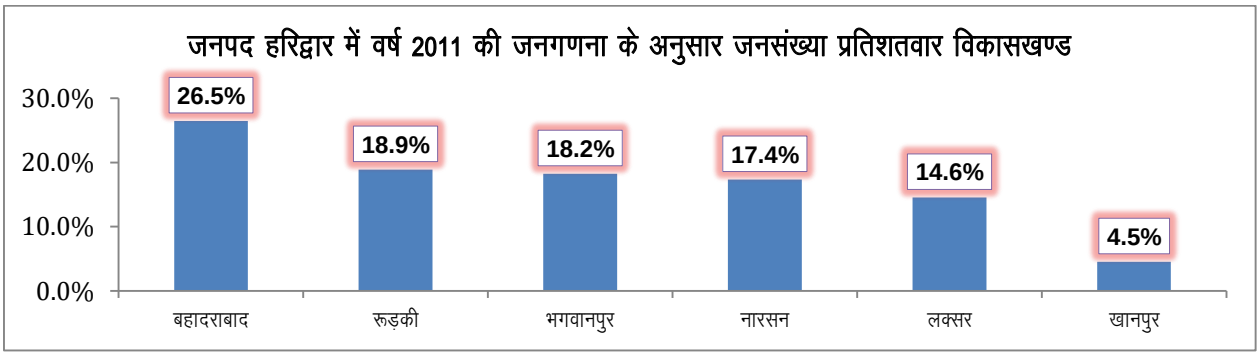

- **जॉबकार्डः**—जनपद में कुल 210425 जारी किये गये जॉबकार्डों में से अभी लगभग 72% जॉबकार्ड निष्क्रीय हैं। निष्क्रीय जॉबकार्डों के अध्ययन से यह भी स्पष्ट हो जाता है कि बहादराबाद विकासखण्ड में जनपद में सबसे अधिक लगभग 75% जॉबकार्ड निष्क्रीय हैं अर्थात जनपद में 72% जॉबकार्ड काम करने के लिए मांग ही नहीं कर रहें हैं या 72% जॉबकार्ड धारकों को महात्मा गाँधी नरेगा योजना में काम के लिए डिमाण्ड करने की प्रक्रिया की जानकारी नहीं है जिसमें खानपुर तथा भगवानपुर विकासखण्डों की स्थिति में सुधार की आवश्यकता है। आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका एवं ग्राफ में दर्शाया गया है।

जॉबकार्डों का विकासखण्डवार विवरण			
विकासखण्ड	जारी कुल जॉबकार्ड	सक्रिय कुल जॉबकार्ड	निष्क्रीय कुल जॉबकार्ड
बहादराबाद	42502	10673	-31829
भगवानपुर	47566	15042	-32524
खानपुर	15737	7970	-7767
लक्सर	34338	8850	-25488
नारसन	36606	9336	-27270
रूड़की	33676	6638	-27038
जनपद हरिद्वार	**210425**	**58509**	**-151916**

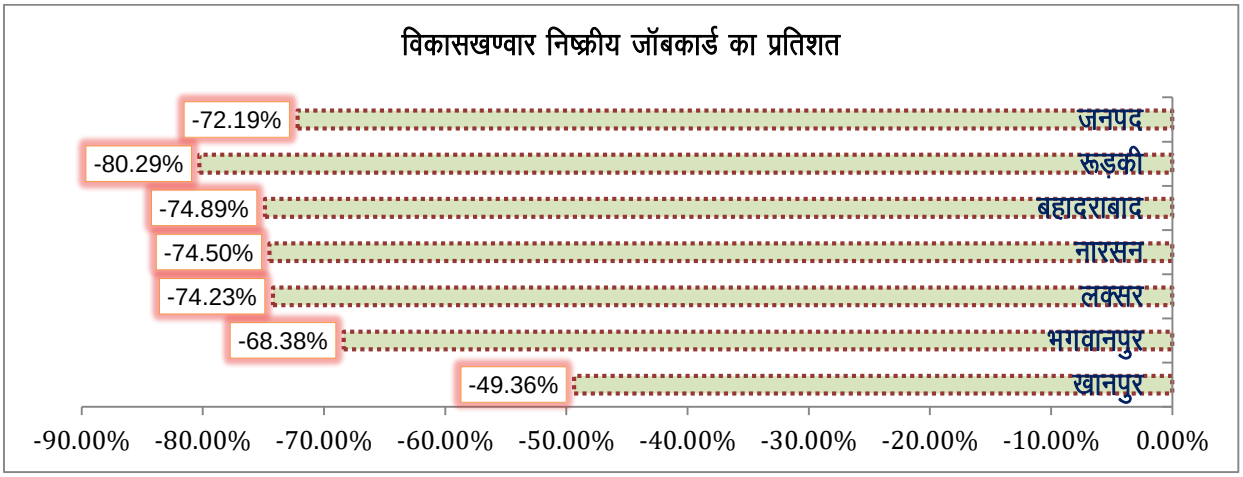

मनरेगा में पंजीकृत श्रमिक :—हरिद्वार जनपद के लिए महात्मा गाँधी नरेगा योजना अन्तर्गत कुल 2,69,505 श्रमिक पंजीकृत हुए हैं, जिसमें से अभी लगभग 72% श्रमिक काम की मांग ही नहीं करते जिसमें सबसे अधिक लगभग 81% विकासखण्ड रूड़की तथा सबसे कम लगभग 52% विकासखण्ड खानपुर द्वारा योगदान दिया जा रहा है। विभाग को निष्क्रीय जॉबकार्ड एवं काम की मांग न करने वाले श्रमिकों के लिए सघन सर्वेक्षण करते हुए इन आंकड़ों को सन्तुलित करना चाहिए, ताकि वास्तविक जॉबकार्ड धारकों एवं श्रमिकों को चिह्नित करते हुए सूचीवद्व किया जा सके। आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका एवं ग्राफ में दर्शाया गया है–

जॉबकार्डों में पंजीकृत श्रमिकों के सापेक्ष निष्क्रीय श्रमिकों का विकासखण्डवार प्रतिशत विवरण			
विकासखण्ड	पंजीकृत कुल श्रमिक	कुल सक्रिय श्रमिक	कुल निष्क्रीय श्रमिक
बहादराबाद	54789	14218	-40571
भगवानपुर	65239	21003	-44236
खानपुर	24373	11634	-12739
लक्सर	42251	11129	-31122
नारसन	43181	11079	-32102
रूड़की	39672	7417	-32255
जनपद	**269505**	**76480**	**-193025**

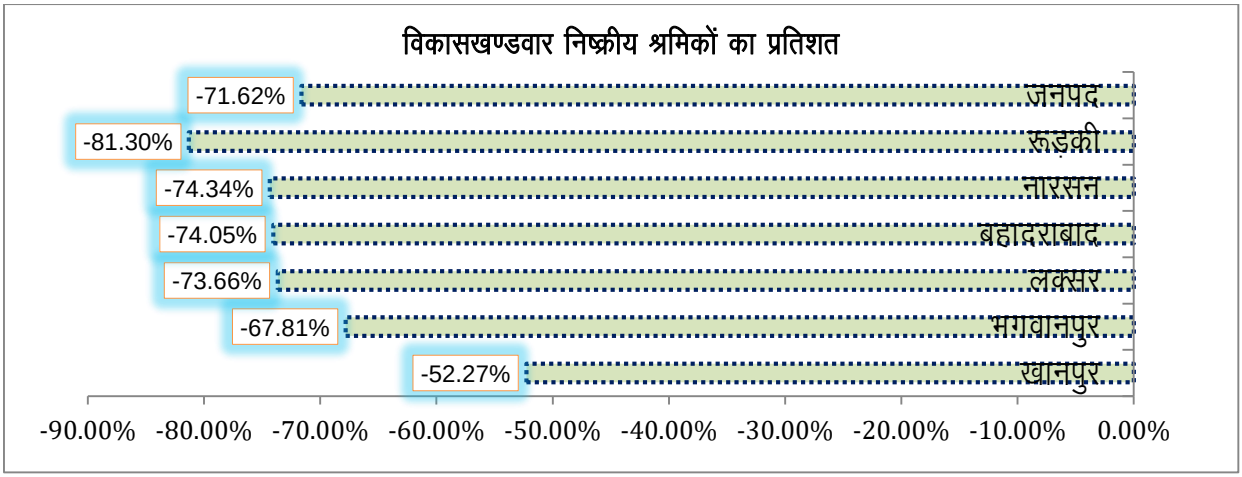

- सृजित मानव दिवस :–विकास विभाग द्वारा विगत वर्ष 2018–19 से वर्ष 2021–22 के मध्य महात्मा गाँधी नरेगा के अन्तर्गत सृजित मानव दिवस हेतु आंकड़ों के अध्ययन से ज्ञात होता है कि विगत चार वर्षों के दौरान कुल 53,86,481 मानव दिवस सृजित हुए जिसमें सबसे अधिक विकासखण्ड भगवानपुर तथा सबसे कम विकासखण्ड रूड़की द्वारा योगदान दिया गया। आंकड़ों का वर्षवार तुलना करने से ज्ञात होता है कि जनपद में वर्ष 2019–20 से वर्ष 2021–22 के मध्य औसतन 1.24% की ऋणात्मक कमी देखी गयी। उक्त आंकड़ों में सबसे अधिक विकासखण्ड रूड़की द्वारा -5.13% एवं विकासखण्ड खानपुर द्वारा 17.62% के माध्यम से योगदान दिया गया। ऋणात्मक गिरावट वाले विकासखण्डों में अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका एवं ग्राफ में दर्शाया गया है।

सृजित मानव दिवस का विकासखण्डवार एवं वर्षवार तुलनात्मक विवरण						
वर्ष / विकासखण्ड	2021–22	2020–21	2019–20	2018–19	विगत चार में सृजित कुल मानव दिवस	कुल सृजित मानव दिवस (प्रतिशत में)
बहादराबाद	170799	253727	256666	206079	887271	**16.47%**
भगवानपुर	231350	469546	352510	321140	1374546	**25.52%**
खानपुर	207909	229065	166076	133741	736791	**13.68%**
लक्सर	152064	318005	151194	195630	816893	**15.17%**
नारसन	208900	226971	210262	237650	883783	**16.41%**
रूड़की	164859	169837	137027	215474	687197	**12.76%**
जनपद	**1135881**	**1667151**	**1273735**	**1309714**	**5386481**	**100%**

सृजित मानव दिवस का विकासखण्डवार एवं वर्षवार तुलनात्मक विवरण				
वर्ष / विकासखण्ड	2021–22 में वार्षिक वृद्धिदर	2020–21 में वार्षिक वृद्धिदर	2019–20 में वार्षिक वृद्धिदर	विगत तीन वर्षों में औसत सृजित मानव दिवस (प्रतिशत में)
बहादराबाद	-33%	-1%	25%	**-3.09%**
भगवानपुर	-51%	33%	10%	**-2.59%**
खानपुर	-9%	38%	24%	**17.62%**
लक्सर	-52%	110%	-23%	**11.81%**
नारसन	-8%	8%	-12%	**-3.85%**
रूड़की	-3%	24%	-36%	**-5.13%**
जनपद	-32%	31%	-3%	**-1.24%**

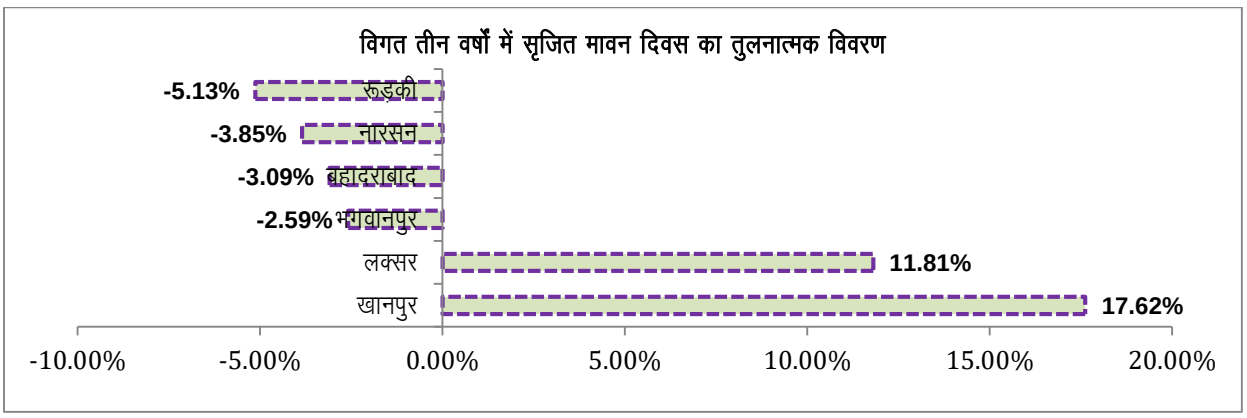

- महिला सृजित मानव दिवस :– विगत तीन वर्षों के मध्य महिलाओं के सृजित दिवसों में जनपद के अन्तर्गत लगभग 2.50 % की वृद्धि हो रही है, जो महिलाओं को रोजगार उपलब्ध होने में कहीं न कहीं कमी हो रही है या महिलाओं को कार्य के लिए मांग करने हेतु जानकारी का अभाव प्रकट करता है, या महिलाएं काम करना ही नहीं चाहती। विभाग को उक्त अभाव को दूर करने के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर रोजगार दिवस मनाने के प्राविधान को लागू करने की कार्ययोजना तैयार की जाती है तो जनपद के विकासखण्डों में महात्मा गांधी नरेगा के अन्तर्गत महिलाओं की भागीदारी में वृद्धि होगी एवं महिला जनशक्ति की आय में भी वृद्धि होगी। आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका एवं ग्राफ में दर्शाया गया है–

महिलाओं द्वारा सृजित मानव दिवस का विकासखण्डवार एवं वर्षवार विवरण (प्रतिशत में)					
वर्ष / विकासखण्ड	**2021–22**	**2020–21**	**2019–20**	**2018–19**	**विगत चार वर्षों के मध्य महिलाओं द्वारा औसत सृजित मानव दिवस**
बहादराबाद	35.56	36.46	34.32	30.57	**34.23**
भगवानपुर	46.8	43.11	41.2	39.95	**42.77**
खानपुर	44.62	41.99	38.65	34.98	**40.06**
लक्सर	40.39	40.38	35.62	33.54	**37.48**
नारसन	45.99	36.87	35.81	29.54	**37.05**
रूड़की	28.01	27.46	24.86	26.56	**26.72**
जनपद	**40.23**	**37.71**	**35.08**	**32.52**	**36.39**

महिलाओं द्वारा सृजित मानव दिवसों का वर्षवार तुलनात्मक विकासखण्डवार एवं वर्षवार विवरण (प्रतिशत में)				
वर्ष / विकासखण्ड	2021–22 में वार्षिक वृद्धिदर	2020–21 में वार्षिक वृद्धिदर	2019–20 में वार्षिक वृद्धिदर	विगत तीन वर्षों के मध्य महिलाओं द्वारा औसत सृजित मानव दिवस
बहादराबाद	-0.90	2.14	3.75	**1.66**
भगवानपुर	3.69	1.91	1.25	**2.28**
खानपुर	2.63	3.34	3.67	**3.21**
लक्सर	0.01	4.76	2.08	**2.28**
नारसन	9.12	1.06	6.27	**5.48**
रूड़की	0.55	2.60	-1.70	**0.48**
जनपद	2.52	2.63	2.55	**2.57**

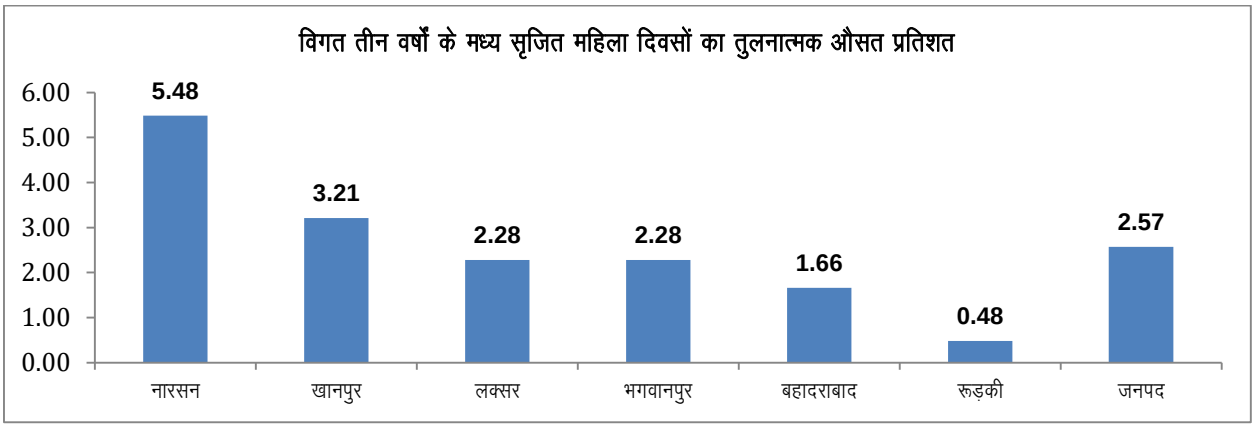

- प्रति परिवार रोजगार उपलब्धता के औसत दिन :–उल्लिखित मद में विभाग द्वारा जनपद के अन्तर्गत विगत चार वर्षों के मध्य प्रति परिवार लगभग 44%दिनों का ही औसत रोजगार ही उपलब्ध करवाया गया जिसमें विकासखण्ड खानपुर द्वारा सबसे कम 41.82% दिनों का ही औसत रोजगार प्रति परिवार को दिया गया, जबकि जनपद में विगत तीन वर्षो के दौरान वर्षवार तुलना करने से स्पष्ट होता है कि जनपद में औसत 0.92% की ऋणात्मक कमी देखी गयी है। आंकड़ों में सबसे अधिक 1.79% योगदान विकासखण्ड रूड़की एवं सबसे कम -3.87% लक्सर विकासखण्ड द्वारा दिया गया। विभाग को औसत रोजगार दिवस बढ़ाने के लिए जॉबकार्ड धारकों को अधिक से अधिक मांग करने के लिए जागरूक करने की रणनीति तैयार करनी चाहिए जिसके पश्चात ग्रामीणों की आय में भी वृद्धि होगी। आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका एवं ग्राफों में दर्शाया गया है–

प्रति परिवार को उपलब्ध करवाये गये औसत रोजगार के दिनों का विकासखण्डवार एवं वर्षवार विवरण (प्रतिशत में)					
वर्ष / विकासखण्ड	2021–22	2020–21	2019–20	2018–19	विगत चार वर्षों के मध्य प्रति परिवार उपलब्ध औसत मानव दिन
बहादराबाद	41.68	42.44	46.31	40.11	**42.64**
भगवानपुर	36.15	44.74	47.29	40.78	**42.24**
खानपुर	40.33	47.77	40.70	38.49	**41.82**
लक्सर	33.60	47.08	45.38	45.22	**42.82**
नारसन	41.46	47.01	49.03	50.60	**47.03**
रूड़की	51.10	53.54	45.40	45.72	**48.94**
योग जनपद	**40.72**	**47.10**	**45.69**	**43.49**	**44.25**

प्रति परिवार को उपलब्ध करवाये गये औसत रोजगार के दिनों का विकासखण्डवार एवं वर्षवार विवरण (प्रतिशत में)				
वर्ष / विकासखण्ड	2021–22 में वार्षिक वृद्धिदर	2020–21 में वार्षिक वृद्धिदर	2019–20 में वार्षिक वृद्धिदर	विगत तीन वर्षों के मध्य प्रति परिवार को उपलब्ध करवाये गये औसत रोजगार के दिन
बहादराबाद	-0.76	-3.87	6.20	**0.52**
भगवानपुर	-8.59	-2.55	6.51	**-1.54**
खानपुर	-7.44	7.07	2.21	**0.61**
लक्सर	-13.48	1.70	0.16	**-3.87**
नारसन	-5.55	-2.02	-1.57	**-3.05**
रूड़की	-2.44	8.14	-0.32	**1.79**
जनपद	-6.38	1.41	2.20	**-0.92**

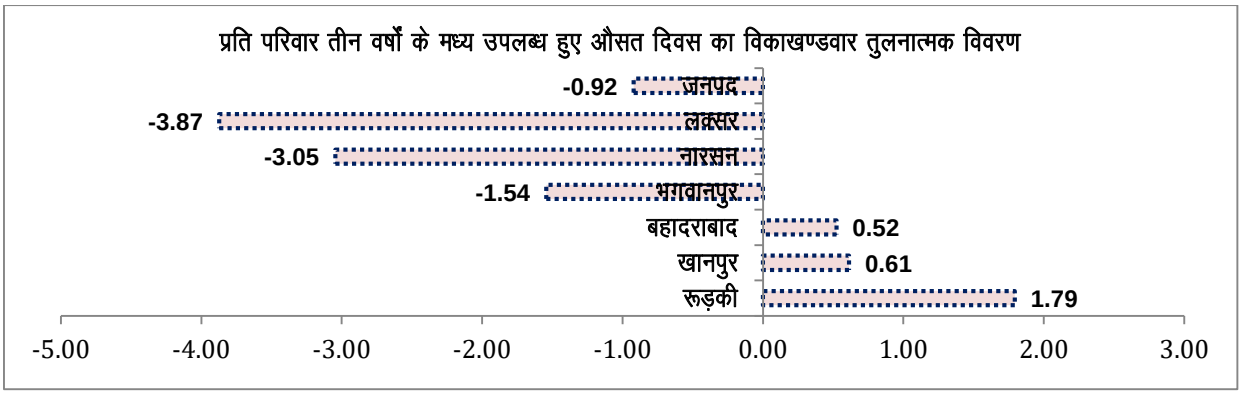

- 100 दिन का रोजगार प्राप्त करने वाले परिवार :–विभाग द्वारा विगत चार वर्षों के दौरान औसत 1215 परिवारों को ही 100 दिन का रोजगार उपलब्ध करवाया गया, जो कि बहुत कम है। वर्षवार 100 दिन पूरे करने वाले परिवारों की वार्षिक वृद्धिदर को देखे तो ज्ञात होता है कि विकासखण्ड बहादराबाद के अतिरिक्त हर विकासखण्ड में वृद्धिदर ऋणात्मक गिरावट के साथ देखी गयी अर्थात वृद्धिदर का लगभग 112 तक गिरना मनरेगा की जनपद में स्थिति को दर्शाता हैं। विभाग को 100 दिन को पूरे करने वाले परिवारों की संख्या में वृद्धिदर को शत–प्रतिशत करने के लिए सक्रीय जॉबकार्डों पर ध्यान केन्द्रित करते हुए सुधार करना होगा। आंकड़ों को निम्नवत तालिका में दर्शाया गया है–

100 दिन का रोजगार प्राप्त करने वाले परिवारों का विकासखण्डवार एवं वर्षवार विवरण					
वर्ष / विकासखण्ड	2021–22	2020–21	2019–20	2018–19	विगत चार वर्षों के मध्य 100 दिन का रोजगार प्राप्त करने वाले परिवारों का औसत संख्या
बहादराबाद	157	481	134	79	**213**
भगवानपुर	171	851	543	236	**450**
खानपुर	20	559	63	166	**202**
लक्सर	5	345	21	23	**99**

नारसन	18	336	87	178	**155**
रूड़की	40	242	42	64	**97**
योग जनपद	**411**	**2814**	**890**	**746**	**1215**

100 दिन का रोजगार प्राप्त करने वाले परिवारों का विकासखण्डवार एवं वर्षवार वार्षिक वृद्धिदर				
वर्ष/ विकासखण्ड	2021–22 में वार्षिक वृद्धिदर	2020–21 में वार्षिक वृद्धिदर	2019–20 में वार्षिक वृद्धिदर	विगत तीन वर्षों के मध्य 100 दिन का रोजगार प्राप्त करने वाले परिवारों का औसत वृद्धिदर
बहादराबाद	-324	347	55	**26**
भगवानपुर	-680	308	307	**-22**
खानपुर	-539	496	-103	**-49**
लक्सर	-340	324	-2	**-6**
नारसन	-318	249	-91	**-53**
रूड़की	-202	200	-22	**-8**
जनपद	-2403	1924	144	**-112**

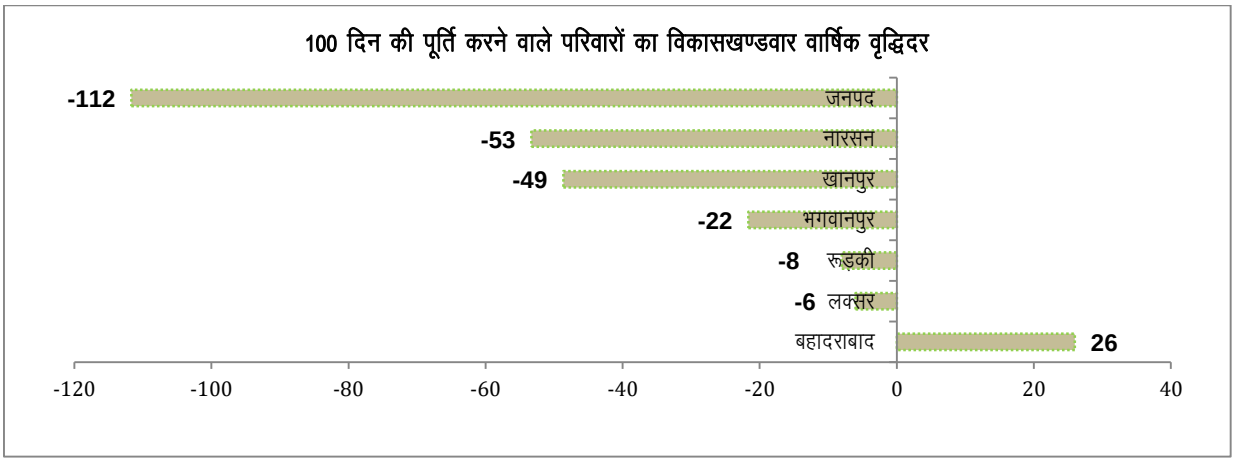

- **काम करने वाले परिवार :–** मनरेगा में काम करने वाले कुल परिवार हेतु विगत चार वर्षों के आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि जनपद के सभी विकासखण्ड में पंजीकृत कुल जॉबकार्डों के सापेक्ष काम की डिमाण्ड/काम करने वाले परिवारों की संख्या लगभग 15% है, जिसमें निचले पायदान में विकासखण्ड रूड़की और बहादराबाद द्वारा योगदान दिया गया। उक्त आंकड़ों में वार्षिक वृद्धिदर देखे तो मात्र विकासखण्ड खानपुर एवं नारसन के अतिरिक्त अन्य विकासखण्ड़ों में वृद्धिदर ऋणात्मक पायी गयी अर्थात जॉबकार्ड धारकों द्वारा काम की मांग ही नहीं की जा रही है या ग्रामीण महात्मा गांधी नरेगा में काम करना ही नहीं चाहते। संबंधितआंकड़ें निम्नवत तालिकाओं में प्रदर्शित किये गये है–

काम करने वाले कुल परिवारों का विकासखण्डवार एवं वर्षवार विवरण							
वर्ष / विकासखण्ड	2021–22	2020–21	2019–20	2018–19	विगत चार वर्षों के मध्य काम करने वाले कुल परिवारों की औसत संख्या	पंजीकृत कुल जॉबकार्ड	विगत चार वर्षों के मध्य काम करने वाले कुल औसत परिवारों का कुल पंजीकृत जॉबकार्ड की अपेक्षा प्रतिशत
बहादराबाद	4098	5979	5542	5138	5189	42502	**12.21%**
भगवानपुर	6400	10495	7454	7875	8056	47566	**16.94%**
खानपुर	5155	4795	4080	3475	4376	15737	**27.81%**
लक्सर	4526	6754	3332	4634	4812	34338	**14.01%**
नारसन	5039	4828	4288	4697	4713	36606	**12.87%**
रूड़की	3226	3172	3018	4713	3532	33676	**10.49%**
योग जनपद	28444	36023	27714	30532	30678	210425	**14.58%**

काम करने वाले कुल परिवारों की संख्या में वार्षिक वृद्धिदर का विकासखण्डवार एवं वर्षवार विवरण				
वर्ष / विकासखण्ड	2021–22 में वार्षिक वृद्धिदर	2020–21 में वार्षिक वृद्धिदर	2019–20 में वार्षिक वृद्धिदर	विगत तीन वर्षों के मध्य काम करने वाले कुल परिवारों की संख्या में औसत वार्षिक वृद्धिदर
बहादराबाद	-1881	437	404	**-347**
भगवानपुर	-4095	3041	-421	**-492**
खानपुर	360	715	605	**560**
लक्सर	-2228	3422	-1302	**-36**
नारसन	211	540	-409	**114**
रूड़की	54	154	-1695	**-496**
जनपद	-7579	8309	-2818	**-696**

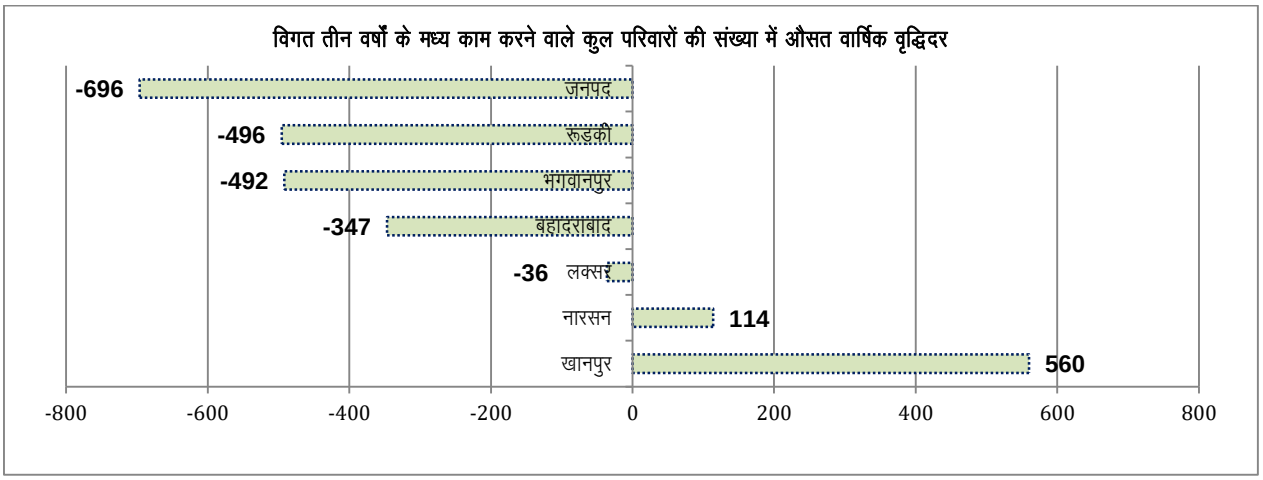

- **काम करने वाले श्रमिक :–** जनपद में महात्मा गाधी नरेगा में कुल पंजीकृत श्रमिकों को दिये गये राजेगार के आंकड़ों को देखे तो ज्ञात होता है कि जनपद द्वारा मात्र **58%** श्रमिक ही रोजगार प्राप्त कर रहे हैं जो कि अपेक्षाकृत कम है। विकासखण्ड भगवानपुर तथा बहादराबाद में पंजीकृत श्रमिकों की संख्या अधिक है किन्तु रोजगार उपलब्धता की स्थिति कम है, श्रमिकों को रोजगार उपलब्धता पर वार्षिक वृद्धिदर के आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि जनपद में विकासखण्ड नारसन, खानपुर तथा लक्सर के अतिरिक्त अन्य विकासखण्डों में वृद्धिदर ऋणात्मक रही है। विभाग को इन विकासखण्ड में जॉबकार्ड एवं श्रमिकों के सत्यापन हेतु कार्ययोजना तैयार कर जॉबकार्ड सूची को सुव्यवस्थित करना चाहिए ताकि भविष्य में वास्तविक जॉबकार्ड एवं श्रमिक महात्मा गांधी नरेगा में पंजीकृत रहें। संबंधित आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका एवं ग्राफ में दर्शाया गया है–

काम करने वाले कुल श्रमिकों की संख्या का विकासखण्डवार एवं वर्षवार विवरण							
वर्ष / विकासखण्ड	2021–22	2020–21	2019–20	2018–19	विगत चार वर्षों के मध्य काम करने वाले कुल श्रमिकों की औसत संख्या	पंजीकृत कुल श्रमिक	विगत चार वर्षों के मध्य काम करने वाले कुल श्रमिकों की औसत संख्या का कुल पंजीकृत श्रमिकों के सोपक्ष प्रतिशत
बहादराबाद	5464	7618	6875	6145	26102	54789	**47.64%**
भगवानपुर	8965	14422	9965	10548	43900	65239	**67.29%**
खानपुर	7575	6701	5329	4467	24072	24373	**98.77%**
लक्सर	5767	8529	3973	5463	23732	42251	**56.17%**
नारसन	5967	5591	4879	5494	21931	43181	**50.79%**
रूड़की	3548	3535	3290	5242	15615	39672	**39.36%**
योग जनपद	**37286**	**46396**	**34311**	**37359**	**155352**	**269505**	**57.64%**

काम करने वाले कुल श्रमिकों की संख्या में वार्षिक वृद्धिदर का विकासखण्डवार एवं वर्षवार विवरण				
वर्ष / विकासखण्ड	**2021–22** में वार्षिक वृद्धिदर	**2020–21** में वार्षिक वृद्धिदर	**2019–20** में वार्षिक वृद्धिदर	**विगत तीन वर्षों के मध्य काम करने वाले कुल श्रमिकों की औसत वार्षिक वृद्धिदर**
बहादराबाद	-2154	743	730	**-227**
भगवानपुर	-5457	4457	-583	**-528**
खानपुर	874	1372	862	**1036**
लक्सर	-2762	4556	-1490	**101**
नारसन	376	712	-615	**158**
रूड़की	13	245	-1952	**-565**
जनपद	-9110	12085	-3048	**-24**

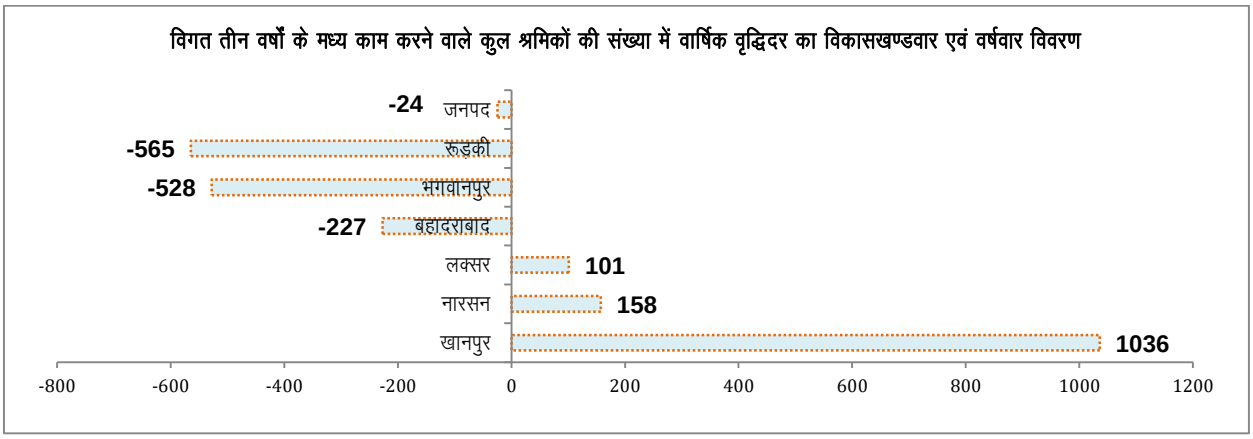

- **कृषि और कृषि संबद्ध कार्यों पर व्यय प्रतिशत :–**मनरेगा के अन्तर्गत विभाग द्वारा विगत चार वर्षों के दौरान कृषि एवं कृषि संबद्ध कार्यों पर व्यय प्रतिशत औसतन 442**%** रहता है। उल्लिखित वर्षों के दौरान कृषि एवं कृषि संबद्ध कार्यों पर व्यय प्रतिशत का वार्षिक वृद्धिदर के आंकड़ों में विकासखण्ड लक्सर तथा नारसन द्वारा ऋणात्मक गिरावट के रूप में योगदान दिया जाता है। विभाग को कार्यो की अधिकता को मध्यनजर रखते हुए ग्रामीणों की आवश्यकता एवं मांग के अनुसार कई योजनाओं को एकीकृत करते हुए कार्ययोजना तैयार करनी चाहिए, ताकि एक ही परियोजना से कई परिवारों को रोजगार उपलब्धता के साथ–साथ आजीविका के स्रोतों में भी वृद्धि की जा सके। संबंधित आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका एवं ग्राफ में दर्शाया गया है–

कृषि और कृषि संबद्ध कार्यों पर व्यय प्रतिशत का विकासखण्डवार एवं वर्षवार विवरण					
वर्ष / विकासखण्ड	2021–22	2020–21	2019–20	2018–19	विगत चार वर्षों के मध्य कृषि और कृषि संबद्ध कार्यों पर व्यय का औसत प्रतिशत
बहादराबाद	88.24	60.3	61.24	63.03	68.20
भगवानपुर	88.04	77.04	77.19	78.76	80.26
खानपुर	89.06	65.25	82.98	77.25	78.64
लक्सर	65.23	75.88	90.71	73.03	76.21
नारसन	69.73	61.91	43.75	74.91	62.58
रूड़की	81.81	82.94	61.33	81.45	76.88
योग जनपद	**482**	**423**	**417**	**448**	442.77

कृषि और कृषि संबद्ध कार्यों पर व्यय प्रतिशत का विकासखण्डवार एवं वर्षवार विवरण वार्षिक वृद्धिदर				
वर्ष / विकासखण्ड	2021–22 में वार्षिक वृद्धिदर	2020–21 में वार्षिक वृद्धिदर	2019–20 में वार्षिक वृद्धिदर	विगत तीन वर्षों के मध्य काम करने वाले कुल श्रमिकों की औसत वार्षिक वृद्धिदर
बहादराबाद	28	-1	-2	**8.8**
भगवानपुर	11	0	-2	**3.1**
खानपुर	24	-18	6	**3.9**
लक्सर	-11	-15	18	**-2.6**
नारसन	8	18	-31	**-1.7**
रूड़की	-1	22	-20	**0.1**
जनपद	59	6	-31	**11.2**

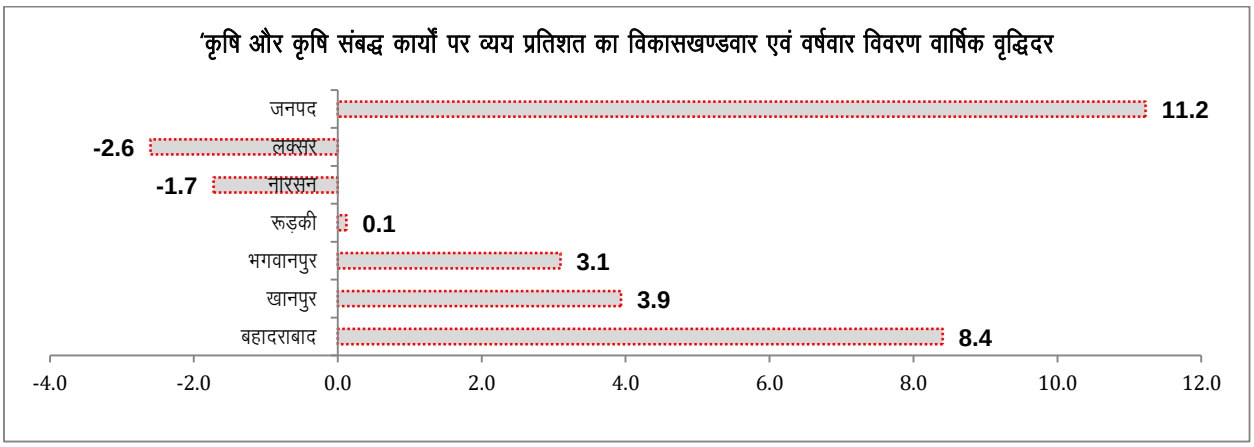

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (NRLM) :–जनपद की कुल 317 ग्राम पंचायतों में से 293 ग्राम पंचायतों में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत कुल 4261 स्वयं सहायता समूहों का गठन करते हुए 43873 परिवारों को आच्छादित किया गया है। जनपद में कुल 13 समूह ऐसे हैं जिनमें 5 से कम सदस्य सम्मिलित हैं। जनपद के अन्तर्गत विकासखण्ड रूड़की में सबसे अधिक 10 ग्राम पंचायत NRLM से वंचित है। विभाग को वंचित ग्राम पंचायतों की ओर विशेष ध्यान केन्द्रित करना चाहिए।राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत जनपद एवं विकासखण्डों में तैनात कर्मचारियों से वार्तालाप में ज्ञात हुआ कि जनपद में कुल स्वयं सहायता समूहों में से 50% स्वयं सहायता समूह कृषि संबंधी कार्यों तथा 50% स्वयं सहायता समूह अन्य आजीविका के संसाधनों से जुडे हुए हैं।

आंकड़ों के अध्ययन से यह भी ज्ञात होता है कि जनपद में विकासखण्ड नारसन और रूड़की द्वारा अन्य विकासखण्डों की अपेक्षा संतोषप्रद कार्य नहीं किया गया है क्योंकि विकासखण्डों में भगवानपुर विकासखण्ड के सापेक्ष अधिक ग्राम पंचायतें सम्मिलित हैं। विभाग को उल्लिखित विकासखण्डों में अभियान के रूप में कार्य करने की आवश्यकता है। आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका में प्रदर्शित किया गया है–

जनपद में स्वयं सहायता समूहों का विकासखण्डवार विवरण								
विकासखण्ड	कुल ग्राम पंचायत	NRLM से आच्छादित ग्राम पंचायत	NRLM से वंचित ग्राम पंचायत	NRLM समूह	Pre NRLM समूह	कुल SHGs	NRLM से आच्छादित कुल परिवार	5 से कम सदस्यों वाले SHGs
बहादराबाद	69	65	4	727	195	922	9640	1
भगवानपुर	57	53	4	871	234	1105	11879	0
खानपुर	23	23	0	413	0	413	3783	5
लक्सर	49	48	1	475	103	578	6130	1
नारसन	60	55	5	519	81	600	5806	0
रूड़की	59	49	10	612	31	643	6635	6
योग	317	293	24	3617	644	4261	43873	13

जनपद में NRLM के तहत कुल 4261 स्वयं सहायता समूह गठित किये गये हैं, किन्तु सभी विकासखण्डों में वर्तमान समय में भी 66 स्वयं सहायता समूह बैंक से लिंक नहीं हुए हैं अर्थात इन स्वयं सहायता समूह निष्क्रीय होने के संकेत कर रहे हैं या समूह खाता खुलवाने की प्रक्रिया कर रहे है। विभाग द्वारा स्वयं सहायता समूह को बैंक से लिंक करने की कार्यवाही शीघ्र अमल में लानी चाहिए क्योंकि सभी विकासखण्डों में समूहों की सहायता हेतु कर्मचारी तैनात किये गये हैं। विकासखण्ड लक्सर एवं नारसन में क्रमशः 35 व 17 सबसे अधिक स्वयं सहायता समूह बैंक से लिंक नहीं है। जनपद में अनु0 जा0 और सामान्य वर्ग के स्वयं सहायता समूहअधिक गठित हुए हैं। आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका में प्रदर्शित किया गया है–

जनपद में स्वयं सहायता समूहों का विकासखण्डवार विवरण							
विकासखण्ड	कुल SHGs जिनका बैंक खाता नहीं है	कुल SHGs जिनका बैंक खाता है	समूहों की सहायता हेतु तैनात कर्मचारी	कुल SHGs SC	कुल SHGs **ST**	कुल SHGs **Minority**	कुल SHGs **Other**
बहादराबाद	1	921	6	274	11	139	498
भगवानपुर	6	1099	7	557	0	165	383
खानपुर	6	407	3	113	0	19	281
लक्सर	35	543	4	261	0	87	230
नारसन	17	583	4	409	0	50	141
रूड़की	1	642	5	387	0	105	151
योग	66	4195	29	2001	11	565	1684

जनपद में गठित 4261स्वयं सहायता समूह के 43,873 परिवारों की गरीब महिलाओं को अतिरिक्त आय से जोड़ने के लिए कुल 349 ग्राम संगठन (VO=Village Organization) एवं 118 कलस्टर स्तरीय सगंठन (CLF=Cluster level Federation) गठित कर 3435स्वयं सहायता समूह को RF तथा 2403स्वयं सहायता समूह को CIF से लाभान्वित किया गया जिसके लिए विभाग द्वारा क्रमशः रूपये 456.00 लाख की धनराशि RF (Revolving Funds) मद में एवं रूपये 1517.10 लाख की धनराशि CIF(Community Investment Funds) मद में व्यय कियेगये हैं। जनपद में 826 स्वयं सहायता समूहRFएवं 1858स्वयं सहायता समूहCIF के लिए अवशेष हैं। आंकड़ों के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि विकासखण्ड लक्सर एवं रूडकी में विभाग को सघन अभियान के रूप में कार्य करने की आवश्यकता हैं। आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका में दर्शाया गया है–

SHGs VO, CLF गठन तथा **RF, CIF** वितरण का विकासखण्डवार विवरण								
विकासखण्ड	कुल SHGs	NRLM से आच्छादित कुल परिवार	ग्राम संगठन	कलस्टर स्तरीय संगठन	परिक्रामी निधि प्राप्त SHGs	सामुदायिक निवेश निधि प्राप्त SHGs	वितरित परिक्रामी निधि	वितरित सामुदायिक निवेश कोष
बहादराबाद	922	9640	73	21	782	487	110.70	229.10
भगवानपुर	1105	11879	78	25	882	644	116.20	367.30
खानपुर	413	3783	38	24	289	250	36.35	118.10
लक्सर	578	6130	58	15	477	323	61.00	201.70
नारसन	600	5806	51	18	508	371	70.80	402.20
रूड़की	643	6635	51	15	497	328	60.95	198.70
योग	4261	43873	349	118	3435	2403	456.00	1517.10

उद्यान

विभाग द्वारा विगत पांच वर्षों के दौरान जिला योजना, राज्य सेक्टर तथा बागवानी मिशन के अन्तर्गत कई कार्यक्रम उद्यमियों की आय को मजबूत करने के लिए संचालित किये जा राहे हैं।योजनाओं का वर्षवार एवं विकासखण्डवार विवरण निम्नवत है :–

जिला योजना

जनपद में उद्यान विभाग द्वारा जिला योजनान्तर्गत विगत पाँच वर्षों में फलपौध वितरण, औद्योगिक संयन्त्र वितरण तथा कीटरसायन वितरण किया गया। आंकड़ों में सबसे कम योगदान विकासखण्ड खानुपर एवं लक्सर द्वारा दिया गया है। विभाग द्वारा क्षेत्रफल में छोटे इन विकासखण्ड को मॉडल रूप में विकसित करने की कार्ययोजना तैयार करने की आवश्यकता है।

फलपौध वितरण :– जनपदान्तर्गत विगत पाँच वर्षों के लिए विभाग से प्राप्त फल पौध के आंकड़ों से ज्ञात होता है कि 395 है0 क्षेत्रफल हेतु कुल रूपये 73.00 लाख की धनराशि का परिव्यय करते हुए फल पौध वितरण किया गया। संबंधित आंकड़ों में सबसे कम योगदान विकासखण्ड खानपुर एवं लक्सर द्वारा दिया गया।

वर्ष 2017–18 से 2021–22 तक उद्यान खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा जिला योजनान्तर्गत फलपौघ वितरण हेतु वित्तीय एवं भौतिक प्रगति का वर्षवार विवरण				
वर्ष	वर्षवार वित्तीय /भौतिक प्रगति		पूर्ववर्ती वर्ष के बाद से बदलाव	
	भौतिक (है0)	वित्तीय (लाख में)	भौतिक बदलाव प्रतिशत	वित्तीय बदलाव प्रतिशत
2017–18	80	4.00	NA	NA
2018–19	90	18.00	12.5%	350.0%
2019–20	105	21.00	16.7%	16.7%
2020–21	50	15.00	-52.4%	-28.6%
2021–22	70	15.00	40.0%	0.0%
कुल वर्षीय प्रभाव	**395**	**73.00**	**16.8%**	**338.1%**

वर्ष 2017–18 से वर्ष 2020–21 के दौरान जिला योजनान्तर्गत पौध वितरण का विकासखण्डवार भौतिक एवं वित्तीय विवरण (धनराशि लाख में)			
विकासखण्ड	भौतिक	वित्तीय	भौतिक प्रतिशत
बहादराबाद	89	16.55	22.53%
भगवानपुर	85	15.00	21.52%
रूड़की	69	12.50	17.47%
नारसन	60	12.20	15.19%
लक्सर	53	9.65	13.42%
खानपुर	39	7.10	9.87%

योग	**395**	**73.00**	**100%**

औद्योगिक संयन्त्र वितरण :– जनपदान्तर्गत औद्योगिक संयन्त्र हेतु विगत पाँच वर्षों के लिए विभाग द्वारा कुल रूपये 68.95 लाख की धनराशि का परिव्यय करते हुए 343 औद्योगिक संयन्त्र वितरित किये गये। संबंधित आंकड़ों में सबसे कम योगदान विकासखण्ड खानपुर एवं लक्सर द्वारा दिया गया–

वर्ष 2017–18 से 2021–22 तक उद्यान खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा जिला योजनान्तर्गत औद्यानिक संयन्त्र वितरण हेतु वित्तीय एवं भौतिक प्रगति का वर्षवार विवरण				
वर्ष	वर्षवार वित्तीय /भौतिक प्रगति		पूर्ववर्ती वर्ष के बाद से बदलाव	
	भौतिक (सं0)	वित्तीय (लाख में)	भौतिक बदलाव प्रतिशत	वित्तीय बदलाव प्रतिशत
2017–18	250	2.00	NA	NA
2020–21	30	22.50	-88.0%	1025.0%
2021–22	63	44.5	110.0%	97.6%
कुल वर्षीय प्रभाव	343	68.95	22%	1123%

वर्ष 2017–18, वर्ष 2020–21 तथा वर्ष 2021–22 के दौरान जिला योजनान्तर्गत औद्योगिक संयन्त्र वितरण का विकासखण्डवार भौतिक एवं वित्तीय विवरण (धनराशि लाख में)			
विकासखण्ड	भौतिक	वित्तीय	भौतिक प्रतिशत
भगवानपुर	88	28.90	25.66%
रूड़की	66	11.90	19.24%
बहादराबाद	58	6.40	16.91%
नारसन	53	11.48	15.45%
लक्सर	42	5.53	12.24%
खानपुर	36	4.74	10.50%
योग	343	68.95	100%

कीटरसायन वितरण :– जनपदान्तर्गत कीटरसायन हेतु विभाग द्वारा कुल रूपये 59.00 लाख की धनराशि का परिव्यय किया गया जिसके माध्यम से विभाग द्वारा किसानों द्वारा 1180 है0 क्षेत्रफल पर कीटरसायन का उपयोग किया गया। संबंधित आंकड़ों में सबसे कम योगदान विकासखण्ड खानपुर एवं लक्सर द्वारा दिया गया–

वर्ष 2017–18 से 2021–22 तक उद्यान खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा जिला योजनान्तर्गत कीटरसायन वितरण हेतु वित्तीय एवं भौतिक प्रगति का वर्षवार विवरण				
वर्ष	वर्षवार वित्तीय /भौतिक प्रगति		पूर्ववर्ती वर्ष के बाद से बदलाव	
	भौतिक (है0)	वित्तीय (लाख में)	भौतिक बदलाव प्रतिशत	वित्तीय बदलाव प्रतिशत
2017–18	200	10.00	NA	NA
2018–19	180	9.00	-10.0%	-10.0%
2019–20	160	8.00	-11.1%	-11.1%
2020–21	320	16.00	100.0%	100.0%
2021–22	320	16.00	0.0%	0.0%
कुल वर्षीय प्रभाव	1180	59.00	79%	79%

वर्ष 2017–18, वर्ष 2020–21 तथा वर्ष 2021–22 के दौरान जिला योजनान्तर्गत कीटरसायन वितरण का विकासखण्डवार भौतिक एवं वित्तीय विवरण (धनराशि लाख में)			
विकासखण्ड	भौतिक	वित्तीय	भौतिक प्रतिशत
बहादराबाद	275	13.75	23.31%
भगवानपुर	245	12.25	20.76%
रूड़की	230	11.50	19.49%
नारसन	190	9.50	16.10%
लक्सर	135	6.75	11.44%
खानपुर	105	5.25	8.90%
योग	1180	59.00	100%

राज्य सेक्टर

राज्य सेक्टर के अन्तर्गत विभाग द्वारा विगत पांच वर्षों के दौरान जनपद में निशुल्क पौध वितरण, बेमौसमी सब्जी बीज वितरण एवं वर्मी कम्पोस्ट स्थापना के कार्य करवाये गये। राज्य सेक्टर में विकासखण्ड लक्सर, खानपुर एवं नारसन में विभाग को ध्यान देने की आवश्यकता है।

निशुल्क पौध वितरण :–राज्य सेक्टर के अन्तर्गत विभाग द्वारा विगत पांच सालों में जनपद में 65732 है0 हेतु निशुल्क पौध वितरण किया गया जिसके लिए विभाग द्वारा इन पांच वर्षों के दौरान कुल रूपये 20.13 लाख की धनराशि का परिव्यय किया गया। भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्यों में विकासखण्ड खानपुर एवं लक्सर पीछे हैं–

वर्ष 2017–18 से 2021–22 तक उद्यान खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा राज्य सेक्टर के अन्तर्गत निःशुल्क फलपौध वितरण हेतु वित्तीय एवं भौतिक प्रगति का वर्षवार विवरण				
वर्ष	वर्षवार वित्तीय /भौतिक प्रगति		पूर्ववर्ती वर्ष के बाद से बदलाव	
	भौतिक (है0)	वित्तीय (लाख में)	भौतिक बदलाव प्रतिशत	वित्तीय बदलाव प्रतिशत
2017–18	6500	1.67	NA	NA
2018–19	4282	1.67	-34.1%	0.0%
2019–20	5000	1.50	16.8%	-10.2%
2020–21	15900	2.04	218.0%	36.0%
2021–22	34050	13.3	114.2%	549.5%
कुल वर्षीय प्रभाव	65732	20.13	315%	575%

वर्ष 2017–18, वर्ष 2020–21 तथा वर्ष 2021–22 के दौरान राज्य सेक्टर योजनान्तर्गत निःशुल्क फल पौध वितरण का विकासखण्डवार भौतिक एवं वित्तीय विवरण (धनराशि लाख में)			
विकासखण्ड	**भौतिक**	**वित्तीय**	**भौतिक प्रतिशत**
बहादराबाद	28625	13.27	43.55%
भगवानपुर	18282	2.21	27.81%
रूड़की	6950	1.95	10.57%
नारसन	4900	0.93	7.45%
लक्सर	4075	1.19	6.20%
खानपुर	2900	0.58	4.41%
योग	65732	20.13	100%

बेमौसमी सब्जी बीज वितरण :– विगत पांच सालों में विभाग द्वारा राज्य सेक्टर के अन्तर्गत जनपद में 49.8 है0 हेतु बैमोसमी सब्जी बीज वितरण किया गया जिसके लिए विभाग द्वारा इन पांच वर्षों के दौरान कुल रूपये 18.55 लाख की धनराशि का परिव्यय किया गया। भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्यों में विकासखण्ड खानपुर एवं नारसन पीछे हैं–

वर्ष 2017–18 से 2021–22 तक उद्यान खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा राज्य सेक्टर के अन्तर्गत बैमोसमी सब्जी बीज वितरण हेतु वित्तीय एवं भौतिक प्रगति का वर्षवार विवरण		
वर्ष	वर्षवार वित्तीय /भौतिक प्रगति	पूर्ववर्ती वर्ष के बाद से बदलाव

	भौतिक (है0)	वित्तीय (लाख में)	भौतिक बदलाव प्रतिशत	वित्तीय बदलाव प्रतिशत
2017–18	4.8	1.80	NA	NA
2018–19	16	6.00	233.3%	233.3%
2019–20	11	4.00	-31.3%	-33.3%
2020–21	16	6.00	45.5%	50.0%
2021–22	2	0.75	-87.5%	-87.6%
कुल वर्षीय प्रभाव	49.8	18.55	160%	162%

वर्ष 2017–18, वर्ष 2020–21 तथा वर्ष 2021–22 के दौरान राज्य सेक्टर योजनान्तर्गत बैमोसमी सब्जी बीज वितरण का विकासखण्डवार भौतिक एवं वित्तीय विवरण (धनराशि लाख में)			
विकासखण्ड	भौतिक	वित्तीय	भौतिक प्रतिशत
बहादराबाद	11.4	4.25	22.89%
भगवानपुर	11.4	4.24	22.89%
रूड़की	9.4	3.52	18.88%
लक्सर	6.3	2.35	12.65%
नारसन	5.75	2.13	11.55%
खानपुर	5.55	2.07	11.14%
योग	49.8	18.55	100%

वर्मी कम्पोस्ट स्थापना :– जनपदान्तर्गत कीटरसायन हेतु विभाग द्वारा कुल रूपये 18.00 लाख की धनराशि का परिव्यय किया गया जिसके माध्यम से विभाग द्वारा 72 वर्मी कम्पोस्ट इकाइयाँ स्थापित किये गये। संबंधित आंकड़ों में सबसे कम योगदान विकासखण्ड नारसन एवं लक्सर द्वारा दिया गया–

वर्ष 2017–18 से 2021–22 तक उद्यान खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा राज्य सेक्टर के अन्तर्गत वर्मी कम्पोस्ट इकाईयों की स्थापना हेतु वित्तीय एवं भौतिक प्रगति का वर्षवार विवरण				
वर्ष	वर्षवार वित्तीय /भौतिक प्रगति		पूर्ववर्ती वर्ष के बाद से बदलाव	
	भौतिक (सं0)	वित्तीय (लाख में)	भौतिक बदलाव प्रतिशत	वित्तीय बदलाव प्रतिशत
2017–18	10	2.50	NA	NA
2018–19	8	2.00	-20.0%	-20.0%
2019–20	20	5.00	150.0%	150.0%
2020–21	20	5.00	0.0%	0.0%

2021–22	14	3.5	-30.0%	-30.0%
कुल वर्षीय प्रभाव	72	18	100%	100%

वर्ष 2017–18, वर्ष 2020–21 तथा वर्ष 2021–22 के दौरान राज्य सेक्टर योजनान्तर्गत वर्मी कम्पोस्ट इाकईयों की स्थापना का विकासखण्डवार भौतिक एवं वित्तीय विवरण (धनराशि लाख में)			
विकासखण्ड	भौतिक	वित्तीय	भौतिक प्रतिशत
बहादराबाद	20	5.00	27.78%
रूड़की	15	3.75	20.83%
भगवानपुर	15	3.75	20.83%
खानपुर	8	2.00	11.11%
लक्सर	7	1.75	9.72%
नारसन	7	1.75	9.72%
योग	72	18.00	100%

बागवानी मिशन

विभाग द्वारा बागवानी मिशन के अन्तर्गत फल, सब्जी, मसाला, पुष्प क्षेत्र विस्तार के साथ पॉलीहाउस निर्माण, ट्यूबवेल स्थापना तथा मशीन एवं मल्चिंग सीट वितरण आदि कार्य सम्पादित करवाये जाते हैं, उल्लिखित योजनाओं में भी विकासखण्ड खानपुर, नारसन और लक्सर के आंकड़ें अन्य विकासखण्डों के अपेक्षा न्यूनतम हैं। विवरण निम्नवत है :–

फल क्षेत्रफल विस्तार :–विभाग द्वारा जनपदान्तर्गत फल क्षेत्रफल के विस्तार हेतु कुल रूपये 110.54 लाख की धनराशि का परिव्यय किया गया जिसके माध्यम से विभाग द्वारा 747 है0 क्षेत्रफल को आच्छादित किया गया। संबंधित आंकड़ों में सबसे कम योगदान विकासखण्ड खानपुर एवं नारसन द्वारा दिया गया।

वर्ष 2017–18 से 2021–22 तक उद्यान खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा बागवानी मिशन के अन्तर्गत फल क्षेत्रफल विस्तार हेतु वित्तीय एवं भौतिक प्रगति का वर्षवार विवरण				
वर्ष	वर्षवार वित्तीय /भौतिक प्रगति		पूर्ववर्ती वर्ष के बाद से बदलाव	
	भौतिक (है0)	वित्तीय (लाख में)	भौतिक बदलाव प्रतिशत	वित्तीय बदलाव प्रतिशत
2017–18	78	14.64	NA	NA
2018–19	114	24.95	46.2%	70.4%
2019–20	100	19.20	-12.3%	-23.0%
2020–21	109	20.60	9.0%	7.3%

2021–22	73	31.15	-33.0%	51.2%
कुल वर्षीय प्रभाव	474	110.54	10%	106%

वर्ष 2017–18, वर्ष 2020–21 तथा वर्ष 2021–22 के दौरान बागवानी मिशन योजनान्तर्गत फल क्षेत्रफल विस्तार का विकासखण्डवार भौतिक एवं वित्तीय विवरण (धनराशि लाख में)			
विकासखण्ड	भौतिक	वित्तीय	भौतिक प्रतिशत
बहादराबाद	104	22.68	21.94%
भगवानपुर	94	20.58	19.83%
रूड़की	87	16.92	18.35%
लक्सर	73	14.30	15.40%
नारसन	66	26.25	13.92%
खानपुर	50	9.81	10.55%
योग	474	110.54	100%

सब्जी क्षेत्रफल विस्तार :– जनपदान्तर्गत सब्जी क्षेत्रफल विस्तार करने के उद्देश्य सेविभाग द्वारा कुल रूपये 173.25 लाख की धनराशि का परिव्यय किया गया,जिसके माध्यम से विभाग द्वारा 706 है0 क्षेत्रफल को आच्छादित किया गया। संबंधित आंकड़ों में सबसे कम योगदान विकासखण्ड खानपुर एवं नारसन द्वारा दिया गया।

वर्ष 2017–18 से 2021–22 तक उद्यान खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा बागवानी मिशन के अन्तर्गत सब्जी क्षेत्रफल विस्तार हेतु वित्तीय एवं भौतिक प्रगति का वर्षवार विवरण				
वर्ष	वर्षवार वित्तीय /भौतिक प्रगति		पूर्ववर्ती वर्ष के बाद से बदलाव	
	भौतिक (है0)	वित्तीय (लाख में)	भौतिक बदलाव प्रतिशत	वित्तीय बदलाव प्रतिशत
2017–18	68	17.00	NA	NA
2018–19	95	23.75	39.7%	39.7%
2019–20	143	35.75	50.5%	50.5%
2020–21	230	57.5	60.8%	60.8%
2021–22	170	39.25	-26.1%	-31.7%
कुल वर्षीय प्रभाव	706	173.25	125%	119%

वर्ष 2017–18, वर्ष 2020–21 तथा वर्ष 2021–22 के दौरान बागवानी मिशन योजनान्तर्गत सब्जी क्षेत्रफल विस्तार का विकासखण्डवार भौतिक एवं वित्तीय विवरण (धनराशि लाख में)			
विकासखण्ड	भौतिक	वित्तीय	भौतिक प्रतिशत

बहादराबाद	147	36.75	20.82%
रूड़की	126	30.23	17.85%
भगवानपुर	147	36.75	20.82%
लक्सर	102	25.01	14.45%
खानपुर	85	20.25	12.04%
नारसन	99	24.26	14.02%
योग	706	173.25	100%

मसाला क्षेत्रफल विस्तार :– जनपदान्तर्गत मसाला क्षेत्रफल विस्तार करने के उद्देश्य सेविभाग द्वारा कुल रूपये 35.24 लाख की धनराशि का परिव्यय किया गया, जिसके माध्यम से विभाग द्वारा 235 है0 क्षेत्रफल को आच्छादित किया गया। संबंधित आंकड़ों में सबसे कम योगदान विकासखण्ड खानपुर एवं नारसन द्वारा दिया गया।

वर्ष 2017–18 से 2021–22 तक उद्यान खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा बागवानी मिशन के अन्तर्गत मसाला क्षेत्रफल विस्तार हेतु वित्तीय एवं भौतिक प्रगति का वर्षवार विवरण				
वर्ष	वर्षवार वित्तीय /भौतिक प्रगति		पूर्ववर्ती वर्ष के बाद से बदलाव	
	भौतिक (है0)	वित्तीय (लाख में)	भौतिक बदलाव प्रतिशत	वित्तीय बदलाव प्रतिशत
2017–18	50	7.5	NA	NA
2018–19	55	8.24	10.0%	9.9%
2019–20	35	5.25	-36.4%	-36.3%
2020–21	55	8.25	57.1%	57.1%
2021–22	40	6.00	-27.3%	-27.3%
कुल वर्षीय प्रभाव	235	35.24	4%	3%

वर्ष 2017–18, वर्ष 2020–21 तथा वर्ष 2021–22 के दौरान बागवानी मिशन योजनान्तर्गत मसाला क्षेत्रफल विस्तार का विकासखण्डवार भौतिक एवं वित्तीय विवरण (धनराशि लाख में)			
विकासखण्ड	भौतिक	वित्तीय	भौतिक प्रतिशत
रूड़की	58	8.70	24.68%
बहादराबाद	53	7.95	22.55%
भगवानपुर	47	7.05	20.00%
लक्सर	29	4.35	12.34%

खानपुर	25	3.75	10.64%
नारसन	23	3.44	9.79%
योग	235	35.24	100%

पुष्प क्षेत्रफल विस्तार :– जनपदान्तर्गत पुष्प क्षेत्रफल विस्तार करने के उद्देश्य से विभाग द्वारा कुल रूपये 50.20 लाख की धनराशि का परिव्यय किया गया, जिसके माध्यम से विभाग द्वारा 130 है0 क्षेत्रफल को आच्छादित किया गया। संबंधित आंकड़ों में सबसे कम योगदान विकासखण्ड खानपुर एवं नारसन द्वारा दिया गया।

वर्ष 2017–18 से 2021–22 तक उद्यान खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा बागवानी मिशन के अन्तर्गत पुष्प क्षेत्रफल विस्तार हेतु वित्तीय एवं भौतिक प्रगति का वर्षवार विवरण				
वर्ष	वर्षवार वित्तीय /भौतिक प्रगति		पूर्ववर्ती वर्ष के बाद से बदलाव	
	भौतिक (है0)	वित्तीय (लाख में)	भौतिक बदलाव प्रतिशत	वित्तीय बदलाव प्रतिशत
2017–18	27	13.7	NA	NA
2018–19	29	13.75	7.4%	0.4%
2018–19	29	13.75	0.0%	0.0%
2020–21	25	5.00	-13.8%	-63.6%
2021–22	20	4.00	-20.0%	-20.0%
कुल वर्षीय प्रभाव	130	50.2	-26%	-83%

वर्ष 2017–18, वर्ष 2020–21 तथा वर्ष 2021–22 के दौरान बागवानी मिशन योजनान्तर्गत पुश्प क्षेत्रफल विस्तार का विकासखण्डवार भौतिक एवं वित्तीय विवरण (धनराशि लाख में)			
विकासखण्ड	भौतिक	वित्तीय	भौतिक प्रतिशत
भगवानपुर	31	12.49	23.85%
बहादराबाद	30	11.99	23.08%
रूड़की	30	11.99	23.08%
लक्सर	21	8.49	16.15%
नारसन	13	4.24	10.00%
खानपुर	5	1.00	3.85%
योग	130	50.2	100%

पॉलीहाउस निर्माण :–विभाग द्वारा जनपदान्तर्गत कुल 64500 वर्ग मी0 क्षेत्रफल पर विगत पांच वर्षों के मध्य पॉलीहाउस स्थापित किये गये हैं, जिसके लिए विभाग द्वारा कुल रूपये 384.84 लाख की धनराशि का परिव्यय किया गया। संबंधित आंकड़ों में सबसे कम योगदान विकासखण्ड खानपुर एवं लक्सर द्वारा दिया गया।

वर्ष 2017–18 से 2021–22 तक उद्यान खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा बागवानी मिशन के अन्तर्गत पॉलीहाउस निर्माण हेतु वित्तीय एवं भौतिक प्रगति का वर्षवार विवरण				
वर्ष	वर्षवार वित्तीय /भौतिक प्रगति		पूर्ववर्ती वर्ष के बाद से बदलाव	
	भौतिक (वर्ग मी0)	वित्तीय (लाख में)	भौतिक बदलाव प्रतिशत	वित्तीय बदलाव प्रतिशत
2017–18	11000	51.78	NA	NA
2018–19	7000	72.45	-36.4%	39.9%
2019–20	16000	88.32	128.6%	21.9%
2020–21	22000	120.49	37.5%	36.4%
2021–22	8500	51.8	-61.4%	-57.0%
कुल वर्षीय प्रभाव	64500	384.84	68%	41%

वर्ष 2017–18, वर्ष 2020–21 तथा वर्ष 2021–22 के दौरान बागवानी मिशन योजनान्तर्गत पॉलीहाउस निर्माण का विकासखण्डवार भौतिक एवं वित्तीय विवरण (धनराशि लाख में)			
विकासखण्ड	भौतिक	वित्तीय	भौतिक प्रतिशत
भगवानपुर	32000	186.68	49.61%
बहादराबाद	11500	73.53	17.83%
रूड़की	7000	41.77	10.85%
नारसन	6500	39.44	10.08%
लक्सर	4500	28.05	6.98%
खानपुर	3000	15.37	4.65%
योग	64500	384.84	100%

मशीनीकरण/यंत्रीकरण :– विभाग द्वारा जनपदान्तर्गत विगत पांच वर्षों के मध्य मशीनीकरण वितरण में विभाग द्वारा कुल रूपये 131.00 लाख की धनराशि का परिव्यय करते हुए 184 यंत्रों का वितरण किया गया। संबंधित आंकड़ों में सबसे कम योगदान विकासखण्ड नारसन एवं खानपुर द्वारा दिया गया।

वर्ष 2017–18 से 2021–22 तक उद्यान खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा बागवानी मिशन के अन्तर्गत मशीनीकरण/यंत्रीकरण वितरण हेतु वित्तीय एवं भौतिक प्रगति का वर्षवार विवरण				
वर्ष	वर्षवार वित्तीय /भौतिक प्रगति		पूर्ववर्ती वर्ष के बाद से बदलाव	
	भौतिक (सं0)	वित्तीय (लाख में)	भौतिक बदलाव प्रतिशत	वित्तीय बदलाव प्रतिशत
2017–18	21	15.75	NA	NA
2018–19	67	44.00	219.0%	179.4%
2019–20	31	20.00	-53.7%	-54.5%
2020–21	44	32.25	41.9%	61.3%
2021–22	21	19.00	-52.3%	-41.1%
कुल वर्षीय प्रभाव	184	131.00	155%	145%

वर्ष 2017–18, वर्ष 2020–21 तथा वर्ष 2021–22 के दौरान बागवानी मिशन योजनान्तर्गत मशीनीकरण/यंत्रीकरण वितरण का विकासखण्डवार भौतिक एवं वित्तीय विवरण (धनराशि लाख में)			
विकासखण्ड	भौतिक	वित्तीय	भौतिक प्रतिशत
बहादराबाद	36	26.02	19.57%
रूड़की	31	22.19	16.85%
भगवानपुर	43	30.76	23.37%
लक्सर	29	20.05	15.76%
खानपुर	18	12.84	9.78%
नारसन	27	19.14	14.67%
योग	184	131.00	100%

ट्यूबवेल स्थापना :– विभाग द्वारा जनपदान्तर्गत विगत पांच वर्षों के मध्य ट्यूबवेल स्थापना हेतु विभाग द्वारा कुल रूपये 95.85 लाख की धनराशि का परिव्यय किया गया, जिसके माध्यम से विभाग द्वारा 117 ट्यूबवेल की स्थापित किये गये। संबंधित आंकड़ों में सबसे कम योगदान विकासखण्ड खानपुर एवं लक्सर द्वारा दिया गया।

वर्ष 2017–18 से 2021–22 तक उद्यान खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा बागवानी मिशन के अन्तर्गत ट्यूवेल स्थापना हेतु वित्तीय एवं भौतिक प्रगति का वर्षवार विवरण				
वर्ष	वर्षवार वित्तीय /भौतिक प्रगति		पूर्ववर्ती वर्ष के बाद से बदलाव	
	भौतिक (सं0)	वित्तीय (लाख में)	भौतिक बदलाव प्रतिशत	वित्तीय बदलाव प्रतिशत
2017–18	15	11.25	NA	NA

2018–19	30	22.50	100.0%	100.0%
2019–20	15	13.5	-50.0%	-40.0%
2020–21	40	36	166.7%	166.7%
2021–22	17	12.6	-57.5%	-65.0%
कुल वर्षीय प्रभाव	117	95.85	159%	162%

वर्ष 2017–18, वर्ष 2020–21 तथा वर्ष 2021–22 के दौरान बागवानी मिशन योजनान्तर्गत ट्यूवेल स्थापना का विकासखण्डवार भौतिक एवं वित्तीय विवरण (धनराशि लाख में)			
विकासखण्ड	भौतिक	वित्तीय	भौतिक प्रतिशत
भगवानपुर	27	21.9	23.08%
नारसन	25	20.4	21.37%
बहादराबाद	22	18.3	18.80%
रूड़की	20	16.35	17.09%
लक्सर	16	13.05	13.68%
खानपुर	7	5.85	5.98%
योग	117	95.85	100%

मल्चिंग सीट वितरण :– विभाग द्वारा जनपदान्तर्गत विगत पांच वर्षों के मध्य मल्चिंग सीट वितरण के लिए विभाग द्वारा कुल रूपये 40.28 लाख की धनराशि का परिव्यय किया गया, जिसके माध्यम से विभाग द्वारा 230है0 क्षेत्रफल पर मल्चिंग सीट से आच्छादन किया गया। संबंधित आंकड़ों में सबसे कम योगदान विकासखण्ड नारसन एंव खानपुर द्वारा दिया गया।

वर्ष 2017–18 से 2021–22 तक उद्यान खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा बागवानी मिशन के अन्तर्गत मल्चिंग सीट वितरण हेतु वित्तीय एवं भौतिक प्रगति का वर्षवार विवरण				
वर्ष	वर्षवार वित्तीय /भौतिक प्रगति		पूर्ववर्ती वर्ष के बाद से बदलाव	
	भौतिक (है0)	वित्तीय (लाख में)	भौतिक बदलाव प्रतिशत	वित्तीय बदलाव प्रतिशत
2017–18	35	5.60	NA	NA
2018–19	50	8.00	42.9%	42.9%
2019–20	45	8.28	-10.0%	3.5%
2021–22	100	18.4	122.2%	122.2%
कुल वर्षीय प्रभाव	230	40.28	155%	169%

वर्ष 2017–18, वर्ष 2020–21 तथा वर्ष 2021–22 के दौरान बागवानी मिशन योजनान्तर्गत मल्चिंग सीट वितरण का विकासखण्डवार भौतिक एवं वित्तीय विवरण (धनराशि लाख में)			
विकासखण्ड	भौतिक	वित्तीय	भौतिक प्रतिशत
बहादराबाद	47	8.21	20.38%
भगवानपुर	43	7.53	18.69%
रूड़की	43	7.52	18.67%
लक्सर	39	6.79	16.86%
नारसन	31	5.48	13.60%
खानपुर	27	4.75	11.79%
योग	230	40.28	100%

पशुपालन

पशुपालन विभाग द्वारा पशुसेवा के साथ पशुपालकों की आजीविका में आय संबर्द्धन के लिए कई रोजगार परक योजनाओं का संचालन किया जा रहा है जिनके आंकड़ों का विवरण निम्नवत उल्लिखित किया जा रहा है–

कुक्कुटपालन :–विभाग द्वारा कुक्कुटपालन हेतु उपलब्ध करवाये गये आंकड़ों के अध्ययन से ज्ञात होता है कि जनपद में हर वर्ष 400 कुक्कुट इकाई स्थापित करने का लक्ष्य प्राप्त हुआ जिससे जनपद में विगत चार सालों में कुल 1600 कुक्कुट पालन की इकाईयां स्थापित हो चुकी है जिनके लिए विभाग द्वारा कुल 4,18,146 चूजे पशुपालकों को उपलब्ध करवाये गये। विभाग द्वारा विगत चार वर्षों के मध्य औसतन प्रति पशुपालक पर लगभग रूपये 2100 का परिव्यय करते हुए लगभग 260 चूजे उपलब्ध करवाये जाने का आंकड़ा प्राप्त होता है। आयोग के सर्वेक्षण में स्पष्ट हुआ कि जनपद में विगत चार वर्षों के मध्य स्थापित कुक्कुटपालन की इकाईयों में से लगभग 15 से 20% ही कार्यरत है। अर्थात सामुहिक कुक्कुटपालन एवं अनुश्रवण किया जाना अपेक्षित होगा। आंकडों का विवरण निम्नवत तालिका में प्रदर्शित किया गया है–

जिला योजनान्तर्गत एस0सी0पी0 के तहत अनुसूचित जाति के लाभार्थ रोजगार पर योजना (कुक्कुटपालन)					
क्र0स0	वर्ष	व्यय धनराशि	इकाई	उपलब्ध करवाये गये चूजे	चूजे वितरण का औसत प्रतिशत
1	2018-19	8.40	400	111002	27%
2	2019-20	8.40	400	117468	28%
3	2020-21	8.40	400	81700	20%
4	2021-22	8.40	400	107976	26%
योग		**33.60**	**1600**	**418146**	**100%**
प्रति इकाई औसत व्यय एवं उपलब्ध चूजे		0.021	1	260	NA

गौपालन :– विभाग द्वारा पशु चिकित्सा के साथ–साथ उन्नत नस्ल के गाय उपलब्ध करवाये जाने के उद्देश्य से गौपालन योजना भी संचालित की जाती है जिसके लिए विभाग द्वारा विगत चार वर्षों के दौरान रूपये 45.72 लाख की धनराशि का परिव्यय करते हुए 99 पशुपालकों को उन्नत प्रजाति की गाय उपलब्ध करवायी गयी। आयोग द्वारा जनपद के मुख्य पशु चिकित्साधिकारी से हुई वार्ता में पाया कि जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों में गौपालन के लिए अधिक से अधिक पशुपालकों द्वारा मांग की जाती है किन्तु लक्ष्य कम होने के कारण अधिक से अधिक पशुपालक गौपालन योजना का लाभ नहीं ले पा रहें हैं। संबंधित आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका में दर्शाया गया है–

राज्य योजनान्तर्गत गौपालन योजना का वर्षवार विवरण			
क्र0स0	वर्ष	व्यय धनराशि	स्थापित इकाई
1	2018-19	19.80	27
2	2019-20	10.80	30
3	2020-21	04.32	12
4	2021-22	10.80	30
योग		**45.72**	**99**

बकरीपालन :– विभाग द्वारा विगत चार वर्षों के दौरान कुल रूपये 58.24 लाख की धनराशि का परिव्यय करते हुए 93 पशुपालकों की बकरीपालन इकाई स्थापित की गयी। जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों में बकरीपालन के लिए अधिक से अधिक पशुपालकों द्वारा मांग की जाती है किन्तु लक्ष्य कम होने के कारण अधिक से अधिक पशुपालक बकरीपालन योजना का लाभ नहीं ले पा रहें हैं। संबंधित आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका में दर्शाया गया है–

राज्य योजनान्तर्गत बकरीपालन योजना का वर्षवार विवरण							
		बकरीपालन		महिला बकरीपालन		योग	
क्र0स0	वर्ष	व्यय धनराशि	इकाई	व्यय धनराशि	इकाई	व्यय धनराशि	इकाई
1	2018-19	17.01	14	0.00	0	17.01	14
2	2019-20	12.60	20	5.25	15	17.85	35
3	2020-21	3.78	6	1.75	3	5.53	9
4	2021-22	12.60	20	5.25	15	17.85	35
योग		**45.99**	**60**	**12.25**	**33**	**58.24**	**93**

कृत्रिम गर्भाधान :– जनपदान्तर्गत विभाग द्वारा कृत्रिम गर्भाधान हेतु विगत सालों से मुहिम चलाई जा रही है, जिसका उद्देश्य पशुपालकों को उन्नत नस्ल के पशु प्राप्त करवाना है। विभाग से प्राप्त आंकडों के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि जनपद में विगत पांच सालों में पशुगर्भाधान में सबसे अधिक 74% कृत्रिम गर्भाधान करवाया गया अर्थात पशुपालकों का कृत्रिम गर्भाधान पर विश्वास बढ़ा है। आंकड़ों का निम्नवत तालिका में उल्लेख किया गया है–

जनपदान्तर्गत पशुगर्भाधान का वर्षवार विवरण						
क्र0स0	वर्ष	कृत्रिम	प्राकृतिक	योग	कृत्रिम गर्भाधान का वर्ष में योगदान	प्राकृतिक गर्भाधान का वर्ष में योगदान
1	2017-18	41060	17618	58678	70%	30%
2	2018-19	48337	22172	70509	69%	31%
3	2019-20	49610	23237	72847	68%	32%
4	2020-21	75383	20764	96147	78%	22%
5	2021-22	73364	18222	91586	80%	20%
योग		287754	102013	389767	74%	26%

चारा वितरण :–विभाग द्वारा पशुपालकों को पशुओं के स्वास्थ्य एवं उत्पादन हेतु चारा भी उपलब्ध करवाया जा रहा है जिसके आंकड़ों से ज्ञात होता है कि पशु फीडिंग हेतु पशुपालकों में भरोसा उत्पन्न हुआ है, किन्तु इसका लाभ अधिकांश पशुपालकों द्वारा नहीं लिया जा रहा है अर्थात प्रचार–प्रसार की कमी प्रतीत होती है। आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका में दर्शाया गया है–

जनपदान्तर्गत चारा वितरण का वर्षवार विवरण			
क्र0स0	वर्ष	चारा (किग्रा)	वर्षवार बदलाव
1	2017-18	1618	22%
2	2018-19	0	0%
3	2019-20	1600	22%
4	2020-21	1456	20%
5	2021-22	2700	37%
योग		7374	100%

उद्योग

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम :–MSME के अधिनियम 2016 के बाद वह उद्यम जिन पर निवेश 01 करोड़ से कम एवं टर्नओवर 5 करोड़ से कम हो उन्हें सूक्ष्म उद्यम,लघु उद्यम जिन पर निवेश 10 करोड़ से कम एवं टर्नओवर 50 करोड़ से कम हो तथा जिनउद्यमों पर निवेश के रूप में20 करोड़ से कम एवं टर्नओवर 100 करोड़ से कम हो उन्हें मध्यम उद्यम की श्रेणी रखा गया है।

उद्योग विभाग हरिद्वार के माध्यम से जनपद में विगत चार वर्षों के मध्य कुल 2483 सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग स्थापित करते हुए रोजगार उपलब्ध करवाये जाने के कुल रूपये 471.72 करोड़ विनिर्माण एवं रूपये 145.29 करोड़ का पूँजी

निवेश सेवा क्षेत्र में करवाया गया। विभाग द्वारा कुल रूपये 617.01 करोड़ का पूँजी निवेश करते हुए जनपद में 23,497 व्यक्तियों को रोजगार उपलब्ध करवाया गया।जनपद में जहाँ एक ओर विभागीय योजनाओं के अन्तर्गत औसतन रूपये 2.00 लाख की धनराशि का परिव्यय करते हुए 01 व्यक्ति को रोजगार दिये जाने की पुष्टि होती है, वहीं दूसरी ओर विभाग द्वारा लघु उद्यम श्रेणी के अन्तर्गत ही उद्यमियों को पुरूस्कृत किया गया है। जबकि जनपद में लघु और मध्यम उद्यमों के अपेक्षाकृत विगत चार वर्षों के मध्य कुल 2100 सूक्ष्म उद्यम स्थापित किये गये हैं अर्थात सूक्ष्म उद्यमों में कौशल विकास की कमी प्रलक्षित होती है। विभाग को इस ओर भी ध्यान देते हुए सुधार लाने की कार्ययोजना तैयार करनी चाहिए। संबंधित आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका में प्रदर्शित किया गया है–

हरिद्वार जनपद में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग इकाईयों का वर्षवार विवरण										
वर्ष	मद	मेमोरेण्डम फाईल संख्या (क्रमिक)			पूँजी विनियोजन (करोड़ में)			रोजगार		
		विनिर्माण	सेवा	योग	विनिर्माण	सेवा	योग	विनिर्माण	सेवा	योग
2017–18	सूक्ष्म	262	167	429	27.14	27.75	54.89	1554	1268	2822
	लघु	62	15	77	110.51	7.59	118.1	1948	92	2040
	मध्यम	5	0	5	33.54	0	33.54	458	0	458
	योग	329	182	511	171.19	35.34	206.53	3960	1360	5320
2018–19	सूक्ष्म	221	285	506	19.68	8.36	28.04	1269	1157	2426
	लघु	47	55	102	65.5	22.82	88.32	905	1027	1932
	मध्यम	3	3	6	11.87	13.11	24.98	238	51	289
	योग	271	343	614	97.05	44.29	141.34	2412	2235	4647
2019–20	सूक्ष्म	245	289	534	22.77	10.01	32.78	1610	2854	4464
	लघु	73	67	140	70.69	24.69	95.38	1478	1783	3261
	मध्यम	4	0	4	28.86	0	28.86	460	0	460
	योग	322	356	678	122.32	34.7	157.02	3548	4637	8185
2020–21	सूक्ष्म	303	328	631	32.359	25.808	58.167	2193	2088	4281
	लघु	29	18	47	40.814	5.1518	45.966	757	247	1004
	मध्यम	2	0	2	7.99	0	7.99	60	0	60
	योग	334	346	680	81.163	30.96	112.12	3010	2335	5345
विगत चार वर्षों का योग	सूक्ष्म	1031	1069	2100	101.95	71.928	173.88	6626	7367	13993
	लघु	211	155	366	287.51	60.252	347.77	5088	3149	8237
	मध्यम	14	3	17	82.26	13.11	95.37	1216	51	1267
	योग	1256	1227	2483	471.72	145.29	617.01	12930	10567	23497

सफल उद्यमी हेतु पुरूस्कार वितरण का वर्षवार एवं उद्यमवार विवरण				
वर्ष	मद	पुरूस्कृत उद्यमी	श्रेणी	पुरूस्कार स्वरूप देय धनराशि रू0 में
2017–18	लघु उद्यम	2	लघु उद्यम	10000
	हस्तशिल्प	2	लघु उद्यम	10000
	हथकरघा	2	लघु उद्यम	10000
2018–19	लघु उद्यम	2	लघु उद्यम	10000
	हस्तशिल्प	2	लघु उद्यम	10000
	हथकरघा	2	लघु उद्यम	10000
2019–20	लघु उद्यम	2	लघु उद्यम	10000
	हस्तशिल्प	2	लघु उद्यम	10000
	हथकरघा	2	लघु उद्यम	10000
2020–21	लघु उद्यम	2	लघु उद्यम	10000
	हस्तशिल्प	2	लघु उद्यम	10000
	हथकरघा	2	लघु उद्यम	10000
विगत चार वर्षों का योग	लघु उद्यम	8	लघु उद्यम	40000
	हस्तशिल्प	8	लघु उद्यम	40000
	हथकरघा	8	लघु उद्यम	40000

उद्यमिता विकास हेतु प्रशिक्षण :–जनपद में विभाग द्वारा आयोजित करवाये गये उद्यमिता विकास प्रशिक्षण हेतु आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि प्रतिभागियों द्वारा लॉंग टर्म प्रशिक्षण की अपेक्षा शॉर्ट टर्म प्रशिक्षण की ओर रूझान बढ़ रहा है। विभाग को शॉर्ट टर्म प्रशिक्षण में चिन्हित उद्यम संबंधी अधिक से अधिक जानकारी उपलब्ध करवाये जाने की कार्ययोजना तैयार करनी चाहिए। आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका में प्रदर्शित किया गया है–

02 दिवसीय उद्यमिता विकास प्रशिक्षण का वर्षवार विवरण		
वर्ष	प्रशिक्षण स्थलों की संख्या	प्रतिभागियों की संख्या
2017–18	32	1143
2018–19	11	335
2019–20	19	684
2020–21	18	586
योग	80	2748

20 दिवसीय उद्यमिता विकास प्रशिक्षण का वर्षवार विवरण		
वर्ष	प्रशिक्षण स्थलों की संख्या	प्रतिभागियों की संख्या
2017–18	5	158
2018–19	10	301
2019–20	5	125
2020–21	0	0
योग	20	584

ग्रामोद्योग

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना :– विभाग द्वारा प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना के तहत कुल रूपये 630.10 लाख की धनराशि का अनुदान सहित रू0 1838.40 की धनराशि का पूँजीनिवेश (बैंक ऋण) करवाते हुए विगत पांच वर्षों के दौरान 229 उद्यम स्थापित किये गये। जनपद में सबसे अधिक मौनपालन उद्यम को बढ़ावा दिया गया है। योजना में विगत पांच सालों में विकासखण्ड भगवानपुर द्वारा सबसे कम 9 उद्यम स्थापित करते हुए मात्र 99 व्यक्तियों को रोजगार उपलब्ध करवाये जाने में अपना योगदान किया गया जबकि विकासखण्ड खानपुर में प्रगति अत्यधिक कम है।

आंकड़ों से यह भी स्पष्ट होता है कि जनपद में विभाग द्वारा औसतन लगभग रूपये 8.00 लाख की धनराशि का परिव्यय करते हुए एक उद्यम स्थापित करते हुए मात्र 8 व्यक्तियों को ही रोजगार उपलब्ध करवाया गया, जो कि बहुत न्यूनतम रोजगार आंकड़ा है, जबकि जनपद में सूक्ष्म और लघु उद्यम स्थापित करने की अपार आयाम मौजूद हैं जैसे दुग्ध प्रसंस्करण, होमस्टे, पैकजिंग, ग्रेडिंग, पलंम्बिग, पेंटिंग, कारपेन्टर, इलेक्ट्रिशिएन, भवन सामाग्री, मिठाई, नमकीन, आदि क्योंकि जनपद धार्मिक के साथ–साथ ईको पर्यटन का हब है।

आंकड़ों से यह भी स्पष्ट होता है कि जनपद में महिलाओं के द्वारा बहुत कम उद्यम दुग्ध के मात्र 05, मौनपालन 50, ब्यूटीपार्लर 01 तथा सिलाई 05 उद्यम स्थापित किये गये हैं जबकि जनपद में धार्मिक पर्यटन हर साल हर माह आता है अर्थात जनपद में दुग्ध उत्पादन के व्यवसाय को बढ़ावा दिया जा सकता है क्योंकि जनपद हरिद्वार में दुग्ध उत्पादित सामाग्री का प्रचलन अधिक मात्रा में है। संबंधित आंकडों का विवरण निम्नवत तालिका में प्रदर्शित है–

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना के तहत जनपद में उपलब्ध रोजगार का वर्षवार भौतिक एवं वित्तीय विवरण				
वर्ष	स्थापित इकाई	कुल पूँजी निवेश	अनुदान	उपलब्ध रोजगार
2017-18	33	384	131.91	383
2018-19	27	221.88	77.66	219
2019-20	27	223.85	76.36	225
2020-21	71	579.96	194.29	574
2021-22	71	428.71	149.88	428
योग	229	1838.4	630.10	1829

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना के तहत जनपद में उपलब्ध रोजगार का वर्षवार भौतिक एवं वित्तीय विवरण				
विकासखण्ड	स्थापित इकाई	कुल पूँजी निवेश	अनुदान	उपलब्ध रोजगार
भगवानपुर	9	98.83	33.43	99
लक्सर	25	165.22	57.16	164
रूडकी	27	254.01	86.58	251
बहादराबाद	65	646.43	218.52	644
नारसन	103	673.91	234.41	671
योग	229	1838.4	630.1	1829
पूँजी निवेश के सापेक्ष औसत योगदान प्रतिशत	1	8.03	2.75	7.99

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना के तहत जनपद में उपलब्ध रोजगार का श्रेणीवार भौतिक एवं वित्तीय विवरण				
श्रेणी	पूँजीगत निवेश	अनुदान	उपलब्ध रोजगार	योग
महिला	362.26	126.29	361	38
पिछड़ी जाति	940.56	329.345	938	116
अनु0 जाति	327.12	114.49	326	41
सामान्य	208.45	59.94	204	34
योग	1838.39	630.065	1829	229

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना के तहत जनपद में उपलब्ध रोजगार का वर्षवार एवं विकासखण्डवार भौतिक एवं वित्तीय विवरण					
वर्ष	विकासखण्ड	स्थापित इकाई	पूँजीगत निवेश	अनुदान	उपलब्ध रोजगार
2017-18	रूडकी	3	60	21	60
	बहादराबाद	16	223.00	76.05	223
	भगवानपुर	2	10.00	3.00	10
	नारसन	9	61.00	21.35	61
	लक्सर	3	30.00	10.51	29
योग		33	384.00	131.91	383
2018-19	रूडकी	1	10	3.5	10

	बहादराबाद	6	74.50	26.08	74
	भगवानपुर	1	25.00	8.75	25
	नारसन	19	112.38	39.33	110
	लक्सर	0	0.00	0.00	0
योग		27	221.88	77.66	219
2019-20	रूडकी	5	45.16	15.81	45
	बहादराबाद	8	98.45	33.46	98
	भगवानपुर	2	13.16	4.61	14
	नारसन	11	62.08	20.73	63
	लक्सर	1	5.00	1.75	5
योग		27	223.85	76.36	225
2020-21	रूडकी	13	105.93	35.41	104
	बहादराबाद	21	171.23	56.69	169
	भगवानपुर	3	30.67	10.07	30
	नारसन	26	213.13	72.27	212
	लक्सर	8	59.00	19.85	59
योग		71	579.96	194.29	574
2021-22	रूडकी	5	32.92	10.86	32
	बहादराबाद	14	79.25	26.24	80
	भगवानपुर	1	20.00	7.00	20
	नारसन	38	225.32	80.73	225
	लक्सर	13	71.22	25.05	71
योग		71	428.71	149.88	428

मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना :– उद्योग विभाग द्वारा वर्ष 2020–21 हेतु मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना के तहत जनपदान्तर्गत कुल 201 लाभार्थियों का स्वरोजगार स्थापित करने में कुल रूपये 570.39 लाख की धनराशि का ऋण वितरण करवाया गया, जिसके माध्यम से जनपद के सभी विकासखण्डों में 472 बेरोजगारों को रोजगार उपलब्ध करवाया गया। आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि विभाग द्वारा जनपदान्तर्गत विकासखण्ड लक्सर में रूपये 222.64 लाख की धनराशि का ऋण वितरण कर सबसे अधिक 113 लाभार्थियों को स्वरोजगार के साथ–साथ 172 बेरोजगारों को रोजगार उपलब्ध करवाया गया। आंकड़ों के विश्लेषण से निम्नवत तथ्य स्पष्ट होते हैं :–

1. उल्लिखित आंकड़ों में विकासखण्ड लक्सर एवं खानपुर की अपेक्षा कम ऋण परिव्यय में अधिक रोजगार उपलब्ध करवाया गया। विभाग को रोजगार दिये जाने के लिए ठोस रणनीति के साथ कार्ययोजना तैयार करने की आवश्यकता है।

2. जनपद के सभी विकासखण्डों में मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजनान्तर्गत विभाग द्वारा वर्ष 2020–21 हेतु प्रति लाभार्थी औसतन रूपये 2.84 लाख की धनराशि का ऋण परिव्यय करवाया गया। उल्लिखित आंकड़ों में विकासखण्ड लक्सर एवं खानपुर द्वारा अन्य विकासखण्डों की अपेक्षा कम ऋण परिव्यय में अधिक लाभार्थियों का स्वरोजगार स्थापित करवाया गया। विभाग को स्वरोजगार दिये जाने की प्रक्रिया पर ध्यान केन्द्रित करने की आवश्यकता है।

3. उल्लिखित आंकड़ों में विकासखण्ड लक्सर, बहादराबाद एवं रूडकी की अपेक्षा विकासखण्ड खानपुर, भगवानपुर तथा नारसन द्वारा कम ऋण परिव्यय किया गया। विभाग को विकासखण्ड खानपुर, भगवानपुर तथा नारसन में अधिक ध्यान केन्द्रित करने की आवश्यकता है।

संबंधित आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका में प्रदर्शित किया गया है–

जनपद हरिद्वार में मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना अन्तर्गत वर्ष 2020–21 में वितरित अभ्यर्थियों का विकासखण्डवार विवरण

विकासखण्ड	लाभार्थियों की संख्या	ऋण धनराशि	रोजगार उपलब्धता	रोजगार पर औसतन ऋण परिव्यय	लाभार्थियों पर औसतन ऋण परिव्यय	ग्राम पंचायत पर औसतन ऋण परिव्यय
लक्सर	113	222.64	172	207.85	**320.67**	94.42
बहादराबाद	37	144.53	124	**149.85**	105.00	134.89
रूड़की	17	101.40	88	**106.34**	48.24	82.86
नारसन	15	55.92	50	**60.42**	42.57	**111.77**
खानपुर	12	25.74	20	24.17	**34.05**	**44.32**
भगवानपुर	7	20.17	18	**21.75**	19.86	**102.13**
योग जनपद	201	570.39	472	570.39	570.39	570.39

पर्यटन

जनपद हरिद्वार धर्म नगरी के नाम से जाना जाता है जहाँ देश–विदेश से करोड़ों तीर्थयात्री आते हैं। जनपद में हर की पौड़ी एवं माँ वैष्णवी माता दो मुख्य तीर्थाटन स्थल हैं, यहाँ यात्रियों की सुविधा के लिए जनपद में 72 बेड युक्त 2 पर्यटन आवास गृह, 535 होटल तथा 525 धर्मशालायें वर्तमान में मौजूद हैं। आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका में दर्शाया गया है–

जनपद में पर्यटन सुविधाओं और पर्यटकों का वर्षवार विवरण							
क्रमसं0	मद	इकाई	वर्ष				वर्ष 2017–18 से वर्ष 2020–21 के मध्य बदलाव
क	पर्यटन सुविधायें		2017–18	2018–19	2019–20	2020–21	
1	• मुख्य पर्यटन स्थल	संख्या	2	2	2	2	0
2	• पर्यटन आवास गृह	संख्या	2	2	2	2	0
3	• रैन बसेरा	संख्या	0	0	0	0	0
4	• पर्यटन आवास गृहों में उपलब्ध शैयायें	संख्या	72	72	72	72	0
5	• रैन बसेरा में उपलब्ध शैयायें	संख्या	0	0	0	0	0
6	• होटल तथा पेइंगैस्ट हाउसों की संख्या	संख्या	485	495	525	535	50
7	• धर्मशालाओं की संख्या	संख्या	300	300	300	525	225
ख	पर्यटकों के आंकड़े						0
1	• पर्यटकों की कुल संख्या (तीर्थ यात्री सहित)	संख्या	21009098	21577583	21770232	4021831	-16987267
2	• भारतीय पर्यटक	संख्या	20985975	21555000	21749425	4016250	-16969725
3	• विदेशी पर्यटक	संख्या	23123	22583	20807	5581	-17542
4	• महत्वपूर्ण राष्ट्रीय उद्यानों में कुल पर्यटक	संख्या	2889	2161	1582	1731	-1158
5	• भारतीय पर्यटक	संख्या	2851	2123	1563	1731	-1120
6	• विदेशी पर्यटक	संख्या	38	38	19	0	-38

पर्यटकों की संख्या में वर्षवार बदलाव प्रतिशत				
पर्यटकों के आंकड़े	इकाई	2018–19 में विगत वर्ष से बदलाव	2019–20 में विगत वर्ष से बदलाव	2020–21 में विगत वर्ष से बदलाव
• पर्यटकों की कुल संख्या (तीर्थ यात्री सहित)	संख्या	3%	1%	**-82%**
• भारतीय पर्यटक	संख्या	3%	1%	**-82%**
• विदेशी पर्यटक	संख्या	**-2%**	**-8%**	**-73%**
• महत्वपूर्ण राष्ट्रीय उद्यानों में कुल पर्यटक	संख्या	**-25%**	**-27%**	9%
• भारतीय पर्यटक	संख्या	**-26%**	**-26%**	11%
• विदेशी पर्यटक	संख्या	0%	**-50%**	**-100%**

पर्यटन विभाग द्वारा संचालित योजनाओं के आंकड़ों के अध्ययन से ज्ञात होता है कि जनपद में ''अतिथि उत्तराखण्ड गृह आवास (होमस्टे) पंजीकरण योजना'' के तहत योजना प्रारम्भ से आतिथि तक कुल 34 होमस्टे का पंजीकरण तथा ''दीन दयाल उपाध्याय गृह आवास योजना (होमस्टे) विकास योजना'' के तहत योजना प्रारम्भ से आतिथि तक मात्र 04 होमस्टे का ही निर्माण जनपद के अन्तर्गत करवाया गया है। विभाग की ''वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली पर्यटन स्वरोजगार योजना'' के अन्तर्गत भी योजना प्रारम्भ से आतिथि तक वाहन मद में 325 एवं गैर वाहन मद में 179 लाभार्थियों को ही लाभान्वित किया गया है। आंकड़ें बहुत न्यूनतम है, विभाग को आंकड़ों में बदलाव हेतु अभियान के रूप में काम करने की आवश्यकता है।

क्र0सं0	योजना का नाम	कुल होमस्टे
1	अतिथि उत्तराखण्ड गृह आवास (होमस्टे) पंजीकरण योजना	34
2	दीन दयाल उपाध्याय गृह आवास योजना (होमस्टे) विकास योजना	4

वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली पर्यटन स्वरोजगार योजना		
क्र0सं0	मद	योजनारंभ से 31.03.2022 तक लाभान्वित आवेदकों की संख्या
1	वाहन मद	325
2	गैर वाहन मद	179

कृषि

जनपद का आर्थिक विकास मूल रूप से प्राकृतिक जल, भू–संसाधनों के सुनियोजित एवं वैज्ञानिक दोहन पर ही आधारित है। पौष्टिक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थ कृषि से प्राप्त तो होते ही हैं साथ ही आर्थिकी में भी बहुत योगदान दिया जाता है। विभाग द्वारा कृषि क्षेत्र को बढ़ावा दिये जाने के लिए विभिन्न योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। योजनाओं के आंकड़ों का चार वर्षीय विवरण निम्नवत उल्लिखित किया जा रहा है–

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन योजना (**NFSM**) :– योजनान्तर्गत कलस्टर प्रदर्शन एवं बीज वितरण मद का उद्देश्य अनुदानित दरों पर कृषकों को संकर प्रजाति के बीज उपलब्ध करवाना है जिससे उत्पादकता के साथ कृषकों की आय में बढ़ोत्तरी करना है। विभाग द्वारा विगत 4 वर्षों में 18,959 कुन्तल बीज,17,469 हे0 कृषि रक्षा रसायन तथा 12,665 हे0 सूक्ष्म पोषक तत्व/जैव उर्वरक कृषकों को अनुदानित दरों पर उलपब्ध कराया गया। बीज वितरण, कृषि रक्षा रसायन तथा सूक्ष्म पोषक तत्व/जैव उर्वरक के भौतिक एवं वित्तीय आंकड़ों में वर्ष दर–वर्ष घटत–बढ़त देखा जा सकता है। विभाग को इस ओर ध्यान देने की आवश्यकता है। आंकड़ें निम्नवत तालिका में उपलब्ध हैं।

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन योजना												
क्र0 सं0	कार्यमद	इकाई	2017–18		2018–19		2019–20		2020–21		योग	
			गौ0	वि0	गौ0	वि0	गौ0	वि0	गौ0	वि0	गौ0	वि0
1	कलस्टर प्रदर्शन	है0	1178	59.09	945	59.74	1010	62.79	734	25.37	3867	206.99
2	उन्नतशील प्रजातियों का बीज वितरण	कुं0	7409	46.06	3633	31.00	234	76.53	3816	11.88	15092	165.47
3	कृषि रक्षा रसायन	है0	3898	13.02	3170	15.85	4475	26.57	5926	14.87	17469	70.31
4	सूक्ष्म पोषक तत्व/ जैव उर्वरक	है0	3078	9.40	2223	11.12	5849	27.31	1515	5.91	12665	53.74
5	संसाधन संरक्षण (यंत्रीकरण)	सं0	235	68.62	199	153.31	154	34.23	112	34.32	700	290.48
योग			NA	196.19	NA	271.02	NA	227.43	NA	92.35	NA	786.99

राष्ट्रीय सम्पोषणीय कृषि मिशन योजना (**NMSA**) :–योजनान्तर्गत जनपद में स्थित 06 विकासखण्डों में 06 कलस्टर फसल प्रणाली आधारित बनाए गए है, जिसमें विकासखण्ड लक्सर, खानपुर में वृक्ष आधारित कृषि प्रणाली, विकासखण्ड नारसन,

भगवानपुर में डेयरी आधारित कृषि प्रणाली, विकासखण्ड बहादराबाद, रूड़की में उद्यान आधारित कृषि प्रणाली के अन्तर्गत एकीकृत कृषि प्रणाली को बढ़ावा दिया जा रहा है। आंकड़ों से ज्ञात होता है कि जनपद के विकासखण्ड भगवानपुर में डेयरी आधारित कृषि प्रणाली को ही अन्य प्रणालियों की अपेक्षा अधिक महत्व मिला अर्थातराष्ट्रीय सम्पोषणीय कृषि मिशन योजना को विस्तारित करने की आवश्यकता है क्योंकि नमसा योजनान्तर्गत चयनित कलस्टरों के ग्रामों में कृषकों को फलदार वृक्ष/गौपालन/बकरी पालन/सूकर पालन/लकड़ी (टिम्बर) वाले पौधे अनुदान पर उपलब्ध कराकर रोजगार एवं आय के नये आयाम सृजित किये जाने के अवसर उपलब्ध करवाये जा सकते हैं।आंकड़ें निम्नवत तालिका में उपलब्ध हैं–

राष्ट्रीय सम्पोषणीय कृषि मिशन योजना												
क्र0 सं0	कार्यमद	इकाई	2017–18		2018–19		2019–20		2020–21		योग	
			भौ0	वि0	भौ0	वि0	भौ0	वि0	भौ0	वि0	भौ0	वि0
1	उद्यान आधारित फसल प्रणाली	है0	129	28.00	85	19.60	122	19.00	61	6.00	397	72.60
2	पशुधन आधारित फसल प्रणाली	है0	0	0.00	35	8.80	47	13.70	42	8.00	124	30.50
3	डेयरी आधारित फसल प्रणाली	है0	167	61.00	244	97.60	258	96.80	231	58.00	900	313.40
4	वृक्ष आधारित फसल प्रणाली	है0	147	22.00	157	23.60	214	33.05	160	12.00	678	90.65
5	कृषि वानिकी आधारित फसल प्रणाली	है0	102	15.00	107	15.60	254	24.38	119	8.00	582	62.98
6	पॉली हाउस (ट्यूब्लर)	वर्ग0 मी0	4000	11.70	0	0.00	1500	7.00	0	0.00	5500	18.70
7	मधुमक्खी पालन	सं0	85	0.68	200	1.60	220	2.00	0	0.00	505	4.28
8	पोस्ट हार्वेस्ट स्ट्रक्चर	है0	8	4.00	10	20.00	29	58.00	3	7.00	50	89.00
9	जल प्रयोग क्षमता विकास	है0	0	0.00	50	5.00	150	15.00	130	7.00	330	27.00
10	कृषक प्रशिक्षण एवं प्रक्षेत्र भ्रमण	है0	8	1.60	7	1.80	7	3.00	3	1.00	25	7.40
योग			NA	143.98	NA	193.6	NA	271.93	NA	107.00	NA	716.51

जिला योजना :–जिला योजना के अन्तर्गत चयनित ग्रामों में अनुसूचित जाति एंव सामान्य जाति के कृषक समूहों को 90%अनुदान पर उन्नतशील कृषि यंत्र उपलब्ध कराये जा रहे है। चूंकि निम्न आर्थिक स्थिति होने के कारण कई कृषक कृषि यंत्र क्रय नहीं कर पाते हैं इसलिए स्वयं सहायता समूह बनाकर योजना के माध्यम से कृषि यंत्र अनुदान पर उपलब्ध कराये जा रहे है। साथ ही सिंचन क्षमता में सुधार हेतु एच0डी0पी0ई0 पाईप भूमिगत पाईप लाईन का निर्माण किया जा रहा है जहां एक ओर कृषि भूमि की बचत होती है वहीं दूसरी ओर सिंचाई पानी की बचत भी होगी। साथ ही कम समय में अधिक क्षेत्रफल की सिंचाई हो जाती है। सिंचन क्षमता में और अधिक सुधार हेतु पोर्टेबल स्प्रिकंलर सैट/बौछारी सिंचाई की स्थापना पर जिला योजना के माध्यम से 25 से 30% अनुदान कृषकों को उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे कम पानी से अधिक क्षेत्रफल की सिंचाई होने से फसल लागत में कमी आती है। आंकड़ों में बढ़ोत्तरी हेतु योजना के बजट में भी बढ़ोत्तरी की जानी कृषक हित में होगा। संबंधित आंकड़ें निम्नवत तालिका में उपलब्ध हैं–

जिला योजना												
क्र0 सं0	कार्यमद	इकाई	2017–18		2018–19		2019–20		2020–21		योग	
			भौ0	वि0	भौ0	वि0	भौ0	वि0	भौ0	वि0	भौ0	वि0
1	पौध सुरक्षा रसायन वितरण	है0	1000	5.00	800	4.00	200	1.00	200	1.00	2200	11.00
2	सूक्ष्म पोषक तत्व वितरण	कुं0	1800	5.50	900	4.50	200	1.00	200	1.00	3100	12.00
3	कृषि यंत्र वितरण (अनु0जा0 के कृषक समूहो को 90 प्रति0 अनुदान)	सं0	51	14.00	51	14.00	54	15.00	45	20.00	201	63.00
4	कृषि यंत्र वितरण (सा0जाति के व्यक्तिगत/कृषक समूहों को 50 प्रति0 अनुदान)	सं0	120	22.50	133	20.00	67	10.00	44	12.00	364	64.50
5	अतिरिक्त सिंचन क्षमता में वृद्धि/ भूमिगत पाईप लाईन निर्माण/बौछारी सिंचाई	है0	1530	3.00	5250	14.50	233	35.00	1680	46.00	8693	98.50
6	मृदा एवं जल संरक्षण कार्य	है0	0	0.00	200	30.00	96	14.36	0	0.00	296	44.36
योग			4501	50.00	7334	87.00	850	76.36	2169	80.00	14854	293.36

अनुसूचित जाति बाहुल्य ग्राम कृषि विकास योजना :– जनपद में चयनित ग्रामों में कृषि विकास के लिए अनुसूचित जाति के कृषकों को फसल गेंहू की उत्पादकता बढ़ाने के लिए गेंहू की उन्नतशील प्रजातियों के बीज मिनिकिट वितरण, कृषक समूहों को 90%अनुदान पर कृषि यंत्र वितरण एवं जल उपयोग क्षमता बढ़ाने के लिए एच0डी0पी0ई0 पाईप वितरण एवं मृदा एवं जल संरक्षण मद में खेतों की मेड़बंधी एवं समतलीकरण का कार्य किया जाता है, जिससे कि वर्षा के दिनों में खेतों में जल संचयन हो सकें। आंकड़ों में बदलाव की अपार सम्भावनाओं को देखते हुए विभाग को इस ओर ध्यान देने की आवश्यकता है। आंकड़ें निम्न तालिका में प्रदर्शित हैं–

अनुसूचित जाति बाहुल्य ग्राम कृषि विकास योजना												
क्र0 सं0	कार्यमद	इकाई	2017–18		2018–19		2019–20		2020–21		योग	
			भौ0	वि0	भौ0	वि0	भौ0	वि0	भौ0	वि0	भौ0	वि0
1	उन्नतशील प्रजातियों की बीज मिनिकिट वितरण	सं0	310	1.55	503	2.49	355	1.90	456	2.15	1624	8.09
2	कृषि यंत्र वितरण (90 प्रति0 अनुदान)	सं0	54	11.84	127	15.39	57	15.29	92	6.20	330	48.72
3	एच0डी0पी0ई0 पाईप वितरण	सं0	200	0.40	240	0.40	200	0.40	200	0.40	840	1.60
4	मृदा एवं जल संरक्षण (मेडबंधी/वृक्षा रोपण कार्य)	है0	635	13.21	172	1.72	15	2.40	20	0.90	842	18.23
योग			1199	27.00	1042	20.00	627	19.99	768	9.65	3636	76.64

सबमिशन ऑन एग्रीकल्चर मैकेनाइजेशन योजना (**SMAM**):– देश मेंऔद्योगीकरण के कारण जहाँ एक ओर कृषि योग्य भूमि घटती जा रही है, वहीं दूसरी ओर कृषि कार्य करने के लिए कृषि मजदूरों की संख्या कम होती जा रही है। इस स्थिति को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार द्वारा संचालित सबमिशन ऑन एग्रीकल्चर मैकेनाइजेशन योजना के माध्यम से कृषि कार्यों को समय से पूर्ण करने के लिए ट्रैक्टर चालित यंत्र एवं शक्ति चालित कृषि यंत्र एवं कस्टम हायरिंग सेन्टर देश में स्थापित किये जा रहे है। योजना के संचालन से लेकर वर्तमान तक जनपद में 106 कस्टम हायरिंग सेन्टर एवं 31 फार्म मशीनरी बैंक स्थापित किये गये हैं। उक्त स्थापना के माध्यम से कृषक समूह समय से कार्य करने के साथ–साथ निकटवर्ती ग्रामों के कृषकों को भी कृषि यंत्र किराये पर उपलब्ध करा रहे है, जिससे कृषकों के मध्य एन्टरप्रेन्योरसिप का विकास हो रहा है।

कृषक ट्रैक्टर चालित बड़ी मशीने जैसे कम्बाइन्ड हार्वेस्टर को क्रय नहीं कर पाते थे, लेकिन योजना के माध्यम से कृषकों को कम्बाइन्ड हार्वेस्टर क्रय करने पर अनुदान की सुविधा दी जा रही है। साथ ही कम्बाइन्ड हार्वेस्टर से फसल कटाई

के बाद जो फसल अवशेष रह जाते है, उन्हें स्ट्रा रीपर के माध्यम से भूसा बनाकर पशुओं को सूखे चारे के रूप में दिया जाता है।

गेंहूँ फसल की परिपक्व अवस्था में सामान्यतः हवा एवं ओलावृष्टि जैसी मौसम की सम्भावना रहती है, जिसके कारण फसल को जल्दी से जल्दी कटाई करना उचित रहता है। साथ ही उस समय कृषि मजदूर भी नहीं मिल पाते है। इस समस्या के निराकरण के लिए कम्बाइन्ड हार्वेस्टर एक महत्वपूर्ण विकल्प है, जिससे फसल की समय से कटाई के साथ–साथ एक आय का श्रोत भी सृजित होता है। संबंधित आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका में दर्शाया गया है–

सबमिशन ऑन एग्रीकल्चर मैकेनाइजेशन योजना												
क्र0 सं0	कार्यमद	इकाई	2017–18		2018–19		2019–20		2020–21		योग	
			भौ0	वि0	भौ0	वि0	भौ0	वि0	भौ0	वि0	भौ0	वि0
1	कस्टम हायरिंग सेन्टर	सं0	12	48.00	36	144.00	48	192.00	10	40.00	106	424.00
2	फार्म मशीनरी बैंक	सं0	20	80.00	0	0.00	0	0.00	11	88.00	31	168.00
3	ट्रैक्टर	सं0	31	38.75	33	41.25	100	322.00	14	45.50	178	447.50
4	रोटावेटर	सं0	78	18.05	123	33.97	196	91.23	63	24.60	460	167.85
5	लेजर लैण्ड लेवलर	सं0	5	3.15	1	1.25	13	26.00	9	18.00	28	48.40
6	थ्रेसर	सं0	16	6.40	43	27.81	19	19.00	17	17.00	95	70.21
7	ट्रैक्टर चालित यंत्र	सं0	228	12.46	980	185.25	1165	393.77	108	29.66	2481	621.14
योग			NA	206.81	NA	433.53	NA	1044.00	NA	262.76	NA	1947.10

राष्ट्रीय कृषि विकास योजना जैविक (**RKVY**):–देश में जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अन्तर्गत जैविक क्षेत्र का विस्तार किये जाने का प्राविधान किया गया है। योजनान्तर्गत कृषकों को नाडेप/बर्मी पिट स्थापना पर अनुदान उपलब्ध कराया जा रहा है। जनपद में वर्ष 2017–18 से वर्ष 2020–21 के मध्य 905 नापेड/बर्मी पिट कृषकों के स्थापित किये गये हैं। साथ ही योजनान्तर्गत जैविक प्रमाणीकरण का कार्य भी किया जा रहा है, जिससे कृषक अपने जैविक कृषि उत्पाद को बाजार में उचित मूल्य पर विक्रय कर सकें, किन्तु विभाग के पास जैविक कृषि उत्पाद विक्रय के आंकड़ें उपलब्ध नहीं हैं। विभाग को उक्त आंकड़ें भी संकलित करने चाहिए जिससे स्पष्ट हो सके कि कृषकों की आय में किस दर से वृद्धि हो रही है। आंकड़ें निम्नवत तालिका में प्रदर्शित हैं–

राष्ट्रीय कृषि विकास योजना जैविक												
क्र0 सं0	कार्यमद	इकाई	2017–18		2018–19		2019–20		2020–21		योग	
			भौ0	वि0	भौ0	वि0	भौ0	वि0	भौ0	वि0	भौ0	वि0
1	बर्मी पिट	सं0	94	4.23	250	11.25	100	3.20	100	4.50	544	23.18
2	नाडेप	सं0	40	1.60	214	8.55	32	1.20	75	2.00	361	13.35
3	मास्टर ट्रेनर मानदेय	सं0	6	1.95	6	5.28	6	2.20	6	4.24	24	13.67
4	कृषक प्रक्षेत्र भ्रमण	सं0	10	0.50	10	0.50	0	0.00	0	0.00	20	1.00
5	ग्राम स्तरीय भ्रमण	सं0	200	0.40	250	0.50	0	0.00	15	0.21	465	1.11
योग			NA	8.68	NA	26.08	NA	6.60	NA	10.95	1414	52.31

मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना (**SHC**) :–भारत सरकार द्वारा संचालित मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना के अन्तर्गत समस्त कृषक जोतो की मृदा नमूनों की मिट्टी की जांच के उपरान्त समस्त कृषकों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड प्रदान किये जाने का प्राविधान किया गया

है। मृदा स्वास्थ्य कार्ड में दी गई उर्वरक/सूक्ष्म पोषक तत्व/मृदा सुधारकों का प्रयोग करके जहां फसल उगाने के लागत में कमी तो आयेगी वहीं संतुलित उर्वरक के प्रयोग से फसल उत्पादकता में वृद्धि भी होगी, जिससे कृषकों की आय में वृद्धि होने की सम्भावनाएं रखी गयी हैं। मृदा स्वास्थ्य कार्ड के प्रचार–प्रसार के लिए कृषक प्रशिक्षण के साथ–साथ कृषि वैज्ञानिकों द्वारा मृदा स्वास्थ्य कार्ड की महत्ता, संतुलित उर्वरक प्रयोग एवं जैव उर्वरकों के प्रयोग के विषय में तकनीकी जानकारी प्रदान किये जाने का प्राविधान है।

योजनान्तर्गत जनपद के 165 ग्रामों के अन्तर्गत विभाग द्वारा वर्ष 2017–18 से वर्ष 2020–21 के मध्य 1,36,230 मुदा स्वास्थ्य कार्ड कृषकों को वितरित किये गये किन्तु कार्डों की संख्या के अनुरूप जनपद में मृदा नमूना परीक्षण नहीं हुआ है। अर्थात विभाग को इस ओर अधिक ध्यान देने की आवश्कता है। आंकडें निम्नवत तालिका में प्रदर्शित हैं–

मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना												
क्र0 सं0	कार्यमद	इकाई	2017–18		2018–19		2019–20		2020–21		योग	
			ल0	पू0	ल0	पू0	ल0	पू0	ल0	पू0	ल0	पू0
1	मृदा नमूना परीक्षण	सं0	19110	19110	19115	19115	2359	2359	3000	3000	43584	43584
2	मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरण	सं0	65273	65273	65273	75480	2842	3960	2842	3960	136230	148673
योग			19110	19110	19115	19115	2359	2359	3000	3000	43584	43584

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना :–भारत सरकार द्वारा संचालित प्रधानमंत्री फसल बीमायोजनान्तर्गत खरीफ एवं रबी मौसम में संसूचित फसल धान एवं गेंहू का बीमा कराया जाता है।

बीमा प्रीमियम :– 1. कुल धनराशि का 7.870%
2. कृषक अंश 1.5%
3. राज्य प्रीमियम सब्सिडी 3.185%
4. केन्द्रांश प्रीमियम सब्सिडी 3.185%

विभाग द्वारा जनपद हरिद्वार के अन्तर्गत विगत चार वर्षों के मध्य (निम्नवत तालिका में उल्लिखित) कुल 47517 कृषकों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में बीमित किया है। विगत इन वर्षों के दौरान 2555 कृषकों की फसल आपदा से प्रभावित हुई हैं। जनपद में अभी भी बहुत से कृषक उक्त योजना में बीमित नहीं हुए हैं। विभाग को सघन अभियान चलाते हुए सभी कृषकों को बीमित किये जाने की कार्ययोजना तैयार करनी चाहिए। आंकड़ें निम्नवत तालिका में प्रदर्शित किये गये हैं–

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना																		
2017–18				2018–19				2019–20				2020–21				योग			
बीमित कृषक	बीमित क्षेत्र0 है0 में	फसल क्षतिपूर्ति की धन0	लाभान्वित कृषक	बीमित कृषक	बीमित क्षेत्र0 है0 में	फसल क्षतिपूर्ति की धन0	लाभान्वित कृषक	बीमित कृषक	बीमित क्षेत्र0 है0 में	फसल क्षतिपूर्ति की धन0	लाभान्वित कृषक	बीमित कृषक	बीमित क्षेत्र0 है0 में	फसल क्षतिपूर्ति की धन0	लाभान्वित कृषक	बीमित कृषक	बीमित क्षेत्र0 है0 में	फसल क्षतिपूर्ति की धन0	लाभान्वित कृषक
22786	5101.44	9.03	584	18889	3876.32	22.61	1971	17508	2430.88	5.33	813	5842	1588.94	0.00	0	47517	10566.7	31.64	2555

आतमा योजना :–आतमा योजना के अन्तर्गत कृषि प्रौद्योगिकी के प्रचार–प्रसार हेतु कृषि प्रशिक्षण, फसल प्रदर्शन एवं फार्मर्स फिल्ड स्कूल की स्थापना, कृषि एवं अन्य रेखीय विभागों के कार्य क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कृषकों को विकासखण्ड एवं

जनपद स्तर पर किसान श्री, किसान भूषण पुरस्कारों से सम्मानित किया जाता है।योजना के अन्तर्गत कृषकों की खेती से सम्बन्धित समस्याओं के समाधान हेतु कृषक एवं कृषि वैज्ञानिक संवाद का आयोजन भी करवाया जाता है। जनपद में विगत चार वर्षों के दौरान 12 कृषकों को किसान भूषण एवं 93 कृषकों को किसान श्री पुरस्कारों के माध्यम से सब्जी उत्पादन, मत्स्यपालन, पशुपालन तथा कृषि के क्षेत्र में सम्मानित किया गया। आंकड़ें निम्नवत तालिका में प्रदर्शित हैं–

आतमा योजनान्तर्गत पुरस्कार वितरण का वर्षवार एंव विकासखण्डवार विवरण					
वर्ष / विकासखण्ड	2016–17	2017–18	2018–19	2019–20	योग
रूडकी	4	6	5	4	19
खानपुर	4	4	5	4	17
बहादराबाद	6	5	5	4	20
भगवानपुर	5	4	4	5	18
नारसन	4	4	5	5	18
लक्सर	3	5	4	5	17
योग	26	28	28	27	109

जनपद में विगत 12 वर्षों के दौरान फसलों के द्वारा आच्छादित क्षेत्रफल का फसलवार प्रमुख अंश निम्नवत उल्लिखित किये जा रहे हैं :–

चावल :– जनपद हरिद्वार में 12 वर्षों के मध्य चावल उत्पादन के लिए उपयोग किये जा रहे कुल क्षेत्रफल में 1947 हेक्टेयर की ऋणात्मक गिरावट तथा सिंचित क्षेत्रफल में 1852 हेक्टेयर क्षेत्रफल में ऋणात्मक गिरावट हुई है जिसमें सबसे अधिक योगदान विकासखण्ड बहादराबाद त्था सबसे कम विकासखण्ड भगवानपुर द्वारा दिया जाता है। आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका में प्रदर्शित किया गया है–

जनपद में मुख्य फसल चावल के अन्तर्गत क्षेत्रफल में बारह वर्षीय अन्तर (हेक्टेयर में)						
वर्ष	चावल खरीफ		चावल जायद		कुल चावल	
	कुल	सिंचित	कुल	सिंचित	कुल	सिंचित
2008–09	17140	16958	1	1	17141	16959
2019–20	15171	15084	23	23	15194	15107
बदलाव	-1969	-1874	22	22	**-1947**	**-1852**

जनपद में मुख्य फसल कुल चावल के अन्तर्गत क्षेत्रफल में बारह वर्षीय अन्तर (हेक्टेयर में)						
वर्ष / विकासखण्ड	वर्ष 2019–20		वर्ष 2008–09		बदलाव	
	कुल	सिंचित	कुल	सिंचित	कुल	सिंचित
भगवानपुर	2079	2067	2198	2069	**-119**	**-2**
रूड़की	1998	1977	2132	2123	-134	-146
नारसन	1919	1915	2035	2035	-116	-120
बहादराबाद	3879	3869	4521	4477	**-642**	**-608**
लक्सर	2647	2626	3060	3060	-413	-434
खानपुर	2672	2653	3097	3097	-425	-444
योग विकासखण्ड	15194	15107	17043	16861	-1849	-1754
नगरीय	0	0	98	98	-98	-98
योग जनपद	15194	15107	17141	16959	-1947	-1852

गेहूँ :– जनपद हरिद्वार में 12 वर्षों के मध्य गेहूँ उत्पादन के लिए उपयोग किये जा रहे कुल क्षेत्रफल में 3899 हेक्टेयर की ऋणात्मक गिरावट तथा सिंचित क्षेत्रफल में 2804 हेक्टेयर क्षेत्रफल में ऋणात्मक गिरावट हुई है जिसमें सबसे अधिक योगदान विकासखण्ड बहादराबाद, नारसन तथा सबसे कम विकासखण्ड भगवानपुर व खानपुर द्वारा दिया जाता है। आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका में प्रदर्शित किया गया है–

जनपद में मुख्य फसल गेहूँ के अन्तर्गत क्षेत्रफल में बारह वर्षीय अन्तर (हेक्टेयर में)		
वर्ष	गेहूँ	
	कुल	सिंचित
2008–09	48301	46440
2019–20	44402	43636
बदलाव	**-3899**	**-2804**

जनपद में मुख्य फसल कुल गेहूँ के अन्तर्गत क्षेत्रफल में बारह वर्षीय अन्तर (हेक्टेयर में)						
वर्ष / विकासखण्ड	वर्ष 2019–20		वर्ष 2008–09		बदलाव	
	कुल	सिंचित	कुल	सिंचित	कुल	सिंचित
भगवानपुर	9661	9473	10500	9189	-839	**284**
रूड़की	6763	6652	7350	7327	-587	-675

नारसन	7180	7067	7807	7807	-627	**-740**
बहादराबाद	10386	10211	11323	10917	**-937**	-706
लक्सर	7074	6958	7689	7689	-615	-731
खानपुर	3338	3275	3632	3511	**-294**	-236
योग विकासखण्ड	44402	43636	48301	46440	-3899	-2804
नगरीय	0	0	0	0	0	0
योग जनपद	44402	43636	48301	46440	-3899	-2804

मक्का :– जनपद हरिद्वार में 12 वर्षों के मध्य मक्का उत्पादन के लिए उपयोग किये जा रहे कुल क्षेत्रफल में 845 हेक्टेयर की ऋणात्मक गिरावट तथा सिंचित क्षेत्रफल में 191 हेक्टेयर क्षेत्रफल में ऋणात्मक गिरावट हुई है जिसमें सबसे अधिक योगदान विकासखण्ड बहादराबाद तथा सबसे कम विकासखण्ड रूड़की द्वारा दिया जाता है। आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका में प्रदर्शित किया गया है–

जनपद में मुख्य फसल मक्का के अन्तर्गत क्षेत्रफल में बारह वर्षीय अन्तर (हेक्टेयर में)		
वर्ष	**मक्का**	
	कुल	**सिंचित**
2008–09	1131	252
2019–20	286	61
बदलाव	**-845**	**-191**

जनपद में मुख्य फसल कुल मक्का के अन्तर्गत क्षेत्रफल में बारह वर्षीय अन्तर (हेक्टेयर में)						
वर्ष/ विकासखण्ड	वर्ष 2019–20		वर्ष 2008–09		बदलाव	
	कुल	सिंचित	कुल	सिंचित	कुल	सिंचित
भगवानपुर	124	19	471	85	-347	-66
रूड़की	4	0	36	16	**-32**	**-16**
नारसन	0	0	0	0	0	0
बहादराबाद	144	28	552	110	**-408**	**-82**
लक्सर	14	14	72	41	-58	-27
खानपुर	0	0	0	0	0	0
योग विकासखण्ड	286	61	1131	252	-845	-191
नगरीय	0	0	0	0	0	0
योग जनपद	286	61	1131	252	-845	-191

उड़दः– जनपद हरिद्वार में 12 वर्षों के मध्य उड़द उत्पादन के लिए उपयोग किये जा रहे कुल क्षेत्रफल में 39 हेक्टेयर की तथा सिंचित क्षेत्रफल में 42 हेक्टेयर क्षेत्रफल में वृद्धि हुई है जिसमें सबसे अधिक योगदान विकासखण्ड खानपुर तथा सबसे कम विकासखण्ड लक्सर द्वारा ऋणात्म्क गिरावट के रूप से दिया जाता है। आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका में प्रदर्शित किया गया है–

जनपद में मुख्य फसल उर्द के अन्तर्गत क्षेत्रफल में बारह वर्षीय अन्तर (हेक्टेयर में)		
वर्ष	**उर्द**	
	कुल	**सिंचित**
2008–09	252	225
2019–20	291	267
बदलाव	**39**	**42**

जनपद में मुख्य फसल कुल उर्द के अन्तर्गत क्षेत्रफल में बारह वर्षीय अन्तर (हेक्टेयर में)						
वर्ष/ विकासखण्ड	वर्ष 2019–20		वर्ष 2008–09		बदलाव	
	कुल	सिंचित	कुल	सिंचित	कुल	सिंचित
भगवानपुर	23	22	47	33	-24	-11
रूड़की	21	18	0	0	21	18
नारसन	47	40	25	25	22	15
बहादराबाद	25	25	50	37	-25	-12
लक्सर	14	14	80	80	**-66**	**-66**
खानपुर	161	148	50	50	**111**	**98**
योग विकासखण्ड	291	267	252	225	39	42
नगरीय	0	0	0	0	0	0
योग जनपद	291	267	252	225	39	42

दाल :– जनपद हरिद्वार में 12 वर्षों के मध्य कुल दाल उत्पादन के लिए उपयोग किये जा रहे कुल क्षेत्रफल में 559 हेक्टेयर की ऋणात्मक गिरावट तथा सिंचित क्षेत्रफल में 171 हेक्टेयर क्षेत्रफल में ऋणात्मक गिरावट हुई है, जिसमें सबसे अधिक योगदान विकासखण्ड भगवानपुर व लक्सर तथा सबसे कम विकासखण्ड नारसन द्वारा दिया जाता है। आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका में प्रदर्शित किया गया है–

जनपद में मुख्य फसल कुल दाल के अन्तर्गत क्षेत्रफल में बारह वर्षीय अन्तर (हेक्टेयर में)		
वर्ष	**कुल दाल**	
	कुल	**सिंचित**
2008–09	975	353

2019–20	416	182
बदलाव	**-559**	**-171**

जनपद में मुख्य फसल कुल दाल के अन्तर्गत क्षेत्रफल में बारह वर्षीय अन्तर (हेक्टेयर में)						
वर्ष / विकासखण्ड	वर्ष 2019–20		वर्ष 2008–09		बदलाव	
	कुल	सिंचित	कुल	सिंचित	कुल	सिंचित
भगवानपुर	164	37	362	57	**-198**	-20
रूड़की	46	25	100	8	-54	17
नारसन	32	22	52	37	**-20**	**-15**
बहादराबाद	121	55	292	102	-171	-47
लक्सर	39	29	116	96	-77	**-67**
खानपुर	14	14	53	53	-39	-39
योग विकासखण्ड	416	182	975	353	-559	-171
नगरीय	0	0	0	0	0	0
योग जनपद	416	182	975	353	-559	-171

खाद्यान्न :– जनपद हरिद्वार में 12 वर्षों के मध्य कुल खाद्यान्न उत्पादन के लिए उपयोग किये जा रहे कुल क्षेत्रफल में 7257 हेक्टेयर की ऋणात्मक गिरावट तथा सिंचित क्षेत्रफल में 5024 हेक्टेयर क्षेत्रफल में ऋणात्मक गिरावट हुई है, जिसमें सबसे अधिक योगदान विकासखण्ड बहादराबाद तथा सबसे कम विकासखण्ड खानपुर द्वारा दिया जाता है। आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका में प्रदर्शित किया गया है–

जनपद में मुख्य फसल कुल खाद्यान्न के अन्तर्गत क्षेत्रफल में बारह वर्षीय अन्तर (हेक्टेयर में)		
वर्ष	**कुल खाद्यान्न**	
	कुल	**सिंचित**
2008–09	67561	64015
2019–20	60304	58991
बदलाव	**-7257**	**-5024**

जनपद में मुख्य फसल कुल खाद्यान्न के अन्तर्गत क्षेत्रफल में बारह वर्षीय अन्तर (हेक्टेयर में)						
वर्ष / विकासखण्ड	वर्ष 2019–20		वर्ष 2008–09		बदलाव	
	कुल	सिंचित	कुल	सिंचित	कुल	सिंचित
भगवानपुर	12030	11597	13536	11405	-1506	192

रूड़की	8811	8654	9618	9474	-807	-820
नारसन	9132	9005	9896	9881	-764	-876
बहादराबाद	14533	14166	16694	15610	**-2161**	**-1444**
लक्सर	9774	9627	10937	10886	-1163	-1259
खानपुर	6024	5942	6782	6661	**-758**	**-719**
योग विकासखण्ड	60304	58991	67463	63917	-7159	-4926
नगरीय	0	0	98	98	-98	-98
योग जनपद	60304	58991	67561	64015	-7257	-5024

लाही/सरसों :– जनपद हरिद्वार में 12 वर्षों के मध्य कुल लाही/सरसों उत्पादन के लिए उपयोग किये जा रहे कुल क्षेत्रफल में 501 हेक्टेयर तथा सिंचित क्षेत्रफल में 531 हेक्टेयर क्षेत्रफल में वृद्धि हुई है, जिसमें सबसे अधिक योगदान विकासखण्डखानपुर तथा सबसे कम विकासखण्ड बहादराबाद व रूड़की द्वारा दिया जाता है। आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका में प्रदर्शित किया गया है–

जनपद में मुख्य फसल लाही/सरसों के अन्तर्गत क्षेत्रफल में बारह वर्षीय अन्तर (हेक्टेयर में)		
वर्ष	**चावल खरीफ**	
	कुल	**सिंचित**
2008–09	809	776
2019–20	1310	1307
बदलाव	**501**	**531**

जनपद में मुख्य फसल लाही/सरसों के अन्तर्गत क्षेत्रफल में बारह वर्षीय अन्तर (हेक्टेयर में)						
वर्ष/ विकासखण्ड	वर्ष 2019–20		वर्ष 2008–09		बदलाव	
	कुल	सिंचित	कुल	सिंचित	कुल	सिंचित
भगवानपुर	139	138	126	117	13	21
रूड़की	85	85	74	74	11	**11**
नारसन	196	196	111	110	85	86
बहादराबाद	148	147	139	122	**9**	25
लक्सर	349	349	170	165	179	184
खानपुर	393	392	189	188	**204**	**204**
योग विकासखण्ड	1310	1307	809	776	501	531
नगरीय	0	0	0	0	0	0
योग जनपद	1310	1307	809	776	501	531

गन्ना :– जनपद हरिद्वार में 12 वर्षों के मध्य कुल गन्ना उत्पादन के लिए उपयोग किये जा रहे कुल क्षेत्रफल में 906 हेक्टेयर तथा सिंचित क्षेत्रफल में 1433 हेक्टेयर क्षेत्रफल में वृद्धि हुई है, जिसमें सबसे अधिक योगदान विकासखण्ड नारसन धनात्मक तथा सबसे कम विकासखण्ड बहादराबाद द्वारा ऋणात्मक रूप से दिया जाता है। आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका में प्रदर्शित हैं–

जनपद में मुख्य फसल गन्ना के अन्तर्गत क्षेत्रफल में बारह वर्षीय अन्तर (हेक्टेयर में)		
वर्ष	गन्ना	
	कुल	सिंचित
2008–09	69035	67799
2019–20	69941	69232
बदलाव	906	1433

जनपद में मुख्य फसल गन्ना के अन्तर्गत क्षेत्रफल में बारह वर्षीय अन्तर (हेक्टेयर में)						
वर्ष/ विकासखण्ड	वर्ष 2019–20		वर्ष 2008–09		बदलाव	
	कुल	सिंचित	कुल	सिंचित	कुल	सिंचित
भगवानपुर	11310	11018	11259	10543	51	475
रूड़की	9232	9168	9279	9224	-47	-56
नारसन	14939	14869	14209	14209	**730**	**660**
बहादराबाद	11813	11667	12238	11982	**-425**	**-315**
लक्सर	15101	15013	14553	14613	548	400
खानपुर	7546	7497	7322	7053	224	444
योग विकासखण्ड	69941	69232	68860	67624	1081	1608
नगरीय	0	0	175	175	-175	-175
योग जनपद	69941	69232	69035	67799	906	1433

आलू :– जनपद हरिद्वार में 12 वर्षों के मध्य कुल आलू उत्पादन के लिए उपयोग किये जा रहे कुल क्षेत्रफल में 193 हेक्टेयर तथा सिंचित क्षेत्रफल में 196 हेक्टेयर क्षेत्रफल में ऋणात्मक कमी हुई है, जिसमें सबसे अधिक योगदान विकासखण्ड बहादराबाद तथा सबसे कम विकासखण्ड खानपुर द्वारा ऋणात्मक रूप से दिया जाता है। आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका में प्रदर्शित है–

जनपद में मुख्य फसल आलू के अन्तर्गत क्षेत्रफल में बारह वर्षीय अन्तर (हेक्टेयर में)		
वर्ष	आलू	
	कुल	सिंचित
2008–09	270	269
2019–20	77	73
बदलाव	-193	-196

जनपद में मुख्य फसल आलू के अन्तर्गत क्षेत्रफल में बारह वर्षीय अन्तर (हेक्टेयर में)						
वर्ष / विकासखण्ड	वर्ष 2019–20		वर्ष 2008–09		बदलाव	
	कुल	सिंचित	कुल	सिंचित	कुल	सिंचित
भगवानपुर	23	22	66	66	-43	-44
रूड़की	10	9	37	37	-27	-28
नारसन	10	9	48	48	-38	-39
बहादराबाद	15	15	67	66	-52	-51
लक्सर	15	14	42	42	-27	-28
खानपुर	4	4	10	10	-6	-6
योग विकासखण्ड	77	73	270	269	-193	-196
नगरीय	0	0	0	0	0	0
योग जनपद	77	73	270	269	-193	-196

डेयरी विकास

जनपद हरिद्वार में धार्मिक पर्यटन अधिक मात्रा में होता है जिस कारण यहाँ 2 लाख लीटर के लगभग दूध प्रतिदिन उपयोग किया जाता है जिसमें डेयरी विकास की स्थापित 250 डेयरी समिति के द्वारा मात्रा 11865 लीटर दूध प्रतिदिन उपार्जन किया जाता है जिसमें से 7928 लीटर दूधप्रतिदिन विक्रय किया जा रहा है, जबकि अवशेष दूध अन्य राज्यों एवं अन्य संसाधनों से बाजार में उपलब्ध हो रहा है जिसमें दूध की गुणवत्ता पर असर पड़ना स्वाभाविक है।

डेयरी विकास द्वारा जनपद में कुल 329 डेयरी समिति का गठन किया गया जिसमें से वर्तमान में 79 डेयरी समितियाँ निष्क्रीय हैं अर्थात जनपद में वर्तमान में 250 डेयरी समितियाँ ही कार्यरत है जिनमें 13451 दुग्ध उत्पादकसदस्य सम्मिलित तो हैं किन्तु दूध उपलब्ध करवाने वाले सदस्य मात्र 2821 ही हैं, जो कि बहुत कम संख्या है।

जनपद में दुग्ध के व्यवसाय को आसानी से बढ़ाया जा सकता है जिसमें रोजगार की अपार सम्भावनायें मौजूद है जनपद के अन्तर्गत डेयरी प्लांट की क्षमता को 5000 लीटर से बढ़ाते हुए 50000 लीटर यदि किया जाता है तो विभाग में नये पद सृजित करने की आवश्यकता होगी। डेयरी समितियों तथा डेयरी प्लांट को आधुनिकीकृत यंत्रों से युक्त किया जाना भी उचित होगा, जिससे सदस्यों की संख्या में भी वृद्धि तों होगी ही साथ ही गुणवत्ता युक्त दूध की मात्रा एवं रोजगार में भी वृद्धि होगी। भगवानपुर विकासखण्ड के सदस्यों द्वारा ही अन्य विकासखण्ड़ों के सदस्यों की अपेक्षा औसतन अच्छा दूध उपार्जन किया जा रहा है जिसका अनुश्रण अन्य विकासखण्डों में भी किया जाना चाहिए। संबंधित आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका में प्रदर्शित किया गया है–

जनपद हरिद्वार में विकासखण्डवार डेयरी विकास का वर्षवार एवं विकासखण्डवार भौतिक विवरण									
क्र0 सं0	वर्ष / विकास खण्ड	मद							
		समिति गठन	कार्यरत समितियां	सदस्यता	पोरर सदस्य	उपार्जन ली0 में	दुग्ध विक्रय ली0 में	पशुआहार विक्रय कु0 में	गंगा गाय अन्तर्गत पशु क्रय
1	2017-18	320	282	12207	3204	14923	9084	1131.9	90
2	2018-19	321	256	12342	3172	13120	9577	951.65	57
3	2019-20	327	252	12887	2755	13912	8626	746.65	–
वर्ष 2020–21 का विवरण									
1	बहादराबाद	24	18	540	76	1449	–	102	–
2	भगवानपुर	76	62	3041	596	3342	–	109.2	–
3	खानपुर	92	61	3760	701	2107	–	102	–
4	लक्सर	72	57	3160	693	2090	–	101.2	–
5	नारसन	61	51	2830	727	2798	–	117	–
6	रूड़की	4	1	120	28	79	–	61	–
योग		**329**	**250**	**13451**	**2821**	**11865**	**7928**	**592.4**	**0**

जनपद हरिद्वार में दुग्ध समिति का वर्षवार एवं विकासखण्डवार विवरण				
क्रं0सं0	विकासखण्ड	कुल दुग्ध समिति	सक्रीय दुग्ध समिति	निष्क्रीय दुग्ध समिति
1	2017-18	320	282	38
2	2018-19	321	256	65
3	2019-20	327	252	75
वर्ष 2020–21 का विवरण				
1	बहादराबाद	24	18	06
2	भगवानपुर	76	62	14
3	खानपुर	92	61	31
4	लक्सर	72	57	15
5	नारसन	61	51	10
6	रूड़की	04	01	03
योग		**329**	**250**	**79**

मत्स्य विभाग

प्राकृतिक जल, भू–संसाधनों के सुनियोजित एवं वैज्ञानिक दोहन पर ही जनपद का आर्थिक विकास मूल रूप से आधारित है। पौष्टिक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थ में से मछली भी एक है। जनपद के लोगों के कुपोषण को दूर करने एवं आर्थिकी में मछली पालन भी एक सहायक है। मत्स्य विभाग द्वारा मत्स्य प्रजातियों को वैज्ञानिक विधि से पालन करने के लिए विगत पांच वर्षों मेंमत्स्य तालाब का निर्माण एवं सुधार विभिन्न विभागीय योजनाओं के अन्तर्गत करवाया गया।

विभाग द्वारा उपलब्ध करवाये गये आंकड़ों के अध्ययन से ज्ञात होता है कि जनपद में विगत पांच वर्षों के मध्य विभाग द्वारा कुल रूपये 182.385लाख की धनराशि का परिव्यय करते हुए 121 लाभार्थियों को लाभांश पहुँचाते हुए मत्स्य तालाबों का निर्माण एवं सुधार करवाया गया, जिसमें विकासखण्ड लक्सर द्वारा सबसे अधिक 31 तथा सबसे कम विकासखण्ड रूडकी द्वारा मात्र 9 मत्स्य तालाब स्थापित करते हुए अपना योगदान दिया गया है। आंकड़ों से यह भी स्पष्ट होता है कि वर्ष 2018–19 में सबसे अधिक 39 मत्स्य तालाबों को विभाग द्वारा स्थापित किया गया। आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका में दर्शाया गया है–

वर्षवार मत्स्य तालाबों के निर्माण एवं सुधार का विवरण			
वर्ष	लाभान्वितों की संख्या	आच्छादित क्षेत्रफल (हे0 में)	व्यय धनराशि (लाख में)
2017-18	34	14.15	51.510
2018-19	39	16.93	57.575
2019-20	17	4.80	25.035
2020-21	20	7.35	32.335
2021-22	11	3.77	15.930
योग	**121.000**	**47.00**	**182.385**

मत्स्य विभाग द्वारा विगत पांच वर्षों के मध्य मत्स्य तालाब निर्माण एवं सुधार का विकासखण्डवार विवरण			
विकासखण्ड	लाभान्वितों की संख्या	आच्छादित क्षेत्रफल (हे0 में)	व्यय धनराशि (लाख में)
लक्सर	31	12.08	38.468
नारसन	28	10.50	46.870
खानपुर	22	8.02	33.212
भगवानपुर	18	7.40	30.900
बहादराबाद	13	4.40	18.475
रूडकी	9	4.60	14.460
जनपद	121	47.00	182.385

अध्याय V

परिचय विश्लेषण एवं सिफारिश

हरिद्वार जनपद उत्तराखण्ड के मैदानी भाग में स्थित है तथा इसके पश्चिम में उत्तर प्रदेश का सहारनपुर जनपद, दक्षिण में मुजफ्फरनगर एवम् बिजनौर जनपद एवं उत्तर में उत्तराखण्ड का देहरादून जनपद एवं पूर्व में पौड़ी जनपद है। जनपद का भौगोलिक क्षेत्रफल 2360 वर्गकिमी0 है जो कि राज्य के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का 4.4% है। जनपद की जनसंख्या राज्य की कुल जनसंख्या का 18.70% है।

यह जनपद धार्मिक स्थानों के लिए प्रसिद्ध है तथा राज्य में औद्योगिक केन्द्र के रूप में भी विकसित हुआ है। जनपद में 3 तहसील, 6 विकास खण्ड, 46 न्याय पंचायत, 306 ग्राम पंचायत एवं 500 आबाद ग्राम हैं। जनपद में ग्रामीण, वन एवं नगरीय क्षेत्रों की जनसंख्या एवं बदलाव प्रतिशत निम्नलिखित तालिकाओं में अंकित है–

जनपदान्तर्गत ग्रामीण, वन एवं नगरीय क्षेत्रों में दशकीय जनगणना हेतु जनसंख्या वृद्धि दर का तुलनात्मक विवरण

विकासखण्ड	कुल जनसंख्या			
	वर्ष 2001	वर्ष 2011	बदलाव	बदलाव प्रतिषत
बहादराबाद	242559	312254	69695	28.73%
खानपुर	41446	53194	11748	28.35%
लक्सर	138136	171889	33753	24.43%
भगवानपुर	179740	215326	35586	19.80%
नारसन	173905	204807	30902	17.77%
रूड़की	214299	222943	8644	4.03%
योग ग्रामीण	**990085**	**1180413**	**190328**	**19.22%**
वन क्षेत्र	10827	16915	6088	56.23%
नगरीय क्षेत्र	446275	693094	246819	55.31%
योग जनपद	**1447187**	**1890422**	**443235**	**30.63%**

पलायन की स्थिति

अस्थायी पलायन :–स्थानीय स्तर पर युवाओं का अस्थायी पलायन फैक्ट्रीयों एवं आस–पास के शहरों में आजीविका के साधनों के लिए हो रहा है। फलस्वरूप कृषि एवं उससे जुड़े कार्यों के लिए श्रमिकों की कमी है।स्थानीय पलायन उचित शिक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं के अभाव में भी हो रहा है। वर्ष 2008 से वर्ष 2018 के मध्य जनपद हरिद्वार के कुल 153 ग्राम पंचायतों में 8168 व्यक्तियों द्वारा अस्थायी पलायन किया गया है, जिसमें सबसे अधिक विकासखण्ड बहादराबाद के 46 ग्राम पंचायतों में 3091 व्यक्तियों द्वारा तथा सबसे कम नारसन विकासखण्ड के मात्र 08 ग्राम पंचायतों में 111 व्यक्तियों द्वारा अस्थायी पलायन किया गया, जबकि विकासखण्ड लक्सर में विकासखण्ड लक्सर एवं खानपुर के सापेक्ष मात्र 10 ग्राम पंचायतों में 574 व्यक्तियों द्वारा अधिक अस्थायी पलायन के आंकड़ें प्राप्त हुए जो कि नजदीकी कस्बों/शहरों की ओर रोजगार हेतु अस्थायी पलायन का द्योतक है। आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका में प्रदर्शित किया गया है–

10 वर्षों (वर्ष 2008–2018) में हरिद्वार जनपद के ग्राम पंचायतों से हुए अस्थायी पलायन का विकासखण्ड़वार विवरण			
जनपद का नाम	विकासखण्ड का नाम	ग्राम पंचायतों की कुल संख्या (जिन्होने पूर्ण रूपेण पलायन न किया हो/घर में आना–जाना लगा रहता हो/अस्थाई रूप से रोजगार के लिए बाहर रहता हो)	पिछले 10 वर्षो में पलायन करने वाले कुल व्यक्तियों की संख्या (जिन्होने पूर्ण रूपेण पलायन न किया हो/घर में आना–जाना लगा रहता हो/अस्थाई रूप से रोजगार के लिए बाहर रहता हो)
Haridwar	Bahadrabad	46	3091
Haridwar	Roorkee	40	2376
Haridwar	Bhagwanpur	32	1716
Haridwar	Khanpur	17	300
Haridwar	Laksar	10	574
Haridwar	Narsan	8	111
Total IN District		**153**	**8168**
Total IN State		6338	383726

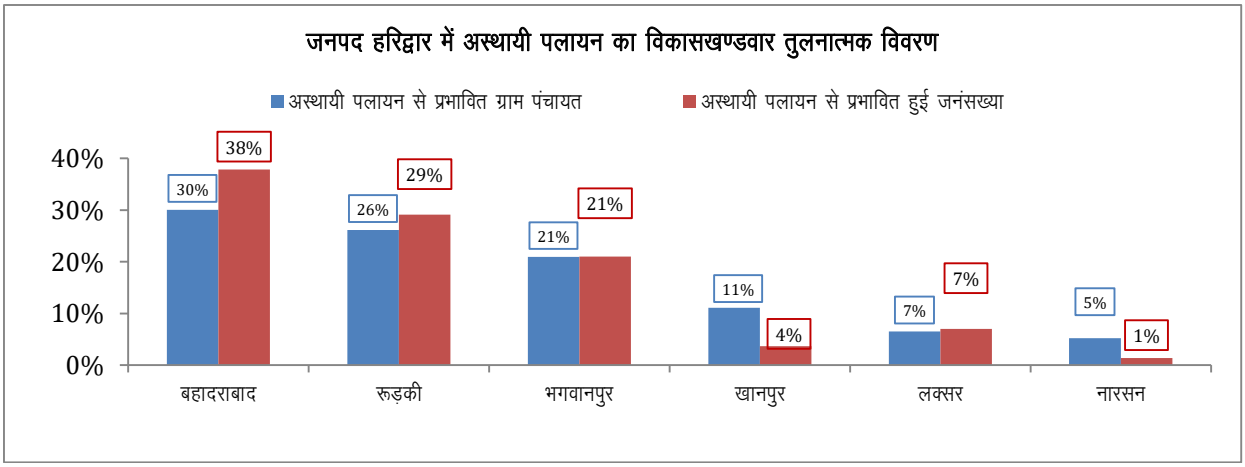

स्थायी पलायन :–जनपद हरिद्वार में कुल 73 ग्राम पंचायतों में 1251 व्यक्तियों द्वारा पिछले दस सालों (वर्ष 2008–2018) में स्थायी पलायन किया गया, जिसमें सबसे अधिक विकासखण्ड बहादराबाद के 27 ग्राम पंचायतों में 571 व्यक्तियों द्वारा तथा सबसे कम विकासखण्ड लक्सर के मात्र 02 ग्राम पंचायतों में 03 व्यक्तियों द्वारा स्थायी पलायन किया गया, जबकि विकासखण्ड रूड़की के मात्र 04 ग्राम पंचायतों में ही 39 व्यक्तियों द्वारा अन्य विकसखण्डों के अपेक्षा अधिक स्थायी पलायन किया जाना नजदीकी कस्बों/शहरों में शिक्षा, स्वास्थ्य जैसी सुविधाओं की समुचित व्यवस्था में अभाव के कारण किया जा रहा है। आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका में प्रदर्शित किया गया है–

10 वर्षों (वर्ष 2008–2018) में हरिद्वार जनपद के ग्राम पंचायतों से हुए स्थायी पलायन का विकासखण्डवार विवरण			
जनपद का नाम	विकासखण्ड का नाम	ग्राम पंचायतों की कुल संख्या (जो लोग पूर्ण रूप से पलायन कर चुके हो या अपनी जमीन बेच चुके हो/अथवा भूमि बंजर पड़ी हो/घरों पर ताले लगे हो/तथा बहुत कम गॉव आना होता हो)	पिछले 10 वर्षो में पूर्ण पलायन करने वाले कुल व्यक्तियों की संख्या (जो पूर्ण रूप से पलायन कर चुके हो या अपनी जमीन बेच चुके हो/अथवा भूमि बंजर पड़ी हो/घरों पर ताले लगे हो/तथा बहुत कम गॉव आना होता हो)
Haridwar	Bahadrabad	27	571
Haridwar	Bhagwanpur	22	468
Haridwar	Khanpur	13	142
Haridwar	Narsan	5	28
Haridwar	Roorkee	4	39
Haridwar	Laksar	2	3
Total IN District		**73**	**1251**
Total IN State		**3946**	**118981**

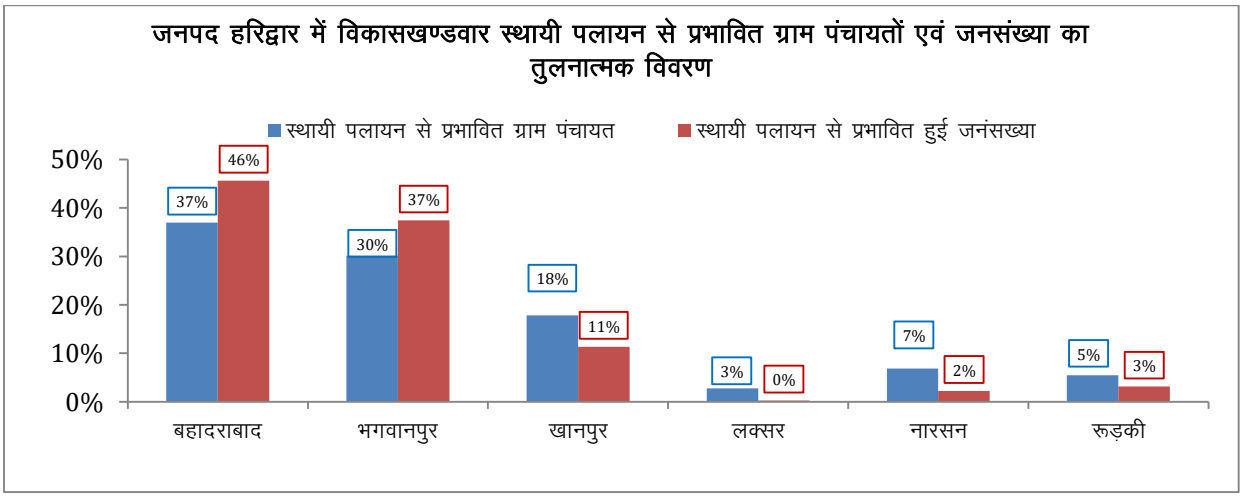

पलायन के मुख्य कारण

पलायन का मुख्य कारण आजीविका/रोजगार, की समस्या के साथ–साथ शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी सुविधाओ की कमी है। जनपद हरिद्वार में आजीविका/रोजगार के अभाव के कारण 76.6% सबसे अधिक पलायन तथा 0.05% सबसे कम आधारभूत सुविधाओं की कमी की वजह से हो रहा है, जिसमें रोजगार जैसी समस्या के कारण सबसे अधिक पलायन विकासखण्ड रूड़की में 97.25%**,** चिकित्सा सुविधाओं में अभाव के कारण विकासखण्ड बहादराबाद में 3.23%, शिक्षा सुविधा के कारण 7.25%, कृषि भूमि में पैदावार की कमी के कारण 4.88% तथा देखा देखी के कारण 7.12% विकासखण्ड लक्सर में हुआ। विस्तृत आंकड़े नीचे दी गई तालिका में प्रस्तुत हैं–

ग्राम पंचायतों से पलायन के मख्य कारण का जनपद और विकासखण्ड में विवरण										
ग्राम पंचायत से पलायन के कारण (लगभग प्रतिशत में)										
जनपद	विकासखण्ड का नाम	आजीविका/ रोजगार की समस्या (प्रतिशत)	चिकित्सा सुविधा का आभाव (प्रतिशत)	शिक्षा सुविधा का आभाव (प्रतिशत)	इन्फ्राटक्चर (सड़क, बिजली, पानी व अन्य का आभाव) (प्रतिशत)	कृषि भूमि में उत्पादकता/पैदावार की कमी (प्रतिशत)	परिवार/सगे संबन्धियों की देख–देखी पलायन करना (प्रतिशत)	जंगली जानवरों के द्वारा कृषि को हानि पहुंचाने करने के कारण (प्रतिशत)	अन्य कोई विशेष कारण (प्रतिशत)	योग
Haridwar	Bahadrabad	81.73	3.23	4.56	0	0.52	2.54	1.35	6.06	100
Haridwar	Bhagwanpur	63.83	0.55	1.17	0.21	0.31	0.1	0.28	33.55	100
Haridwar	Khanpur	100	0	0	0	0	0	0	0	100
Haridwar	Laksar	58.5	1.75	7.25	0	4.88	7.12	0	20.5	100
Haridwar	Narsan	0.25	0	0	0	0	0	5	94.75	100
Haridwar	Roorkee	97.25	0	0	0	0	2.75	0	0	100
Total IN District		76.6	1.62	2.73	0.05	0.64	1.69	0.82	15.85	100
Total IN State		50.16	8.83	15.21	3.74	5.44	2.52	5.61	8.48	100

आयु वर्गवार पलायन :–आंकड़ों में स्पष्ट हुआ हैं कि राज्य में सबसे अधिक लगभग 42.25 प्रतिशत पलायन 26 से 35 आयु वर्ग द्वारा किया गया है, जिसमें जनपद हरिद्वार द्वारा 52.79 प्रतिशत द्वारा राज्य में योगदान किया गया। जनपद हेतु उक्त आंकड़ों में सबसे अधिक योगदान विकासखण्ड खानपुर द्वारा दिया गया। जनपद की आयु वर्गवार पलायन की विस्तृत जानकारी नीचे तालिकाओं एवं ग्राफों में प्रदर्शित की गई है–

ग्राम पंचायतों से आयु वर्गवार पलायन का जनपद और विकासखण्ड़वार विवरण					
जनपद का नाम	विकासखण्ड का नाम	ग्राम पंचायत से पलायन करने वालों की आयु (लगभग प्रतिशत में)			
		25 साल से कम आयु वर्ग (वर्तमान में)	26 से 35 आयु वर्ग (वर्तमान में)	35 साल से अधिक आयु वर्ग (वर्तमान में)	योग
Haridwar	Bahadrabad	18.3	52.86	28.84	100
Haridwar	Bhagwanpur	10.23	26.14	63.64	100
Haridwar	Khanpur	0.31	93.19	6.5	100
Haridwar	Laksar	25	55	20	100
Haridwar	Narsan	NA	NA	NA	NA
Haridwar	Roorkee	22.14	42.14	35.71	100
Total IN District		13.99	52.79	33.22	100
Total IN State		28.66	42.25	29.09	100

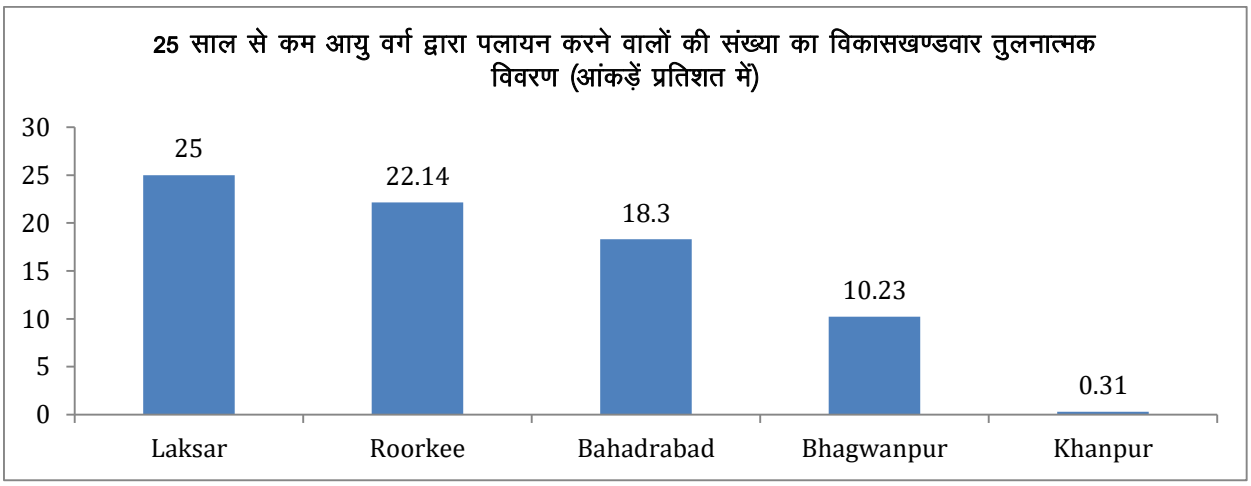

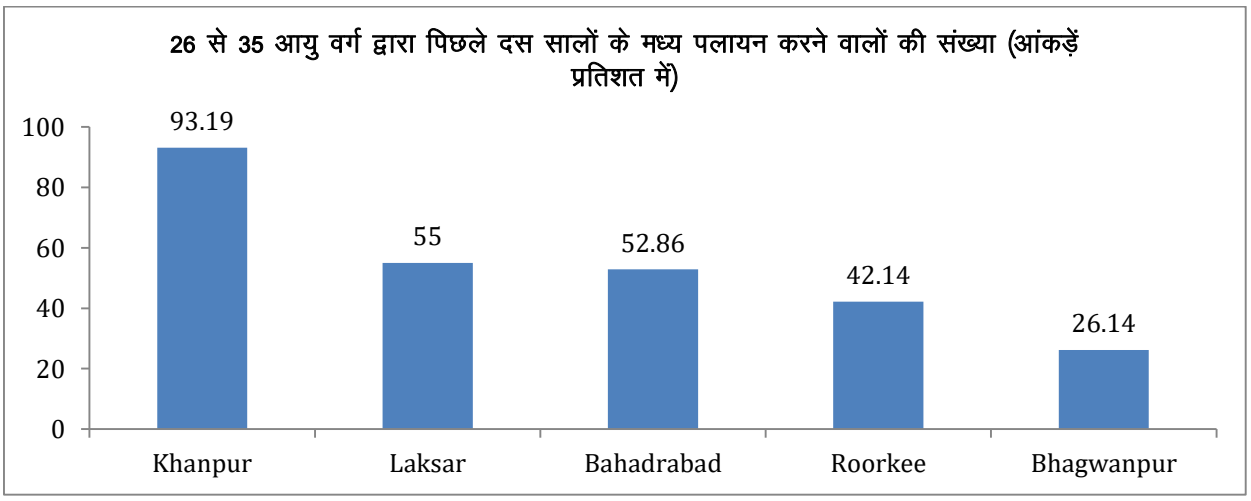

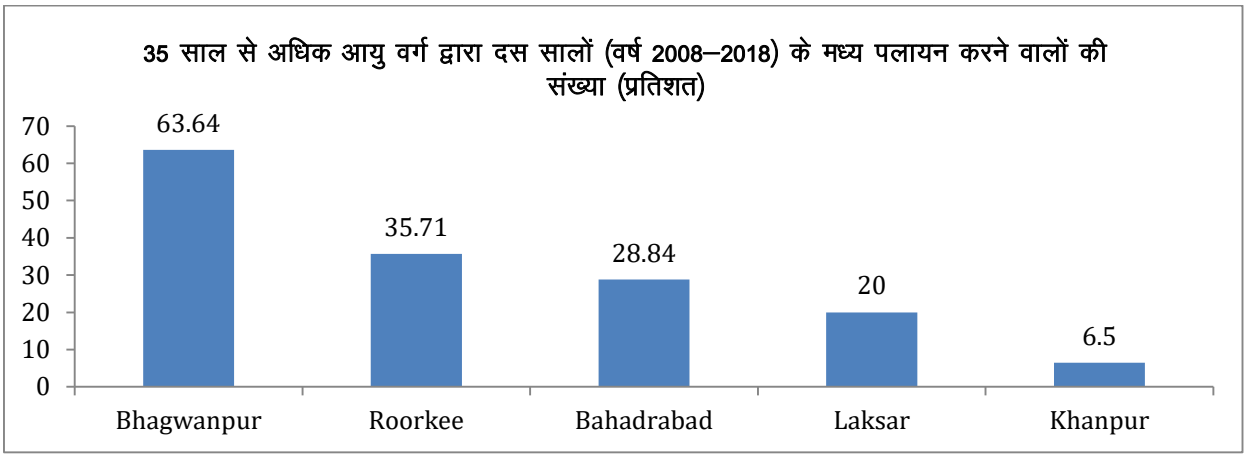

जनपद में गंतव्यवार पलायन

ग्राम पंचायतों से हो रहे पलायन के गंतव्य के विश्लेषण कर सामने आये आंकड़ों को इस खण्ड़ में प्रस्तुत किया जा रहा है, जिससे स्पष्ट हुआ है कि जनपद के ग्राम पंचायतों से सबसे अधिक पलायन लगभग 44.27 प्रतिशत नजदीकी कस्बों एवं 20.85 प्रतिशत पलायन राज्य के बाहर हुआ है।

हरिद्वार जिले में पलायन के गन्त्वयों हेतु आंकड़ों से ज्ञात होता है कि नजदीकी कस्बों में सबसे अधिक पलायन विकासखण्ड खानपुर में 84.06%,जनपद मुख्यालय में पलायन के आंकड़ों हेतु सबसे अधिक पलायन विकासखण्ड लक्सर में 21. 62% तथा राज्य के अन्य जनपदों हेतु सबसे अधिक पलायन विकासखण्ड भगवानपुर, राज्य से बाहर एवं देश के बाहर हेतु सबसे अधिक पलायन विकासखण्ड बहादराबाद में क्रमशः 35.77% तथा 0.91% की दर से हुआ है, अर्थात जनपद हरिद्वार के अन्तर्गत सबसे अधिक पलायन नजदीकी कस्बों में होने की पुष्टि होती है। आंकडों का विवरण निम्नवत तालिका में दर्शाया गया है–

ग्राम पंचायत से हुए पलायन के गन्तव्यों का जनपद और विकासखण्ड़वार विवरण							
		ग्राम पंचायत से पलायन कहाँ किया गया (लगभग प्रतिशत में)					
जनपद का नाम	विकासखण्ड का नाम	नजदीकी कस्बों में	जनपद मुख्यालय	राज्य के अन्य जनपदों में	राज्य से बाहर	देश से बाहर	योग
Haridwar	Bhadrabad	27.39	16.7	19.23	35.77	0.91	100
Haridwar	Bhagwanpur	29.32	24.27	26.59	19.4	0.41	100
Haridwar	Khanpur	84.06	15.39	0	0.56	0	100
Haridwar	Laksar	65	21.62	8.75	4.6	0.02	100
Haridwar	Narsan	NA	NA	NA	NA	NA	NA
Haridwar	Roorkee	68	13.75	13.62	4.62	0	100
Total IN District		**44.27**	**18.29**	**16.1**	**20.85**	**0.49**	**100**
Total IN State		19.46	15.18	35.69	28.72	0.96	100

जनपद की अर्थव्यवस्था हेतु वर्ष 2011–12 से वर्ष 2016–17 के लिए GDDP हेतु उपलब्ध आंकड़ों से स्पष्ट होता है, कि उक्त अवधि के मध्य जनपद की GDDP एवं प्रति व्यक्ति आय में क्रमशः 3.51% तथा 4.39% की गिरावट हुई है, भले ही वर्ष 2015–16 के उपरान्त वृद्धि के आंकड़ें प्रदर्शित होते हैं। आंकड़ों को निम्नवत तालिका में दर्शाया गया है–

सकल जिला घरेलू उत्पाद हेतु वर्षवार विवरण			
वर्ष	**GDDP** (लाख में)	पूर्ववर्ती **GDDP** के बाद से बदलाव	
		शुद्ध बदलाव	बदलाव प्रतिशत
2011–12	3541395	NA	NA
2012–13	4034601	493206	13.93%
2013–14	4521113	486512	12.06%
2014–15	4851472	330359	7.31%
2015–16	5268088	416616	8.59%
2016–17	5816824	548736	10.42%

प्रति व्यक्ति आय का वर्षवार विवरण			
वर्ष	प्रति व्यक्ति आय (रूपये में)	पूर्ववर्ती प्रति व्यक्ति आय के बाद से बदलाव	
		शुद्ध बदलाव	बदलाव प्रतिशत
2011–12	163869	NA	NA
2012–13	185429	21560	13.16%
2013–14	204498	19069	10.28%
2014–15	217931	13433	6.57%
2015–16	233566	15635	7.17%
2016–17	254050	20484	8.77%

प्राथमिक क्षेत्र :– उत्तराखण्ड राज्य के सभी जनपदों में अधिकांश आबादी अपनी आजीविका के लिए कृषि पर निर्भर हैं। जनपद हरिद्वार में भी यह स्थिति है। जनपद की प्रमुख फसल गन्ना है जिसकी खेती कुल सिंचित क्षेत्र के 52.06% भाग पर की जाती है। गन्ने के बाद कुल सिंचित भूमि क्षेत्र के 31.26% भागपर गेहूँ, 9.38% भागपर धान, 1.01% भागपर दलहन और 6.29% भागपर अन्य फसलों की खेती की जाती है। जिले की कुछ महत्त्वपूर्ण फसलें गेहूँ, धान, मक्का और दालें हैं। कुल 1,18,376 हेक्टेयर फसल क्षेत्र में से 10,824 हेक्टेयर सिंचित है। बेहतर सिंचाई सुविधा के कारण, भूमि उपयोग की तीव्रता और भूमि उत्पादकता अधिक है। 63% जोत 01 हेक्टेयर से कम है, और कुल कृषि क्षेत्र के पांचवें हिस्से में 1–2 हेक्टेयर भूमि जोत है।

द्वितीयक क्षेत्र :– जनपद हरिद्वार में वर्ष 2003 से पूर्व कुल 1637 लघु और मध्यम उद्योग थे। उद्यमों पर कुल रूपये 475.38 करोड़ का निवेश किया गया था, जिनसे 17,251 लोगों को रोजगार दिया गया। वर्ष 2003 में विशेष रियायत क्षेत्र के लागू होने के बाद रू0 17,74,637 करोड़ के निवेश से 1297 लघु, मध्यम और बडे पैमाने के उद्योगों की स्थापना की गई। उत्तराखण्ड राज्य औद्योगिक विकास निगम (सिडकुल) ने औद्योगीकरण को प्रोत्साहित करने के लिए शिवालिक नगर से सटे जिले में औद्योगिक विकास क्षेत्र स्थापित किया। हिन्दुस्तान लीवर, डाबर, महिन्द्रा एण्ड महिन्द्रा, हेवेल्स, और हीरो होण्डा जैसे औद्यागिक दिग्गजों के साथ मैकेनिक, इलेक्ट्रीशियन, फिटर, मैकेनिक ऑटोमोबाइल, टर्नर और टेक्नोक्रेट जैसे कई रोजगार उपलब्ध हुए।

भारत सरकार द्वारा प्रदान किये गये रियायती औद्योगिक पैकेज के कारण जिले में बड़ी संख्या में इकाइयां स्थापित की गई। सिडकुल में उद्योगों को 10 वर्षों के लिए 100% केन्द्रीय उत्पाद शुल्क छूट, पहले 5 वर्षों के लिए 100%कर छूट और अगले 5 वर्षों के लिए 30% छूट का लाभ मिला। उद्योगोंको भी पूँजी निवेश पर 15% की अनुदान का लाभ दिया गया बशर्ते अधिकतम निवेश रूपये 30 लाख का था। वर्तमान में जनपद में स्थापित उद्यमों का विवरण निम्नवत तालिका में प्रदर्शित किया गया है–

जनपद में उद्यमों का विवरण		
क्र0स0	औद्योगिक उद्यम	इकाइयाँ
1	कपड़ा	81
2	इलेक्ट्रीकल एण्ड इलेक्ट्रानिक्स	166
4	खाद्य प्रसंस्करण	245
5	दवाइयों	45
6	साबुन और प्रसाधन सामग्री	18
7	ऑटोमोबाइल	18
8	विविध अभियांत्रिकी	26
9	पैकेजिंग	93
10	इस्पात	137
11	फुटवियर	10
12	प्लास्टिक	128
13	इको–पर्यटन	36
14	अन्य	1480
योग		2483

तृतीयक क्षेत्र :–जनपद हरिद्वार में हर साल औसतन 1.5 करोड़ से अधिक धार्मिक पर्यटक आते हैं। वर्ष 2019–20 में कुल पर्यटक आगमन 2,17,49,425 घरेलू पर्यटक और 20,807 अन्तराष्ट्रीय पर्यटक थे। वर्तमान में जनपद में 72 बेड युक्त 2 पर्यटन आवास गृह, 535 होटल तथा 525 धर्मशालायें वर्तमान में मौजूद हैं जो पर्यटकों की वर्तमान आमद को समायोजित करने के लिए पर्याप्त नहीं हैं। जिले में असीमित पर्यटन क्षमता को ध्यान में रखते हुए, सार्वजनिक निजी भागीदारी के साथ गुणवत्तापूर्ण आवास

सुविधाओं, पीक सीजन के दौरान विशेष परिवहन सुविधाओं और धार्मिक मेंलों के विकास के लिए परियोजनाओं को शुरू करने की अपार सम्भावनाएं हैं।

कर्मकर :– जनपदान्तर्गत मुख्य कर्मकरों में कृषक एवं पारिवारिक उद्योग हेतु आंकड़ों के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि जनपद के विकासखण्ड खानपुर, नारसन एवं नगरीय क्षेत्र को छोड़ते हुए अन्य सभी विकासखण्ड़ों के साथ–साथ वन क्षेत्र में कृषकों तथा पारिवारिक उद्योगों में गिरावट हुई है अर्थात इन सभी स्थानों में कृषक एवं पारिवारिक उद्योगों को बढ़ावा दिये जाने की आवश्यकता है। सम्बन्धित आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका में दर्शाया गया है–

जनपद हरिद्वार में मुख्य कर्मकर का दशकीय परिवर्तन						
विकासखण्ड / नगर / वन	मुख्य कर्मकर जनगणना वर्ष 2001		मुख्य कर्मकर जनगणना वर्ष 2011		बदलाव	
	कृषक	पारिवारिक उद्योग	कृषक	पारिवारिक उद्योग	कृषक	पारिवारिक उद्योग
भगवानपुर	15743	1845	13966	1038	-1777	-807
बहादराबाद	16623	1986	16095	1488	-528	-498
लक्सर	16448	901	15683	778	-765	-123
रूड़की	12134	1666	11291	1557	-843	-109
खानपुर	7669	287	8512	274	843	-13
नारसन	17442	1535	17653	2310	211	775
विकासखण्ड योग	**86059**	**8220**	**83200**	**7445**	**-2859**	**-775**
वनवस्तियॉ	510	1249	1597	73	1087	-1176
ग्रामीण क्षेत्र	**86569**	**9469**	**84797**	**7518**	**-1772**	**-1951**
नगरीय	1645	3492	3153	7406	1508	3914
जनपद योग	**88214**	**12961**	**87950**	**14924**	**-264**	**1963**

वर्ष 2001 से वर्ष 2011 के मध्य प्रमुख मदों के विकासखण्डवार संकेतक में बदलाव							
क्र0सं0	विकासखण्ड	जनसंख्या का घनत्व प्रति वर्ग किमी0	अनु0जाति / जनजाति का कुल जनसंख्या से प्रतिशत	कुछ मुख्य कर्मकरों का कुल जनसंख्या से प्रतिशत	कृषि में लगे कर्मकरों का कुल मुख्य कर्मकरों से प्रतिशत	पारिवारिक उद्योग में कर्मकरों का कुल मुख्य कर्मकरों से प्रतिशत	साक्षर व्यक्तियों का कुल जनसंख्या से प्रतिशत
1	भगवानपुर	26.9%	2.3%	3.2%	**-16.8%**	**-54.7%**	22.0%
2	रूड़की	**-7.0%**	8.7%	12.0%	**-0.9%**	**-18.5%**	19.3%

3	नारसन	18.7%	1.3%	0.1%	**-1.2%**	25.3%	19.9%
4	बहादराबाद	38.2%	**-6.3%**	9.7%	**-25.2%**	**-47.0%**	18.1%
5	लक्सर	27.4%	**-0.8%**	**-0.2%**	**-4.8%**	**-30.4%**	21.1%
6	खानपुर	27.9%	0.7%	3.4%	**-1.8%**	**-28.1%**	23.3%
जनपद		20.9%	0.9%	5.8%	**-10.1%**	**-28.5%**	19.7%

क्षेत्रवार सिफारिशें

ग्राम्य विकास

ग्राम्य विकास विभाग द्वारा जनपद हरिद्वार के ग्रामीण क्षेत्रों में सामाजिक एवं आर्थिक विकास को सुदृढ़ करने के लिए विभिन्न योजनाऐं चलाई जा रही हैं जैसे कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन तथा प्रधानमंत्री आवास योजना। ग्राम्य विकास की प्रक्रिया को और सुदृढ़ करने के लिए निम्नलिखित सिफारिशें प्रस्तुत की जा रही है ताकि जनपद की ग्रामीण क्षेत्रों की सामाजिक–आर्थिक स्थिति में तीव्रता से सुधार होगा एवं ग्रामीण क्षेत्रों से शहरों की ओर हो रहे पलायन में भी कमी आएगी–

1. जनपद में कुल 210425 जारी किये गये जॉबकार्डों में से अभी लगभग 72% जॉबकार्ड निष्क्रीय हैं। निष्क्रीय जॉबकार्डों के अध्ययन से यह भी स्पष्ट हो जाता है कि बहादराबाद विकासखण्ड में जनपद में सबसे अधिक लगभग 75% जॉबकार्ड निष्क्रीय हैं अर्थात जनपद में 72% जॉबकार्ड धारक काम करने के लिए मांग ही नहीं कर रहें हैं या 72% जॉबकार्ड धारकों को महात्मा गाँधी नरेगा योजना में काम के लिए डिमाण्ड करने की प्रक्रिया की जानकारी नहीं है जिसमें खानपुर तथा भगवानपुर विकासखण्डों की स्थिति में सुधार की आवश्यकता है।

2. हरिद्वार जनपद के लिए महात्मा गाँधी नरेगा योजना अन्तर्गत कुल 2,69,505 श्रमिक पंजीकृत हुए हैं, जिसमें से अभी लगभग 72% श्रमिक काम की मांग ही नहीं करते जिसमें सबसे अधिक लगभग 81% विकासखण्ड रूड़की तथा सबसे कम लगभग 52% विकासखण्ड खानपुर द्वारा योगदान दिया जा रहा है। विभाग को निष्क्रीय जॉबकार्ड एवं काम की मांग न करने वाले श्रमिकों के लिए सघन सर्वेक्षण करते हुए इन आंकड़ों को सन्तुलित करना चाहिए, ताकि वास्तविक जॉबकार्ड धारकों एवं श्रमिकों को चिह्नित करते हुए सूचीवद्व किया जा सके।

3. ग्राम्य विकास विभाग द्वारा विगत वर्ष 2018–19 से वर्ष 2021–22 के मध्य महात्मा गाँधी नरेगा के अन्तर्गत सृजित मानव दिवस हेतु आंकड़ों के अध्ययन से ज्ञात होता है कि विगत चार वर्षों के दौरान कुल 53,86,481 मानव दिवस सृजित हुए जिसमें सबसे अधिक विकासखण्ड भगवानपुर तथा सबसे कम विकासखण्ड रूड़की द्वारा योगदान दिया गया। आंकड़ों का वर्षवार तुलना करने से ज्ञात होता है कि जनपद में वर्ष 2019–20 से वर्ष 2021–22 के मध्य औसतन 1.24% की ऋणात्मक कमी देखी गयी। उक्त आंकड़ों में सबसे अधिक विकासखण्ड रूड़की द्वारा -5.13% एवं विकासखण्ड खानपुर द्वारा 17.62% के माध्यम से योगदान दिया गया। ऋणात्मक गिरावट वाले विकासखण्डों में अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है।

4. विगत तीन वर्षों के मध्य महिलाओं के सृजित दिवसों में जनपद के अन्तर्गत लगभग 2.50% की वृद्धि हो रही है, जो महिलाओं को रोजगार उपलब्ध होने में कहीं न कहीं कमी हो रही है या महिलाओं को कार्य के लिए मांग करने हेतु

जानकारी का अभाव प्रकट करता है, या महिलाएं काम करना नहीं चाहती। विभाग को उक्त अभाव को दूर करने के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर रोजगार दिवस मनाने के प्राविधान को लागू करने की कार्ययोजना तैयार की जाती है तो जनपद के विकासखण्डों में महात्मा गांधी नरेगा के अन्तर्गत महिलाओं की भागीदारी में अधिक वृद्धि होगी एवं महिला जनशक्ति की आय में भी वृद्धि होगी।

5. जनपद के अन्तर्गत विगत चार वर्षों के मध्य प्रति परिवार लगभग 44% दिनों का ही औसत रोजगार उपलब्ध करवाया गया जिसमें विकासखण्ड खानपुर द्वारा सबसे कम 41.82% दिनों का ही औसत रोजगार प्रति परिवार को दिया गया, जबकि जनपद में विगत तीन वर्षो के दौरान वर्षवार तुलना करने से स्पष्ट होता है कि जनपद में औसत 0.92% की कमी देखी गयी है। आंकड़ों में सबसे अधिक 1.79% योगदान विकासखण्ड रूड़की एवं सबसे कम -3.87% लक्सर विकासखण्ड द्वारा दिया गया। विभाग को औसत रोजगार दिवस बढ़ाने के लिए जॉबकार्ड धारकों को अधिक से अधिक मांग करने के लिए जागरूक करने की रणनीति तैयार करनी चाहिए जिसके पश्चात ग्रामीणों की आय में भी वृद्धि होगी।

6. विगत चार वर्षों के दौरान औसत 1215 परिवारों को ही 100 दिन का रोजगार उपलब्ध करवाया गया, जो कि कम है।वर्षवार 100 दिन पूरे करने वाले परिवारों की वार्षिक वृद्धिदर को देखे तो ज्ञात होता है कि विकासखण्ड बहादराबाद के अतिरिक्त हर विकासखण्ड में वृद्धिदर गिरावट के साथ देखी गयी अर्थात वृद्धिदर का लगभग 112 तक गिरना मनरेगा की जनपद में स्थिति को दर्शाता हैं। विभाग को 100 दिन को पूरे करने वाले परिवारों की संख्या में वृद्धिदर को शत–प्रतिशत करने के लिए सक्रीय जॉबकार्डों पर ध्यान केन्द्रित करते हुए सुधार करना होगा।

7. जनपद में महात्मा गाधी नरेगा में कुल पंजीकृत श्रमिकों को दिये गये राजेगार के आंकड़ों को देखे तो ज्ञात होता है कि जनपद द्वारा मात्र 58% श्रमिक ही रोजगार प्राप्त कर रहे हैं जो कि अपेक्षाकृत कम है। विकासखण्ड भगवानपुर तथा बहादराबाद में पंजीकृत श्रमिकों की संख्या अधिक है किन्तु रोजगार उपलब्धता की स्थिति कम है, श्रमिकों को रोजगार उपलब्धता पर वार्षिक वृद्धिदर के आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि जनपद में विकासखण्ड नारसन, खानपुर तथा लक्सर के अतिरिक्त अन्य विकासखण्डों में वृद्धिदर ऋणात्मक रही है। विभाग को इन विकासखण्ड में जॉबकार्ड एवं श्रमिकों के सत्यापन हेतु कार्ययोजना तैयार कर जॉबकार्ड सूची को सुव्यवस्थित करना चाहिए ताकि भविष्य में वास्तविक जॉबकार्ड एवं श्रमिक महात्मा गांधी नरेगा में पंजीकृत रहें।

8. मनरेगा के अन्तर्गत विभाग द्वारा विगत चार वर्षों के दौरान कृषि एवं कृषि संबद्ध कार्यों पर व्यय प्रतिशत औसतन 442% रहता है। उल्लिखित वर्षों के दौरान कृषि एवं कृषि संबद्ध कार्यों पर व्यय प्रतिशत का वार्षिक वृद्धिदर के आंकड़ों में विकासखण्ड लक्सर तथा नारसन द्वारा ऋणात्मक गिरावट के रूप में योगदान दिया जाता है।विभाग को कार्यो की अधिकता को मध्यनजर रखते हुए ग्रामीणों की आवश्यकता एवं मांग के अनुसार कई योजनाओं को एकीकृत करते हुए कार्ययोजना तैयार करनी चाहिए, ताकि एक ही परियोजना से कई परिवारों को रोजगार उपलब्धता के साथ–साथ आजीविका के स्रोतों में भी वृद्धि की जा सके।

9. जनपद में NRLM के तहत कुल 4261 स्वयं सहायता समूह गठित किये गये हैं, किन्तु सभी विकासखण्डों में वर्तमान समय में भी 66 स्वयं सहायता समूह बैंक से लिंक नहीं हुए हैं अर्थात इन स्वयं सहायता समूह निष्क्रीय होने के संकेत कर रहे हैं या समूह खाता खुलवाने की प्रक्रिया कर रहे है। विभाग द्वारा स्वयं सहायता समूह को बैंक से लिंक करने की कार्यवाही शीघ्र अमल में लानी चाहिए क्योंकि सभी विकासखण्डों में समूहों की सहायता हेतु कर्मचारी तैनात किये गये हैं। विकासखण्ड लक्सर एवं नारसन में क्रमशः 35 व 17 सबसे अधिक स्वयं सहायता समूह बैंक से लिंक नहीं है।

10. जनपद में गठित 4261 स्वयं सहायता समूह के 43,873 परिवारों की गरीब महिलाओं को अतिरिक्त आय से जोड़ने के लिए कुल 349 ग्राम संगठन (VO=Village Organization) एवं 118 कलस्टर स्तरीय सगंठन (CLF=Cluster level Federation) गठित कर 3435 स्वयं सहायता समूह को RF तथा 2403 स्वयं सहायता समूह को CIF से लाभान्वित किया गया जिसके लिए विभाग द्वारा क्रमशः रूपये 456.00 लाख की धनराशि RF (Revolving Funds) मद में एवं रूपये 1517.10 लाख की धनराशि CIF (Community Investment Funds) मद में व्यय किये गये हैं। जनपद में 826 स्वयं सहायता समूह RF एवं 1858स्वयं सहायता समूह CIF के लिए अवशेष हैं। आंकड़ों के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि विकासखण्ड लक्सर एवं रूडकी में विभाग को सघन अभियान के रूप में कार्य करने की आवश्यकता हैं।

11. जनपद के विभिन्न विकास खण्डों में स्वयं सहायता समूह कार्यरत हैं जिनके उत्पाद के विपणन में कठिनाई आ रही है इन्हें हिलांस से जोड़े जाने से अधिक लाभ होगा।

12. मनरेगा में महिलाओं की भागीदारी कम है।

13. विभिन्न क्षेत्रों में कौशल विकास कार्यक्रमों पर अधिक ध्यान केन्द्रित करने की आवश्यकता है। बैंकों द्वारा संचालित RSETI कार्यक्रमों में कौशल विकास, स्थानीय आवश्यकता के अनुरूप नहीं है, अतः इन कार्यक्रमों को बैंको द्वारा संशोधित करने की आवश्यकता है।

14. रूड़की विकास खण्ड में स्वयं सहायता समूहों द्वारा उत्पादन किए जा रहे सामान को विक्रय हेतु हिलांस से जोड़ने की आवश्यकता है।

15. स्वयं सहायता समूहों में महिलाओं की अधिक भागीदारी बढ़ाने में उनकी साक्षरता दर कम होने के कारण कठिनाईयाँ होती है। अतः NRLM के कार्यक्रमों में महिलाओं की वित्तीय साक्षरता (Financial literacy) पर विषेश ध्यान केन्द्रित करने की आवश्यकता है ताकि कार्य का लाभ उन्हें अधिक मिल सके।

16. लक्सर विकास खण्ड में कुछ महिला स्वयं सहायता समूह काफी सक्रिय है। इनकी संख्या कम है अतः अगामी 1 वर्ष में सभी स्वयं सहायता समूहों के कौशल विकास एवं वित्तीय साक्षरता के द्वारा पूर्ण रूपेण सक्रिय किया जाए जिससे सदस्यों को अतिरिक्त आय हो सके।

17. लक्सर विकास खण्ड एवं अन्य विकास खण्ड़ों में भी कर्मचारियों की कमी के कारण संबंधित विभाग के कार्य पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है तथा लोगों को सरकारी कार्यक्रमों का पूरा लाभ नहीं मिल पा रहा है। जनपद एवं राज्य स्तर पर विभाग स्टाफ की कमी को चरणबद्ध तरीके से पूरा करेगा तो स्थानीय लोगों को अधिक लाभ होगा।

18. बहादराबाद विकास खण्ड में स्वयं सहायता समूहों की सक्रियता प्रसाद, कांवड सामग्री एवं पूजन सामग्री इत्यादि के माध्यम से बढ़ाई जा सकती है जिससे अधिक आय होगी।

कृषि

गन्ना मुख्य नकदी फसल है तथा वर्तमान में हरिद्वार में 3 निजी चीनी मिलें हैं अर्थात् इकबालपुर में लक्ष्मी चीनी मिल, लिबरहेड़ी में उत्तम चीनी मिल और लक्सर चीनी मिल। वर्ष 2009–10 में गन्ने का कुल उत्पादन 623.77 क्विंटल था, जो 7666 हेक्टेयर क्षेत्र में था। इस प्रकार गन्ना उत्पादन एक ऐसा क्षेत्र है जो बड़े पैमाने पर रोजगार प्रदान करता है। गन्ना उत्पादकों को गन्ने की खेती के नवीनतम तरीकों की पूर्ण जानकारी नहीं है। पेराई सीजन के दौरान निरन्तर आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए किसानों को समयबद्ध और कटाई तकनीकी में कौशल विकास प्रदान करने की आवश्यकता है।

एक अन्य क्षेत्र जिस पर ध्यान देने की आवश्यकता है, वह है सिंचाई प्रबंधन सिद्धांतों के लिए प्रशिक्षण का प्रावधान। मूल्य श्रृंखला के तहत गन्ने के रस, गुड़ की मिठाई और दानेदार गुड़ के उत्पादन जैसे मूल्य संवर्द्धन के लिए प्रसंस्करण कार्यों को करने के लिए कुशल जनशक्ति की आवश्यकता होगी। मूल्य श्रृंखला को आगे बढ़ाने के लिए ब्रांड निर्माण और पैकेजिंग पर प्रशिक्षण की आवश्यकता होगी जिसे भारतीय पैकेजिंग प्रौद्योगिकी संस्थान और भारतीय विदेश संस्थान के परामर्श से आयोजित किया जा सकता है।

जनपद में कृषि एवं कृषि भूमि से जुड़े विभिन्न समस्याऐं निम्नलिखित हैं–

1. खानपुर एवं लक्सर विकास खण्ड़ों के कुछ क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो जाती है जिसे कृषि उत्पादन पर विपरीत प्रभाव पड़ता है।
2. भगवानपुर एवं बहादराबाद विकास खण्ड़ों के कुछ क्षेत्रों में भूजल स्तर नीचा होने के कारण सिंचाई प्रभावित होती है।
3. कृषि में मुख्तया गन्ना, गेहूं एवं धान लगाया जा रहा है जबकि अन्य फसलों जैसे कि दालों एवं सब्जियों आदि से कृषकों को और अधिक आय हो सकती है।
4. जनपद के अधिकतर कृषक छोटे एवं सीमांत किसान हैं जिस कारण से उनकी आय सीमित रहती है।
5. समय पर उचित गुणवत्ता के बीज आवश्यकतानुसार उपलब्ध न होने के कारण कृषि उत्पादन पर विपरीत असर पड़ता है।
6. कृषि भूमि की उत्पादकता निरन्तर घट रही है तथा वैज्ञानिक भूविकास एवं प्रबंधन का अभाव है।
7. कृषि उपज के विपणन को और सुदृढ़ करने की आवश्यकता है।
8. कई विकास खण्ड़ों में जंगली जानवरों से भी कृषि को नुकसान हो रहा है।नील गाय के प्रकोप से फसल नष्ट हो रही है तथा वन विभाग के साथ मिलकर इसका उपाय ढूंढने की आवश्यकता है।नीलगाय के झुंड गन्ने के खेतों मे छिपे रहते हैं एवं आस–पास की फसल नष्ट करते हैं। इसके निवारण हेतु वन विभाग को ठोस कदम उठाने होंगे क्योंकि कृशि को भारी नुकसान हो रहा है।

कृषि क्षेत्र को सुदृढ़ करने हेतु मुख्य सिफारिशें निम्नलिखित हैं :–

1. जैव उर्वरक और जैव कीटनाशक उत्पादन इकाइयां स्थापित करना होगा।
2. जनपद के किसानों को बड़ी संख्या में सब्जी, फल एवं फूलों के उत्पादन की ओर प्रेरित करना चाहिए।

3. मृदा उपजाऊपन और पर्यावरण सुरक्षा को बनाए रखते हुए कृषि उत्पादकता में वृद्धि करने का प्रयास किये जाने चाहिए।

4. ग्राम स्तर पर मोबाइल मृदा परीक्षण प्रयोगशालाएं स्थापित किये जाने चाहिए।

5. सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए।

6. एग्री क्लीनिक एवं एग्री बिजिनेस केन्द्र को स्थापित करना कृषिगत विकास को सहयोग करना होगा।

7. खेतों पर Agro Forestry का अधिक विकास करना होगा जिससे किसानों की आय दोगुनी हो सके।

8. Agro forestry के अन्तर्गत पेड़ लगाये जाते हैं उन्हें अन्तर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय Carbon Market का लाभ प्राप्त करने में कृषि एवं वन विभाग को सहायता करनी चाहिए।

9. आधुनिक कृषि के उपाय जैसे कि Bio Fertilizer, Bio inoculants एवं Bio Control Agents को बढ़ावा दिया जा सकता है जिससे जनपद के कृषकों की आय दोगुनी हो सकेगी।

10. जनपद स्तरीय कृषि विकास योजना बनाए जाने की आवश्यकता है जिससे कृषकों को आधुनिक कृषि प्रबन्धन, उत्पादन एवं विपणन का लाभ मिल सके।

11. सभी विकास खण्ड़ों एवं ग्राम पंचायतों में एकीकृत फसल प्रबन्धन की योजना बनाकर उसे अपनाए जाने की आवश्यकता है।

12. विकास खण्ड भगवानपुर में बड़े किसान अपने खेतों मे वृक्ष (Poplar) लगा रहे हैं जिसको खरीदने के लिए यमुनानगर से खरीददार आते हैं। इस कार्य को बढ़ावा दिया जा सकता है तथा राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर Carbon Market का भी लाभ मिल सकता है।

13. विकास खण्ड भगवानपुर में बड़े एवं छोटे किसानों की भूमिजोत में असमानता है। बड़े किसानों को कृषि से पर्याप्त आय प्राप्त हो रही है लेकिन छोटे किसानों के पास कम भूमि होने के कारण कृषि से पर्याप्त आय नहीं मिल रही है। फलस्वरूप आय के अन्य साधन खोजने पड़ रहे हैं। अतः छोटे किसानों के लिए कृषि, बागवानी एवं पशुपालन क्षेत्र में विशेष योजना चलाए जाने की आवश्यकता है।

14. विकास खण्ड नारसन में गन्ने की खेती व्यापक स्तर पर हो रही है परन्तु गन्ना उत्पादन की आधुनिक तकनीक समय–समय पर विस्तार करने की आवश्यकता है।

15. गन्ने की खेती में भारी मात्रा में कीटनाशक एवं उर्वरक का प्रयोग किया जा रहा है, जो कि स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकते हैं आर्गेनिक Jaggery के उत्पादन से अधिक मूल्य मिल सकता है। विकास खण्ड नारसन में इसकी एक इकाई भी स्थापित हो चुकी है इसको अन्य क्षेत्रों में भी बढ़ाया जा सकता है।

16. छोटे किसानों की संख्या अधिक है जिनके पास भूमिजोत कम होने के कारण आजीविका के अन्य स्रोतों पर निर्भर करते हैं।

17. कृषि श्रमिकों की कमी एवं जंगली जानवरों से हो रहे नुकसान के कारण बड़े कृषक खेतों में पॉपलर (Poplar) के पेड़ लगा रहे हैं। यमुनानगर से खरीददार उचित मूल्य पर इन पेड़ों को क्रय कर लेते हैं।

18. यह भी सुझाव दिया जाता है कि शुरूआती दौर में गन्ने की खेती के साथ मिश्रित फसल पैदा करके किसानों की आय बढ़ सकती है।

19. जनपद हरिद्वार के कुछ क्षेत्रों में जैसे कि लक्सर, नारसन एवं भगवानपुर विकास खण्ड के कुछ कृषक आर्गेनिक खेती कर रहे हैं। अभी यह प्रारम्भिक दौर में है तथा ऐसे किसानों की संख्या कम है। आर्गेनिक खेती के विस्तार से किसानों की आय बढ़ेगी तथा स्थानीय पलायन पर अंकुश लगेगा।

20. जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों में रह रहे लोगों से चर्चा के उपरांत विभागों द्वारा सरकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी नहीं दी जा रही है। अतः विभागों को गांव–गांव जाकर योजनाओं के विषय में लोगों को जानकारी देना आवश्यक है।

21. लक्सर विकास खण्ड एवं अन्य विकास खण्ड़ों में भी कर्मचारियों की कमी के कारण संबंधित विभाग के कार्य पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है तथा लोगों को सरकारी कार्यक्रमों का पूरा लाभ नहीं मिल पा रहा है। जनपद एवं राज्य स्तर पर विभाग स्टाफ की कमी को चरणबद्ध तरीके से पूरा करेगा तो स्थानीय लोगों को अधिक लाभ होगा।

22. जनपद में हाथी, नीलगाय तथा बंदर फसलों को नष्ट कर रहे हैं इस प्रकार के नुकसान को कृषि बीमा योजना में लाने से किसानो के नुकसान की भरपाई की जा सकतीहै।

23. जनपद में छोटे किसानों की संख्या अधिक है जिनके पास भूमि जोत कम है इनकी आय बढ़ाने के लिए विशेष कार्यक्रम चलाये जाने आवश्यक हैं।

पशुपालन और वाणिज्यिक डेयरी

जनपद में दूध की स्थानीय मांग काफी अधिक है और इसे सहारनपुर और बिजनौर जैसे आसपास के जिलों द्वारा पूरा किया जा रहा है। मौजूदा मांग के आधार पर जिले में व्यावसायिक डेयरी की अपार संभावनाएं हैं। डेयरी पशुओं की कुल संख्या 191403 है जिसमें से 60447 गाय हैं और 130956 भैंस हैं। 39 कृत्रिम गर्भाधान सुविधाओं के साथ 16 पशु अस्पताल हैं। 39गर्भाधान सुविधाओं में से 26 सरकारी स्वामित्व वाली हैं और बाकी निजी क्षेत्र पर आयोजित की जाती हैं।जिले में 329 दुग्ध समितियां हैं जिनमें से 250 कार्य कर रही हैं।

जनपद में पशुपालन एवं डेयरी की निम्नलिखत प्रमुख समस्याऐं हैं–

1. असंतुलित आहार प्रथाओं को अपनाया जा रहा है।

2. पशुओं में स्तनपान की अवधि कम है।

3. भैंसो में बियाने का अंतराल लम्बा है।

4. पशुधन के स्वास्थ्य प्रबंधन प्रणाली पूर्णरूप से विकसित नहीं है तथा कई बार पशुधन स्वास्थ्य सेवायें उपलब्ध होने में विलम्ब होता है।

5. बकरी एवं मुर्गीपालन के उचित स्तर का वैज्ञानिक प्रबंधन का अभाव है।

6. वाणिज्यिक स्तर पर जनपद में पशुपालन एवं कृषि कार्यों का सम्मिलन (Convergence)

7. उचित गुणवत्ता के पशुआहार एवं हरे चारे का उपलब्ध न होना।

सुझाव :–

1. यह आवश्यक है कि सभी विकास खण्ड़ स्तर पर पशुपालन एवं डेयरी विकास की उपयोजना बनाकर जनपदस्तर पर एक एकीकृत योजना बनाई जाए ताकि इस क्षेत्र का और तीव्र गति से विकास हो सके एवं ग्रामीण क्षेत्र में रह रहे लोगों की आय में वृद्धि हो। योजना में उपरोक्त पक्तियों में उल्लिखित समस्याओं को ध्यान में रखते हुए उनके समाधान का भी उचित प्रबन्धन हो। पशुपालन एवं डेयरी क्षेत्र में जनपद हरिद्वार के ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक विकास की अत्यधिक सम्भावनाऐं हैं जिनका लाभ ऐसी एकीकृकत योजना बनाकर तथा उसके समयबद्ध क्रियान्वयन से प्राप्त होगा।

2. जिले में डेयरी गतिविधियों को बढाने के लिए कलस्टर आधारित दृष्टिकोण की आवश्यकता है।

3. ग्रामीण स्तर पर पशुपालक असंगठित हैं इन्हें संगठित करने की आवश्यकता है।

4. दूध का न्यूनतम समर्थन मूल्य निर्धारित किया जाना पशुपालकों को प्रोत्साहित करना होगा।

5. किसान क्रेडिट कार्ड में डेयरी किसानों को सम्मिलित किया जाना चाहिए।

6. पशुओं की उत्पादकता बढ़ाने, बेहतर स्वास्थ्य देखभाल, प्रजनन सुविधाओं और डेयरी पशुओं के प्रबंधन की आवश्यकता है। इससे दूध उत्पादन की लागत में कमी हो सकती है।

7. पशु चिकित्सा सेवाओं, कृत्रिम गर्भाधान, चारा और किसान शिक्षा की उपलब्धता सुनिश्चित करके दूध उत्पादन और उत्पादकता को बढ़ाया जा सकता है।

8. यदि जनपद को डेयरी निर्यातक के रूप में अग्रणी बनना है, तो उचित उत्पादन, प्रसंस्करण और विपणन के बुनियादी ढाँचे को विकसित करना अनिवार्य है।

9. गुणवत्ता और सुरक्षित डेयरी उत्पादों के उत्पादन के लिये एक व्यापक रणनीति की आवश्यकता है। इसके लिए कानूनी ढाँचा भी बनाना चाहिए।

10. डेयरी सहकारिता को मजबूत करने के लिए किसान उत्पादक संगठनों को भी बढ़ावा देना चाहिए।

11. पशुपालन एवं डेयरी विकास में लगे उद्यमियों का समय–समय पर कौशल विकास भी कराया जाना आवश्यक है।

12. प्रोजेक्ट मोड के आधार पर बड़े पैमाने पर रोजगार के लिए संभावित क्षेत्र के रूप में डेयरी को विकसित करने के लिए बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंकेज पर प्रयास किया जाना चाहिए।

13. बैकवर्ड लिंकेज के तहत चारा प्रबंधन, उचित शेड की स्थापना, पानी की उपलब्धता और पशु के स्वास्थ्य पर ध्यान दिया जाना चाहिए।

14. भगवानपुर विकास खण्ड में उत्तर प्रदेश से लगे हुए क्षेत्र से भेड़ पालक अपनी भेड़ों को लेकर प्रवास पर आते हैं। इससे स्थानीय पशुओं को बीमारी फैलने का खतरा है तथा प्रवासी भेड़ों का निवारक उपचार किया जाना आवश्यक है।

15. विकास खण्ड नारसन में दुग्ध समितियाँ चल रही हैं जिससे जुड़ी महिलाओं की आय में वृद्धि हुई है। इसे जनपद के सभी ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक रूप से बढ़ाया जा सकता है।

16. खानपुर विकास खण्ड में दुग्ध का उत्पादन अधिक है लेकिन दुग्ध प्रसंस्करण इकाईयाँ कम होने के कारण उत्पादकों को पर्याप्त लाभ नहीं हो रहा है। इसके लिए सहकारिता क्षेत्र में दुग्ध प्रसंस्करण इकाईयाँ स्थापित की जानी चाहिए जिससे की मक्खन एवं घी इत्यादि का उत्पादन बढ़ सके।

17. विकास खण्ड रूड़की में कुछ महिला समूह डेयरी योजना का लाभ उठाकर दुग्ध उत्पादन कर रहे हैं। ऐसे समूहों की संख्या जनपद में बढ़ाए जाने की आवश्यकता है ताकि हरिद्वार जनपद दुग्ध उत्पादन आत्मनिर्भर हो सके। दुग्ध के प्रसंस्करण करके पनीर एवं घी इत्यादि बनाने से आय अधिक होगी।

18. जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों में रह रहे लोगों से चर्चा के उपरांत विभागों द्वारा सरकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी नहीं दी जा रही है। अतः विभागों को गांव–गांव जाकर योजनाओं के विषय में लोगों को जानकारी देना आवश्यक है।

19. जनपद के कुछ क्षेत्रों में (बहादराबाद विकास खण्ड में) सामूहिक प्रयासों से गेंदे एवं अन्य फूलों की खेती की जा रही है जिसका विपणन हरिद्वार एवं आस–पास के क्षेत्रों में हो रहा है इस प्रकार के कार्यको अन्य क्षेत्रों में भी करके किसानों की आय बढ़ाई जा सकती है।

20. Food Processing की सुविधा स्थानीय स्तर पर उपलब्ध नहीं है तथा इसको बढ़ावा देने से किसानों को अधिक लाभ होगा।

21. उद्यान एवं अन्य विभागों के सभी आंकड़े चरणबद्ध तरीके से digitize किए जाने से कार्यक्रमों के नियोजन एवं अनुश्रवण में सुविधा होगी।

22. कुछ धनराशि स्थानीय Innovation के लिए जिला स्तर पर उपलब्ध होने से लाभ होगा।

मत्स्य विभाग

मत्स्य व्यवसाय को आजीविकोपार्जन में वृद्धि हेतु निम्नवत सुझाव है :–

1. जनपद में मत्स्य प्रजनन हेतु स्थलों को चिहिन्त करते हुए केन्द्र स्थापित किये जाने चाहिए, जिससे मछलीपालकों को सरलता से हैचलिंग्स/फ्राई(पोना)/स्पान(जलांडक)/फिंगरलिंग्स(अंगुलिकाएं) उपलब्ध हो सके।

2. मत्स्य पालन की वैज्ञानिक तकनीकी का प्रयोग करते हुए मत्स्य उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि हेतु कार्ययोजना तैयार की जाय।

3. रंगीन मछलियों (एक्वेरियम फिश) का व्यवसाय वर्तमान में अधिक लोकप्रिय हो रहा है तद्क्रम मछलीपालकों को प्रशिक्षित किया जाय।

4. जनपद में मछली बाजार को विकसित करने का प्राविधान किया जाना उचित होगा।

5. जनपद में मछली आहार एवं रोग नियंत्रण केन्द्रों को विकसित किया जाना चाहिए।

6. रूड़की विकास खण्ड में छोटे स्तर पर मत्स्य पालन किया जा रहा है जिनकी संख्या बढ़ाने से स्थानीय निवासियों को अधिक आय होगी।

7. जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों में रह रहे लोगों से चर्चा के उपरांत सामने आया कि विभागों द्वारा सरकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी नहीं दी जा रही है। अतः विभागों को गांव–गांव जाकर योजनाओं के विषय में लोगों को जानकारी देना आवश्यक है।

उद्यान

जनपद में फलों जैसे कि आम, लीची एवं अमरूद इत्यादि का तथा विभिन्न प्रकार की सब्जियों का उत्पादन हो रहा है किन्तु इस क्षेत्र को और बढ़ावा देने की आवश्यकता है ताकि इस कार्य में लगे कृषकों/बागवानों की आय में वृद्धि हो सके एवं जनपद की ग्रामीण अर्थव्यवस्था सुदृढ़ हो सके। इस क्रम में निम्नलिखित सिफारिशें प्रस्तुत हैं–

1. शीघ्र एवं अगेती अंकुरण, उत्पादन एवं फल युक्त संकर प्रजाति के फल पौध एवं बीज उपलब्धता हेतु अगेती उद्यान केन्द्रों को स्थापित किया जाय।

2. वैज्ञानिक तकनीकी से उद्यमियों को जानकारी उपलब्ध करवाये जाने के लिए विभाग अपना विभागीय एप तैयार करे जिससे उद्यमियों को घर पर ही अपने समस्या का समाधान प्राप्त हो सके।

3. जनपद में स्थापति रा0औ0प्र0 सिकन्दरपुर मात्र एक उद्यान तथा 04 निजी पंजीकृत पौधालय मौजूद है। जनपद में इनकी संख्या को बढाये जाने से रोजगार उपलब्धता के साथ आपूर्ति भी सुनिश्चित होगी।

4. सब्जियों के उत्पादन के विशेष ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है ताकि पारम्परिक कृषि उत्पादन से हटकर जनपद के विभिन्न विकास खण्ड़ों में सब्जी उत्पादन भारी मात्रा में हो सके।

5. उद्यान विभाग को वर्तमान फल एवं सब्जी उत्पादन की प्रक्रिया एवं विपणन के उपयुकत पैकेजों का प्रवाधान है। इससे ग्रामीण क्षेत्र में रह रहे किसानों/बागवानों की आय बढ़ेगी एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था सुदृढ़ होगी।

6. विकास खण्ड भगवानपुर में ग्रामीणों द्वारा व्यापक स्तर पर मशरूम उत्पादन का कार्य किया जा रहा है तथा स्थानीय बाजार हेतु ग्राम बुग्गावाला में स्थित फैक्टरी में इसका रख–रखाव होता है। इस कार्य के विस्तार किए जाने के साथ–साथ स्थानीय स्तर पर सब्जी का उत्पादन किया जा सकता है तथा गांव में ही स्थित Food Processing & Packaging Unit में इसकी खपत हो सकती है।

7. विकास खण्ड नारसन में औषधिय पौधों जैसे लेमन ग्रास आदि का कार्य शुरू किया गया है तथा इसके व्यापक स्तर पर बढ़ाने से स्थानीय अर्थव्यवस्था सुधरेगी।

8. विकास खण्ड रूड़की में फलों के प्रसंस्करण (Fruit Processing) की सुविधा न होने के कारण किसानों को उचित मूल्य नहीं मिल पा रहा है।

9. विकास खण्ड भगवानपुर में छोटे किसान सब्जियों का उत्पादन कर रहे हैं जो कि छुटमलपुर मंडी में उचित मूल्य पर विक्रय किया जाता है। इस प्रकार के कार्य से किसनों की आय बढ़ेगी। अतः यह भी सुझाव दिया जाता है कि जनपद के अन्य भागों में भी सब्जी उत्पादन व्यापक स्तर पर हो।

10. जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों में रह रहे लोगों से चर्चा के उपरांत विभागों द्वारा सरकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी नहीं दी जा रही है। अतः विभागों को गांव–गांव जाकर योजनाओं के विषय में लोगों को जानकारी देना आवश्यक है।

उद्योग / ग्रामोद्योग

जनपद हरिद्वार में लगभग 40 औद्योगिक क्षेत्र हैं जो जनपद एवं प्रदेश के औद्योगिक विकास के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उत्तराखण्ड की औद्योगिक नीति तथा केन्द्र सरकार द्वारा दी गई सुविधाऐं ही औद्योगिक विकास के लिए सहायक है। ऐसा अनुमान है कि इस क्षेत्र में लगभग 1लाख लोगों को सीधे या अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार उपलब्ध हो रहा है तथा जनपद की प्रति व्यक्ति आय का अधिक होने का भी यह एक मुख्य कारण है।

जनपद में औद्योगिक विकास से जुड़ी मुख्य समस्याऐं निम्नलिखित हैं–

1. आधारभूत सुविधाओं का अभाव– परिवहन, बिजली, जलापूर्ति, संचार एवं अन्य सुविधाओं का अभाव है। औद्योगिक इकाईयों के लिए 24 घंटे बिजली का उपलब्ध न होना औद्योगिक उत्पादन पर विपरीत प्रभाव डालता है।

2. पर्यावरण से जुड़ी अनेक समस्याऐं जैसे कि CETP (Commom Effluent Treatment Plant)तथा ठोस अपशिष्ट प्रबंधनकी सुविधाऐं सभी औद्योगिक क्षेत्रों में नहीं हैं।

3. उद्योगों से जुड़े कार्मिकों के लिए अधिकृत औद्योगिक क्षेत्रों में निवास की उचित सुविधाऐं नहीं है जिससे आस–पास के नगरीय क्षेत्रों में दबाव बढ़ रहा है एवं पर्यावरण से जुड़ी समस्याऐं उत्पन्न हो रही हैं।

4. छोटी इकाईयों के लिए ऋण सुविधा की प्रक्रिया जटिल है।

5. जनपद में विभिन्न प्रकार की इकाईयां है जिनके लिए कुशल श्रमिकों का अभाव है।

6. जनपद के सभी अधिकृत औद्योगिक क्षेत्रो में रेल अथवा उचित सड़क परिवहन की सुविधा न होने के कारण परिवहन पर अधिक खर्च होता है।

औद्योगिक क्षेत्र को सुदृढ़ करने हेतु प्रमुख सुझाव निम्नलिखित हैं :–

1. जनपद के लिए औद्योगिक विकास योजना बनायी जाये।

2. जनपद के समस्तअधिकृत औद्योगिक क्षेत्रों में रेल अथवा उचित सड़क परिवहन सुविधा उपलब्ध होने से परिवहन पर खर्च कम होगा एवं औद्योगिक विकास तीव्र गति से होगा।

3. जनपद के औद्योगिक विकास के लिए एक विस्तृत योजना बनाई जाए ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में भी छोटी इकाईयों का विकास हो सके इससे ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार उत्पन्न होगा एवं शहरों की ओर पलायन कम होगा।

4. MSME इकाईयों के सुदृढ़ीकरण हेतु विद्युत, जल, सड़क, परिवहन, संचार इत्यादि सुविधाओं को उपलब्ध कराने से अधिक विकास होगा।

5. MSME के क्षेत्र को कलस्टर के रूप में विकसित करने की आवश्यकता है।

6. MSME से जुड़ी इकाईयों के लिए बैंकों से ऋण सुविधा की प्रक्रिया का सरलीकरण आवश्यक है तथा उपजिला / विकासखण्ड स्तर पर इस क्षेत्र के विकास के लिए मासिक बैठक अधिकृत करने से औद्योगिक विकास को और गति मिलेगी।

7. उद्योगों में कार्यरत महिलाओं के लिए विशेष सुविधाऐं जैसे कि बस, परिवहन एवं शौचालय आदि उपलबध कराये जाऐं।

8. पर्यावरण से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिये तुरन्त उपाय किये जायें।

9. जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों में रह रहे लोगों से चर्चा के उपरांत विभागों द्वारा सरकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी नहीं दी जा रही है। अतः विभागों को गांव–गांव जाकर योजनाओं के विषय में लोगों को जानकारी देना आवश्यक है।

10. मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना के अन्तर्गत कुछ उद्यमियों को लाभ हुआ है परन्तु इनकी संख्या कम है और इसको अधिक बढ़ाया जा सकता है।

इस क्षेत्र से जुड़े कौशल विकास की चुनौतियाँ एवं सिफारिशें अग्रलिखित हैं–

उद्योग क्षेत्र में कौशल विकास :– वर्तमान संदर्भ और सिडकुल में उद्योगों की आवश्यकताओं को पूरा करने लिए कुशल जनशक्ति कीबढ़ती मांग को देखते हुए, सीएनजी संचालित मशीनों के संचालन में कौशल विकास और प्रशिक्षण की गुंजाइश है। उद्योगों की जरूरतों को पूरा करने के लिए ITIs के वर्तमान पाठ्यक्रमों को उद्योग की आवश्यकताओं के अनुसार संशोधित किया जाना चाहिए। हरिद्वार में 05 ITIs हैं जिनमें से 03 ITIs पीपीपी मोड के तहत चल रहे हैं। उद्योग नेशनल काउंसिल फॉर वोकेशनल ट्रेनिंग से संबद्ध डिप्लोमा वाले उम्मीदवारों को पसंद करते हैं। हांलाकि, पीपीपी मोड के तहत संचालित 03 ITIs नवीनतम तकनीक से लैस हैं और नई मशीनों पर व्यावहारिक अनुभव प्रदान करते हैं। इसके विपरीत अन्य 02 ITIs को शिक्षकों को प्रशिक्षण सहायता सहित ढ़ांचागत सहायता की आवश्यकता होगी। इन ITIs में कार्यरत मशीनरी पुरानी हैं और उद्योगों द्वारा उपयोग में नहीं हैं, जिस कारण छात्रों को नौकरी पाने में समस्या का सामना करना पड़ रहा है।

पर्यटन

जनपद में आने वाले पर्यटकों की संख्या मुख्यतया तीर्थयात्रियों की है जो कि तीर्थस्थलों पर एवं मेलों एवं यात्राओं पर आते हैं जैसे कि कुम्भ मेला एवं कावंड़ यात्रा आदि। इनमें अधिकतर स्वदेशी आगंतुक हैं जबकि विदेशी पर्यटकों की संख्या स्वदेशी पर्यटकों के अनुपात में 10–15% है। जनपद में पर्यटन विकास की जो विभिन्न योजनाऐं संचालित की जा रही हैं उनमें प्रमुख हैं– वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली पर्यटन स्वरोजगार योजना तथा दीन दयाल उपाध्याय गृह आवास विकास योजना। जनपद में पर्यटन क्षेत्र को सुदृढ़करने हेतु निम्नलिखित प्रमुख सुझाव हैं–

1. ग्रीन एवं डिजिटल पर्यटन के साथ–साथ वन्यजीव पर्यटन, व्यापार पर्यटन, साहसिक पर्यटन तथा स्वास्थ्य पर्यटन को भी बढ़ावा दिया जाय।

2. वर्तमान में जनपद में आ रहे पर्यटकों में 90% से अधिक तीर्थयात्री है। यह आवश्यक है कि तीर्थाटन के अतिरिक्त अन्य प्रकार के पर्यटन को भी विकसित किया जाए जिससे अर्थव्यवस्था में सुधार होगा। इसके लिए एक विस्तृत जनपद स्तरीय पर्यटन विकास योजना तैयार की जाए जो कि तीर्थाटन के अतिरिक्त पर्यटन केअन्य स्वरूपों पर भी केन्द्रित हो। इस योजना को जिसे हरिद्वारा शहर के अतिरिक्त अन्य स्थानों पर भी पर्यटन का विकास होगा। इसमें ग्रामीण पर्यटन, विरासत पर्यटन तथा वन्यजीव पर्यटन सम्मिलित किए जा सकते हैं।

3. हरिद्वार जनपद में राजाजी राष्ट्रीय उद्यान का भी क्षेत्र सम्मिलित है। वन्यजीव पर्यटन को बढ़ावा देने से स्थानीय लोगों को प्रकृति गाइड (Nature Guide) आदि के रूप में रोजगार मिलेगा।

4. पर्यटन क्षेत्र में लगे व्यवसायीओं तथा अन्य लोगों के कौशल विकास पर ध्यान केन्द्रित करके भी पर्यटकों को अधिक सुविधा होगी एवं स्थानीय स्तर पर आय बढ़ेगी।

5. जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों में रह रहे लोगों से चर्चा के उपरांत विभागों द्वारा सरकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी नहीं दी जा रही है। अतः विभागों को गांव–गांव जाकर योजनाओं के विषय में लोगों को जानकारी देना आवश्यक है।

सेवाएं और संबद्ध क्षेत्र :– जनपद हरिद्वार में धार्मिक पर्यटन फल–फूल रहा है, जैसे कि यहाँ पर कई होटल, आश्रम, धर्मशालाएं विकसित हो रहे हैं। कौशल विकास के संभावित क्षेत्रों में कैब ड्राइवर, वेटर, होटल व्यवसायी और पर्यटक गाइड जैसे सेवा प्रदाता शामिल हैं। आतिथ्य और पर्यटन क्षेत्र में बेहतर गुणवत्ता वाली सेवाएं प्रदान करना अनिवार्य माना जाता है। सॉफ्ट स्किल और संचार पर प्रशिक्षण देने पर कौशल विकास से होटल और पर्यटन उद्योग में बड़ी संख्या में रोजगार मिलेगा।

बाढ़ नियंत्रण एवं जल भराव

जनपद हरिद्वार के कुछ क्षेत्र जिसमें खानपुर विकास खण्ड का एक बड़ा भाग जलभराव से प्रभावित है। इससे कृषि एवं स्थानीय अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। फलस्वरूप स्थानीय युवा आस–पास के औद्योगिक क्षेत्रों में पलायन करने पर मजबूर हैं। इस स्थिति से निपटने के लिए निम्नलिखित सुझाव प्रेषित हैं–

1. बाढ़ नियत्रंण के लिए तुरंत विशेष योजना बनाकर केन्द्र सरकार या अन्य External Agency की सहायता से कार्य शुरू किया जाए ताकि प्रभावित लोगों को प्रतिवर्ष आ रही समस्या से निजात मिल सके।

2. जलभराव की स्थिति खानपुर विकास खण्ड तथा कुछ अन्य क्षेत्रों में भी है अतः जलभराव से प्रभावित क्षेत्रों को जनपद स्तर पर चिन्हित करके क्षेत्रों का सुधार किया जाना आवश्यक है।

3. बाढ़ एवं जलभराव प्रभावित क्षेत्रों में रह रहे ग्रामीणों के लिए विशेष आजीविका से जुड़ी योजनाऐं जैसे कि मत्स्य पालन एवं जलीय सब्जियों जैसे कि सिंघाड़ा आदि के उत्पादन पर जोर दिया जाए।

4. लक्सर विकास खण्ड के कुछ क्षेत्रों में भी जलभराव की समस्या रहती है। जलभराव से प्रभावित क्षेत्रों में कृशि उत्पादकता बढ़ाने के लिए एक चुनौती है। अतः जलभराव से निपटने के लिए एक समयबद्ध ठोस योजना बनाए जाने की आवश्यकता है।

5. बाढ़ ग्रस्त एवं जल भराव वाले क्षेत्रों में कृषिवानिकी में Poplar एवं यूकेलिप्टस के पेड़ लगाने से भी किसानों को लाभ होगा।